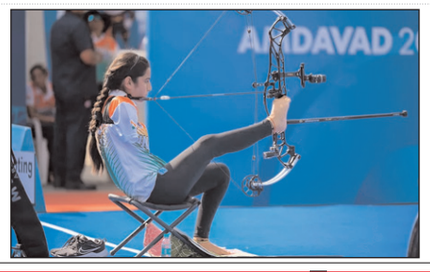
नई दिल्ली। शुक्रवार, 23 अक्टूबर, 2026
आश्विन शुक्ल पक्ष त्रयोदशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 287/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल शीतल देवी ने व्यक्तिगत कंपाउंड इवेंट में जीता गोल्ड ...
@ विचार यूरोप में उग्र प्रदर्शन बनाम भारतीय लोकतांत्रिक आंदोलन ...
@ व्यापार शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन गिरावट...

खबर झरोखा

भारत और पोलैंड ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार दोगुना करने का रखा लक्ष्य



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने गुरुवार को 2030 तक भारत और पोलैंड के बीच द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य निर्धारित किया। दोनों नेताओं की बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में यह जानकारी दी गई। संयुक्त बयान के अनुसार, दोनों देशों ने भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर जल्द हस्ताक्षर, उसके स्वीकृति और समयबद्ध क्रियान्वयन की आवश्यकता पर जोर दिया।

पीएम मोदी को कैप्टन स्मित मच्छार के साथ मशाल जलाने का नेतन्याहू ने दिया आमंत्रण

एजेंसी ■ यरुशलम

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी को इजरायल के स्वतंत्रता दिवस पर भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार के साथ मशाल जलाने के लिए आमंत्रित किया। नेतन्याहू ने कैप्टन स्मित मच्छार को 'भारत का वीर पायलट' बताया।



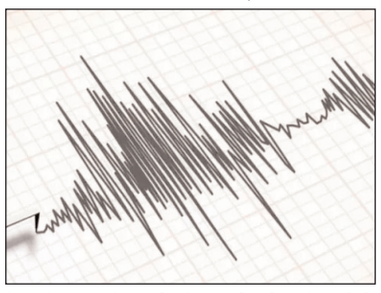
दोनों नेताओं ने बातचीत के दौरान भारत-इजरायल द्विपक्षीय संबंधों में जारी गति की समीक्षा की और दोनों देशों के बीच साझेदारी को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। इसके अलावा, पश्चिम एशिया के हालिया घटनाक्रमों पर भी विचार-विमर्श किया गया और क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता बहाल करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का फोन आया। हमने अपने द्विपक्षीय संबंधों में जारी गति की समीक्षा की और साझेदारी को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। हमने पश्चिम एशिया के हालिया घटनाक्रमों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया और क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता बहाल करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।'

वहीं, नेतन्याहू ने एक्स पर लिखा कि उन्होंने अपने मित्र और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की और उन्हें इजरायल के स्वतंत्रता दिवस पर वीर भारतीय पायलट के साथ मशाल जलाने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि मोदी ने निमंत्रण के लिए उनका आभार जताया और कहा कि भारत तथा इजरायल जमीन और आसमान, दोनों जगह आतंकवाद से मिलकर लड़ते हैं। उन्होंने दोनों देशों के बीच साहसी और लंबे समय से चले आ रहे संबंधों की सराहना भी की। कैप्टन स्मित मच्छार 30 सितंबर को तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की एक उड़ान में ओमानी सह-पायलट के हमले के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गए थे। आरोप है कि सह-पायलट ने विमान का नियंत्रण अपने हाथ में लेने की कोशिश की थी। इस दौरान कैप्टन मच्छार ने उसका मुकाबला किया और कॉकपिट का दरवाजा खोलने में कामयाबी हासिल की।

इसके बाद चालक दल के अन्य सदस्यों और यात्रियों को कॉकपिट में प्रवेश करने तथा हमलावर को काबू करने का मौका मिला। इससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई। विमान में 170 से अधिक लोग सवार थे। इससे पहले 3 अक्टूबर को नेतन्याहू ने कैप्टन स्मित मच्छार से फोन पर बातचीत की थी और उन्हें भारत, इजरायल तथा पूरी दुनिया का सच्चा नायक बताया था।

भूकंप के झटकों से कांपी तिब्बत की धरती रिक्टर स्केल पर 7 की मापी गई तीव्रता



एजेंसी ■ ल्हास

तिब्बत में गुरुवार रात 8:03 बजे पर 7.0 तीव्रता का जोरदार भूकंप आया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, भूकंप का केंद्र जमीन से 173 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। भूकंप के दौरान झटके दूर तक महसूस किए गए। फिलहाल नुकसान की कोई खबर नहीं है। इससे पहले 8 सितंबर को नेपाल में भी भूकंप दर्ज किया गया था। यह आपदा ऐसे समय में आई है जब 26 अगस्त को नेपाल-तिब्बत सीमा पर हुए भीषण हिम-चट्टान स्खलन और बाढ़ के बाद राहत कार्य जारी हैं। उस त्रासदी में घर, सड़कें, पुल और जलविद्युत परियोजनाएं तबाह हो गई थीं और हजारों लोग लापता हो गए थे। इस भीषण तबाही में हजारों लोगों की मौत हुई थी। विशेषज्ञों और चीनी शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि वैश्विक तापमान में वृद्धि के कारण किंघई-तिब्बत पठार पर ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे इस संवेदनशील क्षेत्र में भविष्य में प्राकृतिक आपदाओं का खतरा बढ़ रहा है। यह पठार ब्रह्मपुत्र सहित कई प्रमुख नदियों का उद्गम स्थल भी है, जो कई देशों से होकर गुजरती हैं। इसलिए, यहां होने वाले पर्यावरणीय बदलाव निचले इलाकों में रहने वाले समुदायों के लिए चिंता का विषय हैं।

वैश्विक व्यवस्था चुनौतियों के अनुरूप नहीं ढल पाई: पीएम मोदी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि मौजूदा वैश्विक व्यवस्था और उसके संस्थान तेजी से बदलती दुनिया के साथ कदमताल करने में विफल रहे हैं। इसके कारण आज की वास्तविकताओं और पुराने पड़ चुके निर्णय लेने के तंत्र के बीच अंतर लगातार बढ़ता जा रहा है।



नई दिल्ली में एनडीटीवी वर्ल्ड समिट को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया इस समय बदलाव के दौर से गुजर रही है और एक ऐसी स्थिति में है, जिसे 'व्यवस्थाओं के बीच की दुनिया' कहा जा सकता है।

प्रधानमंत्री ने इस संदर्भ में दो प्रमुख सवाल उठाए। पहला, वैश्विक व्यवस्था में बदलाव क्यों हो रहा है और पुरानी व्यवस्था आज की चुनौतियों का सामना करने में क्यों सक्षम नहीं है? दूसरा, बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत की क्या भूमिका होनी चाहिए?

वैश्विक व्यवस्था में बदलाव के कारणों पर बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यह परिवर्तन स्वाभाविक होने के साथ-साथ अपरिहार्य भी है। द्वितीय विश्व युद्ध से मिले सबक का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि केवल ताकत और स्वार्थ पर आधारित वैश्विक व्यवस्था लंबे समय तक कायम नहीं रह सकती। संवाद, सहयोग और विवादों का शांतिपूर्ण समाधान बेहद जरूरी हैं।

बस्तर दशहरा में रचेगा नया इतिहास: सिरहासार के मुरिया दरबार में पहली बार शामिल होंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

जगदलपुर ■ अर्जुन कुमार झा

विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक बस्तर दशहरा के इतिहास में शुक्रवार को एक स्वर्णिम और अभूतपूर्व अध्याय जुड़ने जा रहा है, जब देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सिरहासार में आयोजित होने वाले पारंपरिक मुरिया दरबार में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराएंगी। बस्तर की सदियों पुरानी समृद्ध परंपरा और लोकतांत्रिक व्यवस्था के इस ऐतिहासिक मंच पर पहुँचने वाली वे देश की पहली राष्ट्रपति होंगी।



दिल्ली राष्ट्रपति भवन मे निमंत्रण के दौरान की तस्वीर

इस गौरवशाली अवसर पर महामहिम राष्ट्रपति बस्तर अंचल के पारंपरिक सामाजिक संरक्षकों और जनप्रतिनिधियों, मांझी-चालकी, नाइक-पाइक और मेंबर-मेंबरिन से रूबरू होकर उनसे आत्मीय संवाद करेंगी। अंचल के इन जमीनी प्रतिनिधियों के साथ होने वाली यह सीधी चर्चा बस्तर की अनूठी सांस्कृतिक धरोहर और जनजातीय पहचान के सम्मान का एक सशक्त प्रतीक बनेगी। इस ऐतिहासिक और अविस्मरणीय क्षण को भव्य बनाने के लिए बस्तर दशहरा समिति और स्थानीय प्रशासन ने स्वागत की विशेष पारंपरिक तैयारियां की हैं।

नमन धीर ने खेली आतिशी पारी, भारत ने पहले टी-20 में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया



एजेंसी ■ क्राइस्टचर्च

भारत ने न्यूजीलैंड को पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में 4 विकेट से हराया। हेगले ओवल के मैदान पर न्यूजीलैंड से मिले 226 रनों के लक्ष्य को भारतीय टीम ने 6 विकेट खोकर 19.4 ओवर में हासिल किया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा ने धमाकेदार शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए सिर्फ 5.5 ओवर में 93 रन जोड़े। अभिषेक 12 गेंदों में 2 चौके और 3 छक्कों की मदद से 29 रन बनाकर आउट हुए। नंबर तीन पर प्रमोट किए गए तिलक वर्मा बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और सिर्फ 6 रन बनाकर आउट हुए। संजू सैमसन ने 23 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 33 गेंदों की अपनी पारी में 8 चौके और 4 छक्कों की मदद से 67 रन बनाए।

ईशान किशन का बल्ला खामोश रहा और वह सिर्फ एक रन ही बना सके। अक्षर पटेल ने कुछ दमदार शॉट्स लगाए और वह 14 गेंदों में 24 रन बनाकर आउट हुए। श्रेयस अय्यर ने कप्तानी पारी खेली और उन्होंने नमन धीर के साथ मिलकर 22 गेंदों में 43 रन जोड़े। अय्यर ने 28 गेंदों में एक चौके और 2 छक्कों की मदद से 42 रन बनाए।

अंत के ओवरों में नमन धीर ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 15 गेंदों में 42 रनों की नाबाद पारी खेली। उन्होंने 280 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए अपनी पारी में 5 चौके और 2 छक्के लगाए। वहीं, नीतीश कुमार रेड्डी 2 रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की तरफ से गेंदबाजी में माइकल ब्रेसवेल और कप्तान मिचेल सैंटनर ने दो-दो विकेट चटकाए।

इससे पहले, न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 225 रन बनाए। टिम सीफर्ट और फिन एलन ने टीम को अच्छी शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 49 रन जोड़े। सीफर्ट ने 17 गेंदों में 24 रन बनाए। वहीं, एलन 24 गेंदों में 5 चौके और 2 छक्कों की मदद से 45 रन बनाकर आउट हुए। डेरिल मिचेल ने 28 रनों का योगदान दिया, जबकि बेवन जैकब्स ने 16 गेंदों में 31 रन बनाए। ग्लेन फिलिप्स न्यूजीलैंड की ओर से एक छोर संभालकर खड़े रहे और उन्होंने सिर्फ 40 गेंदों का सामना करते हुए 205 के स्ट्राइक रेट से नाबाद 82 रन बनाए।

दशहरा पर एके-47 से फायरिंग करने वाली महिला आईपीएस अंकिता शर्मा को शो-कॉज नोटिस जारी

संवाददाता ■ रायपुर

विजयादशमी (दशहरा) के अवसर पर शस्त्र पूजन के दौरान एके-47 राइफल से हवाई फायरिंग करने का वीडियो वायरल होने के बाद छत्तीसगढ़ पुलिस मुख्यालय ने राजनांदगांव की पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा को कारण बताओ (शो-कॉज) नोटिस जारी किया है। इस घटना ने पुलिस बल में सुरक्षा नियमों, अनुशासन और हथियार संभालने के प्रोटोकॉल को लेकर एक बड़ी बहस छेड़ दी है।

क्या है पूरा मामला ?

20 अक्टूबर को विजयादशमी के मौके पर राजनांदगांव के पुलिस लाइन्स में पारंपरिक शस्त्र पूजा का आयोजन किया गया था। इस दौरान साड़ी पहने हुए एसपी अंकिता शर्मा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया, जिसमें वे एके-47 राइफल से लगातार कई राउंड हवाई फायरिंग करती नजर आ रही हैं।



राजनांदगांव रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) अजय यादव ने बताया कि पुलिस मुख्यालय ने इस घटना को गंभीरता से लिया है। मुख्यालय का मानना है कि यह कृत्य पुलिस के हथियार संचालन नियमों के अनुकूल नहीं है, इसलिए एसपी से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

आईजी ने कहा, मुख्यालय ने माना है कि सोशल मीडिया पर आ रही नकारात्मक टिप्पणियों से पुलिस बल की गरिमा को ठेस पहुंची है। एसपी का जवाब मिलने के बाद मैं अपनी टिप्पणी के साथ रिपोर्ट मुख्यालय भेजूंगा, जहां से आगे की कार्रवाई के निर्देश दिए जाएंगे।

पुलिसकर्मियों के हथियार चलाने के वीडियो आए सामने

विवाद केवल स्कअंकिता शर्मा तक सीमित नहीं है। एक अन्य वीडियो में राजनांदगांव के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर भी उनके बाद एके-47 से फायरिंग करते दिखे। इसके अलावा रायपुर, बिलासपुर, रायगढ़, दुर्ग, कबीरधाम और बस्तर समेत राज्य के कई अन्य जिलों में भी शस्त्र पूजा के बाद पुलिसकर्मियों द्वारा हथियार चलाने के वीडियो सामने आए हैं।

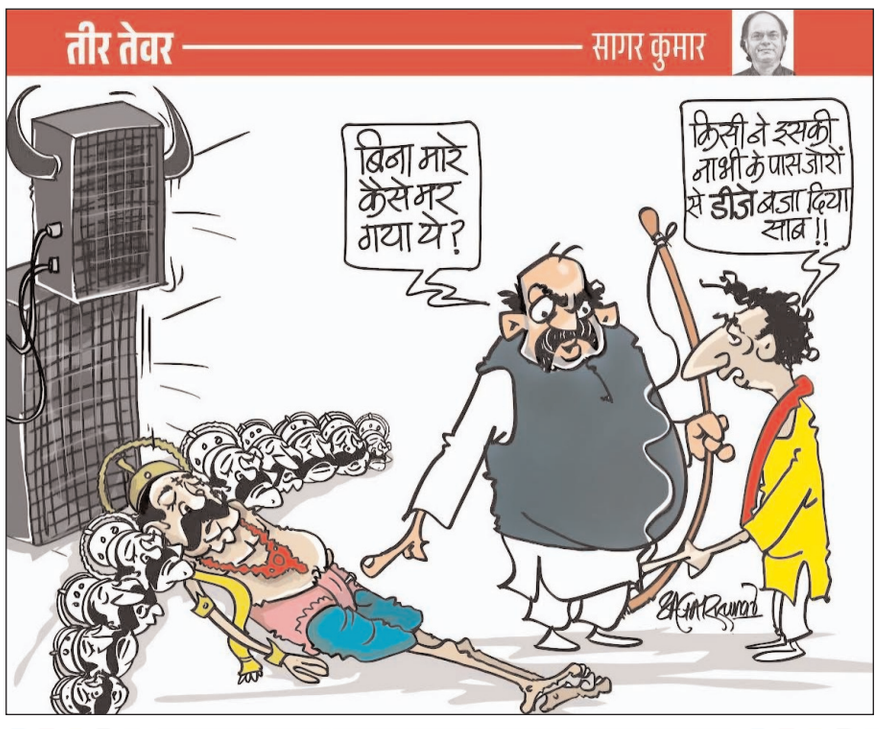
पूर्व सैन्य अधिकारियों ने जताई चिंता

घटना के बाद कई पूर्व सैन्य और पुलिस अधिकारियों ने सुरक्षा नियमों की अनदेखी पर गंभीर चिंता व्यक्त की है।

हूती का दावा, सऊदी अरब ने 14 भारतीयों वाली नौका को बनाया निशाना

सना। यमन के हूती विद्रोहियों ने गुरुवार को दावा किया कि सऊदी अरब ने लाल सागर के दक्षिणी हिस्से में जुकर द्वीप के पास 14 भारतीय नागरिकों को ले जा रही एक नौका को निशाना बनाया। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी के मुताबिक, यमन के सशस्त्र बल नौका पर सवार लोगों को बचाने के अभियान में जुटे। सरी ने सोशल मीडिया मंच प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट के जरिए कहा, 'शुरुआती जानकारी के अनुसार, सऊदी अरब ने जुकर द्वीप के पास भारतीय नागरिकों को ले जा रही नौका को निशाना बनाया। यमन के सशस्त्र बल बचाव अभियान चला रहे हैं और इस संबंध में आगे की जानकारी बाद में दी जाएगी। हूती प्रवक्ता ने इस कथित कार्रवाई को लापरवाही भरा कदम बताते हुए ।

तीर तेवर — सागर कुमार



अन्न का सम्मान, किसानों के योगदान को स्वीकार करना हम सब का सामूहिक दायित्व: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

संवाददाता ■ रायपुर

राष्ट्रपति, द्रौपदी मुर्मु रायपुर, छत्तीसगढ़ में नुआखाई महोत्सव के अवसर पर आयोजित 'सेवा सम्मान पर्व' और 'युवा प्रबोधन' कार्यक्रम में शामिल हुईं। इस अवसर पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि नुआखाई मिलन समारोह केवल एक सांस्कृतिक समारोह नहीं है, बल्कि हमारी समृद्ध परंपराओं, आपसी सद्भाव और सामाजिक एकता का उत्सव है। ऐसे आयोजन हमें अपनी जड़ों से जुड़ने, सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने, और भारतीय जीवन-मूल्यों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का अवसर प्रदान करते हैं।



राष्ट्रपति ने कहा कि नुआखाई पर्व हमारी कृषि परंपरा को संजो कर रखने, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और सामुदायिक भावनाओं का उत्सव है। यह उत्सव हमें याद दिलाता है कि अन्न केवल हमारी भूख मिटाने का साधन नहीं है; बल्कि किसान भाई-बहनों के परिश्रम, धरती की उदारता और प्रकृति के अनमोल उपहार का प्रतीक है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अन्न का सम्मान करना, किसानों के योगदान को स्वीकार करना और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना हम सब का सामूहिक दायित्व है।

समारोह में बड़ी संख्या में उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि परिस्थितियां अलग हो सकती हैं, और चुनौतियां अलग हो सकती हैं, लेकिन प्रत्येक युवा के भीतर कुछ नया करने, कुछ बेहतर बनाने और अपनी पहचान स्थापित करने की ललक होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब वे अपने व्यक्तिगत प्रयासों को सामूहिक और राष्ट्रीय लक्ष्यों से जोड़ेंगे, तब देश की प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने युवाओं को सपने ऊंचे रखने, अपने विचारों को व्यापक बनाने, श्रेष्ठ आचरण करने और अपने मनोमस्तिष्क में समाज तथा राष्ट्र के प्रति सेवा-भाव बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने युवाओं को प्रोत्साहित किया कि वे जो भी कार्य करें उसे ईमानदारी, निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्र का निर्माण केवल बड़े निर्णयों से नहीं होता बल्कि करोड़ों नागरिकों के छोटे-छोटे ईमानदार प्रयासों से होता है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे ज्ञान के साथ विनम्रता, महत्वाकांक्षा के साथ नैतिकता और सफलता के साथ सेवा-भाव को जोड़ें। उन्होंने कहा कि ये गुण विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में उनके योगदान को और सशक्त बनाएंगे।

राष्ट्रपति ने नुआखाई मिलन समारोह में बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि राष्ट्र वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महिलाओं की समान भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी महिलाओं से आग्रह किया कि वे देश और समाज के कार्यों में बढ़-चढ़ कर भागीदारी करें।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पूज्य माता साहिब हासी देवी की 200वीं जयंती पर 200 रुपया का स्मारक सिक्का जारी किया

विश्व केसरी■



रायपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित लोक भवन में पूज्य माता साहिब हासी देवी की 200वीं जयंती के अवसर पर उनके सम्मान में 200 रुपया का स्मारक सिक्का जारी किया।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, इंदौर के सांसद शंकर लालवानी, रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल तथा शदाणी दरबार के नौवें पीठाधीश संत डॉ. युधिष्ठिरलाल सादाणी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पूज्य माता साहिब हासी देवी शदाणी दरबार की पांचवीं पीठाधीश थीं। वे अपनी सेवा भावना, करुणा और मानवता के प्रति समर्पण के लिए स्मरण की जाती हैं। ब्रिटिश शासन के दौरान उन्होंने लोगों की सहायता और रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका जीवन समाज को नि:स्वार्थ सेवा और मानवता का संदेश देता है।

उनके जीवन का मूल संदेश है कि 'सेवा ही सच्ची साधना है और मानवता ही ईश्वर तक पहुँचने का मार्ग है।' उनके आदर्श आज भी समाज को सेवा, सद्भाव और मानवीय मूल्यों के प्रति प्रेरित करते हैं। पूज्य माता साहिब हासी देवी के सम्मान में स्मारक सिक्का जारी किया जाना उनके आध्यात्मिक एवं सामाजिक योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल समाज के निर्माण में महिलाओं की भूमिका, उनके सशक्तीकरण तथा नि:स्वार्थ सेवा की परंपरा को भी रेखांकित करती है।

200 रुपया के स्मारक सिक्के की प्रमुख विशेषताएँ

इस स्मारक सिक्के का मूल्य 200 रुपया है। इसका बाहरी व्यास 44 मिलीमीटर तथा मानक वजन 35 ग्राम है। यह सिक्का चार धातुओं की मिश्रधातु से निर्मित है, जिसमें 50 प्रतिशत चाँदी, 40 प्रतिशत ताँबा, 5 प्रतिशत निकेल और 5 प्रतिशत जस्ता शामिल हैं।

सिक्के के एक तरफ अशोक स्तंभ का सिंह शीर्ष, 'भारत' और 'INDIA' शब्द, रुपये का प्रतीक तथा अंकित मूल्य दर्शाया गया है। दूसरी तरफ पूज्य माता साहिब हासी देवी की छवि अंकित है, जो उनकी 200वीं जयंती और शदाणी दरबार की आध्यात्मिक विरासत को सम्मानित करती है।

यह स्मारक सिक्का पूज्य माता साहिब हासी देवी के जीवन, आदर्शों और नि:स्वार्थ सेवा की विरासत को समर्पित है। साथ ही, यह करुणा, मानवता और महिला सशक्तीकरण जैसे मूल्यों के प्रति समाज की प्रतिबद्धता को भी अभिव्यक्त करता है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का लोकभवन में आत्मीय स्वागत



रायपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान लोकभवन आगमन पर राज्यपाल रमेन डेका एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने उनका आत्मीय स्वागत किया। राज्य की प्रथम महिला रानी डेका काकोटी ने भी उनका स्वागत किया।

नंदनवन जू एवं जंगल सफारी में 25 वर्षीय मादा हिमालयन भालू 'फफोरी' की मौत

विश्व केसरी■



रायपुर। राज्य के नवा रायपुर स्थित नंदनवन जू एवं जंगल सफारी से एक दुखद खबर सामने आई है। यहाँ रह रही 25 वर्षीय मादा हिमालयन भालू 'फफोरी' की 19 अक्टूबर 2026 की मध्यरात्रि में मौत हो गई। सफारी प्रबंधन के अनुसार, उसकी मृत्यु का कारण वृद्धावस्था (बढ़ती उम्र) है।

गुवाहाटी से लाई गई थी फफोरी

जंगल सफारी प्रबंधन से मिली जानकारी के मुताबिक, फफोरी को वर्ष 2012 में वन्यप्राणी आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत असम राज्य के चिड़ियाघर, गुवाहाटी से 12 वर्ष की उम्र में रायपुर लाया गया था, तब से वह यहीं रह रही थी।

राजकीय और विधिवत सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

नंदनवन जू के हिमालयन भालू बाड़े में फफोरी की मृत्यु के पश्चात वन्यप्राणी चिकित्साधिकारी द्वारा नियमानुसार उसका पोस्टमार्टम किया गया। इसके बाद सफारी प्रबंधन और वन्यजीवों की देखभाल से जुड़े कर्मचारियों की उपस्थिति में उसे श्रद्धांजलि अर्पित कर विधिवत अंतिम संस्कार किया गया।

इस दौरान नंदनवन जू एवं जंगल सफारी के संचालक सह-वनमंडलाधिकारी पंकज राजपूत, सहायक संचालक सहित वन विभाग के तमाम अधिकारी-कर्मचारी, पशुपालक और सुरक्षा कर्मचारी मौजूद रहे। फफोरी के निधन पर जंगल सफारी प्रबंधन और उसकी देखरेख करने वाले कर्मचारियों ने गहरा दु:ख व्यक्त किया है। नंदनवन जू एवं जंगल सफारी प्रबंधन का कहना है कि वे वन्यजीवों की नियमित देखभाल, स्वास्थ्य निगरानी और उनके संरक्षण के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं और सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाती हैं।

सालासार विहार के प्रमोटर पर 25 लाख रुपये का जुर्माना

बिना रेरा पंजीयन भूखंडों की बिक्री पर सीजी-रेरा की बड़ी कार्रवाई

विश्व केसरी■



रायपुर। छत्तीसगढ़ में रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और भूखंड एवं आवास खरीदारों के हितों की सुरक्षा के लिए छत्तीसगढ़ भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (CG-RERA) द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रमोटरों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में प्राधिकरण ने रायपुर जिले के आरंग स्थित 'सालासार विहार' परियोजना में बिना रेरा पंजीयन के भूखंडों की बिक्री करने के मामले में प्रमोटर राजीव सोनी, पिता के.एल. सोनी, पर 25 लाख रुपये की शास्ति अधिरोपित की है।

प्राधिकरण द्वारा प्रकरण में प्रस्तुत दस्तावेजों एवं उपलब्ध तथ्यों के परीक्षण में पाया गया कि सालासार विहार परियोजना के अंतर्गत भूमि का भूखंडों में विभाजन कर रेरा पंजीयन प्राप्त किए बिना भूखंडों का विक्रय किया गया। यह कृत्य भू-संपदा (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016 की धारा 3 के प्रावधानों का उल्लंघन है। प्राधिकरण ने इस उल्लंघन को गंभीरता से लेते हुए अधिनियम की धारा 59 के अंतर्गत परियोजना की अनुमानित लागत के आधार पर प्रमोटर पर 25 लाख रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया है।

रेरा पंजीयन के बिना भूखंडों की बिक्री अधिनियम का उल्लंघन

भू-संपदा (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016 के अंतर्गत निर्धारित श्रेणी की रियल एस्टेट परियोजनाओं का रेरा में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

ऐसी परियोजनाओं में पंजीयन प्राप्त किए बिना भूखंडों अथवा अन्य संपत्तियों का विज्ञापन, विपणन या विक्रय करना अधिनियम के प्रावधानों के विरुद्ध है। इन प्रावधानों का उद्देश्य संपत्ति खरीदारों को परियोजना की वैधानिक स्थिति, विकास संबंधी जानकारी और अन्य आवश्यक विवरण उपलब्ध कराना तथा उनके हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

प्राधिकरण की यह कार्रवाई स्पष्ट करती है कि रियल एस्टेट परियोजनाओं के विकास और विक्रय में निर्धारित नियमों का पालन आवश्यक है।

रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों एवं आमजन से किया सीधा संवाद

सुझावों और शिकायतों के निराकरण के लिए दिए आवश्यक निर्देश

विश्व केसरी■



रायपुर। रेलवे बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुरूप दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल में विशेष अभियान 6.0 के अंतर्गत 22 अक्टूबर 2026 को रायपुर सहित मंडल के 36 रेलवे स्टेशनों एवं 07 रेलवे उपक्रमों में एक दिवसीय 'पैन इंडिया रेल जनसंवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य यात्रियों एवं आमजन से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं, सुझावों और अपेक्षाओं को जानना तथा यात्री सुविधाओं एवं रेल सेवाओं में निरंतर सुधार करना है। कार्यक्रम के दौरान कोचिंग डिपो-दुर्ग, पीपी यार्ड-भिलाई, मंडल रेलवे चिकित्सालय-रायपुर, डीजल लोको शेड-रायपुर, इलेक्ट्रिक लोको शेड-भिलाई, मेमू शेड-भिलाई एवं उप मंडल रेलवे चिकित्सालय-भिलाई सहित विभिन्न रेलवे परिसरों में जनसंवाद गतिविधियां आयोजित की गईं।

रेल जनसंवाद का मुख्य उद्देश्य यात्रियों की अपेक्षाओं को समझना, उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी पहल करना तथा रेलवे सेवाओं को अधिक सुविधाजनक, जवाबदेह और यात्री-केंद्रित बनाना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से आमजन की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए रेलवे की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने पर जोर दिया गया।

मंडल रेल प्रबंधक ने यात्रियों से किया संवाद

मंडल रेल प्रबंधक दयानंद ने रायपुर एवं दुर्ग रेलवे स्टेशन पर रेल जनसंवाद कार्यक्रम में भाग लेते हुए यात्रियों, युवाओं और स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार के सामने स्थित दुकानदारों से सीधे संवाद किया।

उन्होंने दुकानदारों से अपनी दुकानों के सामने स्वच्छता बनाए रखने तथा कचरा नहीं फैलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने कचरे के प्रति स्वयं जिम्मेदारी लेनी चाहिए और कम से कम कचरा उत्पन्न करने वाली जीवनशैली अपनानी चाहिए।

मंडल रेल प्रबंधक ने प्लास्टिक कचरे के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्लास्टिक कचरा नालियों एवं ड्रेनेज सिस्टम को अवरुद्ध करने का प्रमुख कारण बनता है। इसलिए प्लास्टिक के उपयोग को कम करना और कचरे का उचित निस्तारण करना आवश्यक है। उन्होंने स्टेशन के प्लेटफार्म पर मौजूद यात्रियों एवं युवाओं से भी स्वच्छता के विषय में चर्चा की और उन्हें रेलवे परिसर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

यात्रियों के सुझावों एवं शिकायतों पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश

रेल जनसंवाद के दौरान मंडल रेल प्रबंधक दयानंद ने यात्रियों की समस्याओं, सुझावों और अनुभवों को ध्यानपूर्वक सुना तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी व सह-प्रभारी सिद्धार्थ शम्भू के रायपुर आगमन पर होगा ऐतिहासिक स्वागत

विश्व केसरी■



रायपुर। भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ की नवनियुक्त प्रभारी, राष्ट्रीय महामंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी तथा नवनियुक्त सह-प्रभारी सिद्धार्थ शम्भू के नियुक्ति पश्चात प्रथम छत्तीसगढ़ आगमन को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। 25 अक्टूबर को राजधानी रायपुर में होने वाले उनके ऐतिहासिक एवं भव्य स्वागत की तैयारियों के संबंध में आज भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) रायपुर शहर जिले के पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों व महामंत्रियों की एक अत्यंत आवश्यक बैठक संपन्न हुई।

बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह हमारे लिए अत्यंत गौरव का क्षण है कि राष्ट्रीय महामंत्री, पूर्व केंद्रीय मंत्री व मातृशक्ति की प्रतीक तेजतर्रार नेत्री स्मृति ईरानी जी को छत्तीसगढ़ का प्रभारी नियुक्त किया गया है। उनके नेतृत्व और मार्गदर्शन में प्रदेश संगठन को नई दिशा व अभूतपूर्व मजबूती मिलेगी। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से इस स्वागत कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया।

भाजयुमो जिलाध्यक्ष अर्पित सूर्यवंशी ने बैठक में स्वागत की रणनीति साझा करते हुए कहा कि प्रभारियों के प्रथम रायपुर आगमन पर युवा मोर्चा अपनी पूरी ताकत झोंक देगा। उन्होंने निर्देश दिए कि अधिक से अधिक संख्या में युवा साथी इस दौरान आयोजित होने वाली विशाल मोटरसाइकिल रैली में शामिल होकर अपनी सांगठनिक एकजुटता और युवा ऊर्जा का परिचय दें।

इस महत्वपूर्ण बैठक में स्वागत कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई और सभी प्रभारियों व मंडल स्तर के पदाधिकारियों को आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को राज्यपाल रमेन डेका ने भेंट की पहाड़ी मैना की प्रतिकृति



विश्व केसरी■

रायपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को लोक भवन में राज्यपाल रमेन डेका ने सम्मान स्वरूप छत्तीसगढ़ के राजकीय पक्षी पहाड़ी मैना की प्रतिकृति भेंट की। इस अवसर पर राज्य की प्रथम महिला रानी डेका काकोटी ने राष्ट्रपति को छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध कोसा साड़ी भेंट की।

राष्ट्रपति मुर्मु ने भी स्मृति स्वरूप राज्यपाल डेका को विशिष्ट शैली की चित्रकला भेंट की। स्मृति चिह्नों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान और पारंपरिक कलाओं को सम्मानित किया गया। पहाड़ी मैना राज्य की प्राकृतिक पहचान का प्रतीक है, वहीं कोसा साड़ी छत्तीसगढ़ की समृद्ध बुनकर परंपरा और हस्तकला का प्रतिनिधित्व करती है।

ओला इलेक्ट्रिक के वाहनों का पंजीयन लंबित परिवहन विभाग ने जारी किया नोटिस

विश्व केसरी■



रायपुर। परिवहन विभाग द्वारा ओला इलेक्ट्रिक, छत्तीसगढ़ के संबंध में वाहन पंजीयन एवं इलेक्ट्रिक वाहनों की सब्सिडी से संबंधित मामलों को गंभीरता से लिया गया है। लगभग 3,000 वाहनों का पंजीयन लंबित है। इसके अतिरिक्त, बड़ी संख्या में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए निर्धारित ईवी सब्सिडी हेतु आवेदन भी प्रस्तुत नहीं किए गए हैं। इसके लिए संबंधित वाहन स्वामियों को शासन की सब्सिडी योजना का लाभ प्राप्त करने में कठिनाई हो रही है।

परिवहन आयुक्त कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त मामलों में कंपनी द्वारा अपेक्षित कार्यवाही नहीं किए जाने एवं पंजीयन तथा सब्सिडी संबंधी प्रक्रियाओं में लापरवाही के मद्देनजर परिवहन विभाग द्वारा मोटरयान अधिनियम, 1988 के प्रावधानों के तहत कंपनी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। कंपनी को निर्धारित समय-सीमा में अपना पक्ष प्रस्तुत करने तथा लंबित मामलों के संबंध में आवश्यक स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए गए हैं। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि वाहन पंजीयन एवं सब्सिडी से संबंधित प्रक्रियाओं का समय पर पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है, ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ मिल सके। निर्धारित समय-सीमा में संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं करने अथवा नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होने पर कंपनी के विरुद्ध प्रचलित नियमों के अनुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर:: -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /.... 36429..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 21-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36429
वार्ड का नाम 10 रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR227N00006** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **RAM BAI SAHU** पिता/पति श्री श्रीमती **SUSHIL SAHU** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती 1. रामबाई साहू 2. पार्वती साहू 3. निशा साहू 4. ना. बा. भावेश कुमार साहू 5. ना. बा. गीतेश कुमार साहू 6. पुष्पा साहू पिता / पति श्री श्रीमती 1. स्व. सुशील कुमार 2. स्व. रामूलाल साहू 3. स्व. गोविंद साहू 4. प्रताप साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / शपथ पत्र, टैक्स रसीद, बी-1, पूर्व विक्रय विलेख / वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर:: -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....36420..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 21-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36420
वार्ड का नाम 10 रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR227R00137** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **TEJRAM PATEL** पिता/पति श्री श्रीमती **TIHARURAM** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री/श्रीमती हीरा बाई पटेल पिता / पति श्री श्रीमती स्व. तेजराम पटेल उर्फ़ केजराम पटेल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार। शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, टैक्स रसीद / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर:: -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....36353..../ न. पा. नि. जोन क्र 9/2026
रायपुर, दिनांक 21-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36353
वार्ड का नाम 10-रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227I00023** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **RANI VERMA** पिता / पति श्री/श्रीमती **DEVENDRA VERMA** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री /श्रीमती बिंदिया अग्रवाल पिता/पति श्री/श्रीमती गोपाल दास अग्रवाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

भारत-कनाडा शिक्षा क्षेत्र में करेंगे सहयोग

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने भारत में कनाडा के उच्चायुक्त क्रिस्टोफर कूटर और व्यापार आयुक्त एमी एंटोनिनी के साथ बैठक की। इसमें दोनों देशों के बीच उच्च शिक्षा संबंधों को मजबूत करने, रिसर्च से जुड़ी साझेदारी का विस्तार करने और विद्यार्थियों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने पर विचार-विमर्श किया गया।

बैठक के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बताया कि चर्चा का एक प्रमुख विषय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच हुई बातचीत के दौरान घोषित समझौता ज्ञापनों को लागू करना रहा। इसके साथ ही दोनों देशों के शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग बढ़ाने और विद्यार्थियों तथा शोधकर्ताओं के लिए नए अवसर तैयार करने पर जोर दिया गया।

बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत कनाडा के विश्वविद्यालयों के भारत में प्रवेश और शैक्षणिक गतिविधियों के विस्तार को सुगम बनाने पर भी चर्चा हुई। इसका उद्देश्य दोनों देशों के उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ाना और शिक्षा के क्षेत्र में साझेदारी के नए रास्ते तैयार करना है। इसके अलावा, शोध से जुड़े संयुक्त प्रयासों को विस्तार देने पर विचार किया गया। दोनों देशों के विश्वविद्यालयों और शोधकर्ताओं के बीच सहयोग बढ़ने से ज्ञान के आदान-प्रदान तथा नवाचार को प्रोत्साहित करने के अवसर मिल सकते हैं।

चर्चा में विद्यार्थियों की आवाजाही और दोनों देशों के शैक्षणिक संस्थानों के बीच संबंधों को मजबूत करने को भी प्रमुखता दी गई। इसका उद्देश्य भारत और कनाडा के विद्यार्थियों तथा शोधकर्ताओं के लिए शैक्षणिक सहयोग के अधिक अवसर उपलब्ध कराना है। प्रल्हाद जोशी ने कहा कि दोनों देशों के बीच शैक्षणिक सहयोग को और गहरा करने तथा विद्यार्थियों एवं शोधकर्ताओं के लिए अवसर बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई गई है।

यह बैठक भारत-कनाडा संबंधों में शिक्षा, शोध और नवाचार को सहयोग के महत्वपूर्ण क्षेत्रों के रूप में आगे बढ़ाने के प्रयासों का हिस्सा है। इसमें घोषित समझौता ज्ञापनों को लागू करने, उच्च शिक्षा के संबंधों को नई गति देने और दोनों देशों के शैक्षणिक संस्थानों के बीच साझेदारी का विस्तार करने पर विशेष ध्यान दिया गया।

गौरतलब है कि इससे पहले बीते महीने भारत व फ्रांस ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में संभावित सहयोगों पर वार्ता की थी। तब केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने फ्रांसीसी उच्च शिक्षण संस्थानों को भारत में अपना कैंपस खोलने के लिए आमंत्रित किया था। नई दिल्ली में हुई उस वार्ता में संस्थागत संबंधों को सुदृढ़ करने, छात्रों, शिक्षकों व शोधकर्ताओं की एक दूसरे के देश में आवाजाही पर बात हुई। ऐसे कई महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी व फ्रांस के उच्च शिक्षा, अनुसंधान एवं अंतरिक्ष मंत्री फिलिप बैपटिस्ट ने द्विपक्षीय बैठक की थी।

महाराष्ट्र नवंबर में जारी करेगा अलग रासायनिक उद्योग नीतिः सीएम फडणवीस

विश्व केसरी■



मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को कहा कि राज्य सरकार रासायनिक उद्योग के लिए एक समर्पित नीति तैयार कर रही है, जिसे नवंबर के पहले सप्ताह में आधिकारिक रूप से जारी किया जाएगा। इस नीति के तहत पालघर जिले के वधावन बंदरगाह क्षेत्र में एक बड़े रासायनिक औद्योगिक केंद्र को विकसित करने की योजना है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इंडिया केम 2026 के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नई नीति का उद्देश्य उद्योगों की बदलती जरूरतों को पूरा करना, निवेश के अनुकूल बुनियादी ढांचा विकसित करना और राज्य में रासायनिक उद्योग के विस्तार को गति देना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र में रासायनिक उद्योग की करीब 3,600 इकाइयां हैं। देश के रासायनिक क्षेत्र के सकल मूल्यवर्धन (जीवीए) में राज्य की हिस्सेदारी लगभग 19 प्रतिशत है, जबकि राष्ट्रीय रासायनिक निर्यात में महाराष्ट्र का योगदान 17 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि मैत्री और इन्वेस्ट महाराष्ट्र जैसे सिंगल-विंडो प्लेटफॉर्म के माध्यम से राज्य सरकार निवेशकों को मंजूरी दिलाने और जरूरी सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को आसान बना रही है।

फडणवीस ने बताया कि महाराष्ट्र में रासायनिक क्षेत्र वर्तमान में लगभग तीन लाख लोगों को रोजगार देता है। नई नीति के तहत रोजगार के अवसरों को दोगुना करने की क्षमता है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस अवसर पर बीना में 50,000 करोड़ रुपये की पेट्रोकेमिकल परियोजना का उल्लेख किया। उन्होंने प्लास्टिक और गैस आधारित औद्योगिक पार्कों के विस्तार की योजनाओं पर भी प्रकाश डाला।

वहीं, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि उनका राज्य खनिज आधारित अर्थव्यवस्था से रासायनिक औद्योगिक अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है।

असम में 204 साल बाद दुर्लभ पौधे की पुनर्खोज, दो नई भूमिगत मछली प्रजातियां भी मिलीं

विश्व केसरी■



गुवाहाटी। असम में जैव विविधता अनुसंधान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। 204 वर्षों बाद एक पौधे की प्रजाति की पुनः खोज हुई है और गोलपारा जिले के कुओं में मछली की दो भूमिगत प्रजातियों की पहचान की गई है। यह जानकारी मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने गुरुवार को दी।

हिमंता बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में दो शताब्दियों से अधिक समय से अज्ञात रहे एक झाड़ीदार पौधे, अर्दिसिया कोलोराटा की पुनः खोज और भूमिगत आवासों में रहने वाली मछली की दो प्रजातियों, गिचक नाकाना और रक्तमिक्थिस एंची की खोज पर प्रकाश डाला।

मुख्यमंत्री ने इन खोजों के पारिस्थितिक महत्व को बताते हुए कहा, '204 वर्षों से लुप्त। असम में पुनः खोजी गई। और जमीन के नीचे, विज्ञान के लिए दो नई प्रजातियां।'

अर्दिसिया कोलोराटा की पुनः खोज विशेष रूप से उल्लेखनीय है, क्योंकि इससे एक ऐसी प्रजाति पर नए सिरे से वैज्ञानिक ध्यान गया है जिसका दो शताब्दियों से अधिक समय से कोई दस्तावेजीकरण नहीं हुआ था। इस प्रकार की पुनः खोज शोधकर्ताओं को उन प्रजातियों के वितरण, संरक्षण स्थिति और पारिस्थितिक आवश्यकताओं का पुनर्मूल्यांकन करने में मदद कर सकती है जिनके बारे में माना जाता था कि वे अपने पूर्व ज्ञात आवासों से लुप्त हो गई हैं।

गोलपारा के कुओं में दो भूमिगत मछलियों की पहचान भूमिगत जलीय पारिस्थितिक तंत्रों के महत्व को भी उजागर करती है, जिनका अक्सर नदियों, आर्द्रभूमियों और अन्य सतही जल आवासों की तुलना में कम अन्वेषण किया जाता है।

अब शॉपिंग में भी एआई की एंट्री, प्रोडक्ट चुनने से लेकर ब्यूटी रूटीन तक बदल रहा खरीदारी का अंदाज

विश्व केसरी■



नई दिल्ली।। इन दिनों सड़कों पर जितने लोग नजर आ रहे हैं उनमें से एक बड़ा हिस्सा है गिग वर्कर्स का। होम डिलिवरी करने के लिए बड़े-बड़े बैग अपने दो पहिया वाहनों पर दोनों तरफ लादकर निकले से डिलिवरी पर्सन खूब खुश हैं। हो भी क्यों न। आनलाइन शापिंग के शौकीनों के लिए लगी हुई है सेल और ये डिलिवरी पर्सन बांट रहे हैं खुशियां। फेस्टिव ऑफर्स, धमाकेदार डिस्काउंट सेल्स और डील्स ने आज हर किसी के स्मार्टफोन को एक चलता-फिरता मॉल बना दिया है।

आजकल लोग न केवल अपनी रोजमर्रा की जरूरतें बल्कि नए-नए इंटरनेशनल ब्यूटी प्रोडक्ट्स भी बेझिझक ट्राई कर रहे हैं। यह बदलाव टियर 2 और टियर 3 शहरों में भी देखने को मिल रहा है। लेकिन क्या यह बदलाव सिर्फ डिस्काउंट्स तक सीमित है? बिल्कुल नहीं! इसके पीछे काम कर रही है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की जादुई तकनीक, जेनरेशन जी की निडर सोच, पुरुषों में बढ़ता ग्रूमिंग ट्रेंड और छोटे शहरों से आती प्रीमियम प्रोडक्ट्स की जबरदस्त डिमांड। इस दौरान सबसे ज्यादा उछाल आया है ब्यूटी मार्केट में।

आसान हुई खोज

ऑनलाइन ब्यूटी प्रोडक्ट्स चुनना अब पहले से कहीं अधिक सहज और सटीक हो गया है, जिसमें ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अमेजन जैसे दिग्गज ब्रांड्स एआई का इस्तेमाल कर ग्राहकों के अनुभव को पूरी तरह नया रूप दे रहे हैं। इस बारे में अमेजन ब्यूटी, पर्सनल केयर एंड फैशन एक्सेसरीज के निदेशक सिद्धार्थ भगत बताते हैं, ' यह सच है कि इस बार डिजिटल और फेस्टिव शॉपिंग के माहौल में आज का युवा ग्राहक यानी जेनजी सौंदर्य उत्पादों को लेकर केवल पुराने रूटीन तक सीमित नहीं है, बल्कि वह फेस्टिव ऑफर्स और डिस्काउंट्स के जरिए नए-नए ब्रांड्स और प्रोडक्ट्स को आजमाने में जरा भी संकोच नहीं करता। पहले जहां लोग सालों तक एक ही प्रोडक्ट पर टिके रहते थे, वहीं आज का युवा रेटिनॉल, कोजिक एसिड, विटामिन सी और पीडीआरएन जैसे एक्टिव इंगिएंट्स के प्रति काफी जागरूक हो चुका है और ब्रांड्स से उनके फॉर्मुयलेशन तथा गुणवत्ता को लेकर पूरी पारदर्शिता की मांग करता है।

इसमें उनकी मदद कर रहा है अमेजन का एआई शॉपिंग असिस्टेंट 'रूफस', जो हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध है। जहां उपभोक्ता अपनी त्वचा की समस्या, बालों की जरूरत, पसंदीदा खुशबू या बजट जैसी प्राथमिकताएं बता सकते हैं।

दीपावली पर गुजरात में यात्रियों के लिए विशेष इंतजाम, चलेंगी 2400 अतिरिक्त बसें

विश्व केसरी■



अहमदाबाद। दीपावली के दौरान बढ़ने वाली यात्रियों की भीड़ को देखते हुए गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम ने 4 से 7 नवंबर के बीच करीब 2400 अतिरिक्त बसें चलाने का फैसला किया है। इस अवधि में 8,000 से अधिक अतिरिक्त फेरे (ट्रिप) संचालित किए जाएंगे।

यह विशेष व्यवस्था उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी के नेतृत्व में की जा रही है। अतिरिक्त बसें नियमित सेवाओं के साथ संचालित होंगी, ताकि त्योहार पर अपने घर जाने वाले यात्रियों को सुविधा मिल सके।

ये अतिरिक्त बसें सूरत और गुजरात के अन्य जिलों से चलाई जाएंगी। इससे विशेष रूप से सौराष्ट्र के वे हीरा उद्योग के कर्मचारी लाभान्वित होंगे, जो सूरत में काम करते हैं और दीपावली पर अपने घर लौटते हैं।

इनमें भावनगर, अमरेली, जूनागढ़ और राजकोट के यात्रियों को खास सुविधा मिलेगी। इसके अलावा पंचमहल और उत्तर गुजरात जाने वाले यात्रियों के लिए भी अतिरिक्त व्यवस्थाएं की गई हैं।

सौराष्ट्र के अलावा अहमदाबाद, राजकोट, वडोदरा, मेहसाणा, पाटन और पालनपुर जैसे प्रमुख शहरों के लिए भी अतिरिक्त बस सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।

निगम का उद्देश्य त्योहार के दौरान अपने घर जाने वाले यात्रियों को सुरक्षित और सुगम यात्रा उपलब्ध कराना है। दीपावली के समय सार्वजनिक परिवहन की मांग आमतौर पर काफी बढ़ जाती है।

यात्री अतिरिक्त बसों में सीटों की बुकिंग जीएसआरटीसी की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से कर सकेंगे। इसके लिए एडवांस और तत्काल ऑनलाइन बुकिंग दोनों सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। इसके अलावा निगम के डिवीजनल कार्यालयों और बस डिपो के माध्यम से भी टिकट बुक कराए जा सकेंगे। यात्रियों की सहायता के लिए निगम ने एक टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800 233 666666 भी जारी किया है, जो 24 घंटे उपलब्ध रहेगा। अधिकारियों के अनुसार, यह विशेष व्यवस्था त्योहारों और धार्मिक मेलों के दौरान बढ़ने वाली यात्री संख्या को ध्यान में रखकर की गई है।

जंगल से समुद्री तट तक भारत व ऑस्ट्रेलिया के सैनिकों का संयुक्त युद्धाभ्यास

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारत व ऑस्ट्रेलिया की सेना के जवान अभ्यास 'ऑस्ट्राहिंद 2026' के तहत जंगलों, द्वीपीय क्षेत्रों और समुद्री तटों पर मिलकर सैन्य प्रशिक्षण कर रहे हैं। इस दौरान सैनिक युद्धक तैराकी, रस्सी के सहारे तेजी से नीचे उतरने, घात लगाकर हमला करने और ड्रोन संचालन जैसी गतिविधियों का अभ्यास कर रहे हैं। केरल के तिरुवनंतपुरम में चल रहा यह युद्धाभ्यास 1 नवंबर तक जारी रहेगा। इसमें भारतीय सेना के 120 व ऑस्ट्रेलियाई सेना के भी 120 सैनिक हिस्सा ले रहे हैं।

सेना ने गुरुवार को बताया कि इसके साथ ही जवानों की शारीरिक क्षमता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण भी जारी है। इस संयुक्त अभ्यास का उद्देश्य अलग-अलग भौगोलिक परिस्थितियों में सैनिकों की युद्धक क्षमता को मजबूत करना है। साथ ही किसी अभियान के दौरान मिलकर काम करने की दक्षता को बढ़ाना है। जंगल, द्वीप और तटीय इलाकों में किए जा रहे अभ्यास से सैनिकों को विभिन्न परिस्थितियों में सैन्य कार्रवाई के तरीकों का अभ्यास करने का अवसर मिल रहा है। प्रशिक्षण के दौरान युद्धक तैराकी के जरिए पानी में सैन्य गतिविधियों को अंजाम देने का अभ्यास किया जा रहा है।

वहीं, स्थिर रस्सी के सहारे नीचे उतरने के अभ्यास से सैनिकों को निर्धारित स्थान पर तेजी से पहुंचने का प्रशिक्षण मिलता है।

घात लगाने से जुड़े अभ्यास में सैनिक रणनीतिक तरीके से कार्रवाई करने की तैयारी करते हैं, जबकि ड्रोन संचालन के जरिए आधुनिक सैन्य तकनीक के इस्तेमाल पर ध्यान दिया जा रहा है। अभ्यास में शारीरिक प्रशिक्षण भी महत्वपूर्ण हिस्सा है।

इसका उद्देश्य सैनिकों की सहनशक्ति और शारीरिक तैयारी को मजबूत बनाए रखना है, ताकि वे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी प्रभावी ढंग से काम कर सकें। अभ्यास ऑस्ट्राहिंद 2026 भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई सेनाओं के बीच सामरिक दक्षता, युद्ध की तैयारी और आपसी तालमेल बढ़ाने में मदद कर रहा है।

एस. जयशंकर अजरबैजान के दौरे पर जाएंगे, दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों की करेंगे समीक्षा

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर 23 अक्टूबर को अजरबैजान की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। यात्रा के दौरान विदेश मंत्री दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा करने के लिए अजरबैजान के अपने समकक्ष के साथ बातचीत करेंगे।

अपनी यात्रा के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा करने के लिए अजरबैजान के अपने समकक्ष से बातचीत करेंगे।

16 अक्टूबर को अजरबैजान में भारत के राजदूत अभय कुमार ने अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव को अपना परिचय पत्र (क्रेडेंशियल्स) सौंपा था। इस मुलाकात के दौरान कुमार ने भारत और अजरबैजान के बीच संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में काम करने की अपनी प्रतिबद्धता जताई।

अजरबैजान में भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर बताया, 'राजदूत अभय कुमार ने भारत और अजरबैजान के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने और उनका विस्तार करने की दिशा में काम करने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे दोनों देशों के बीच सहयोग को बढ़ाने और दोनों देशों के लोगों के बीच दोस्ती और आपसी समझ के पुराने संबंधों को और गहरा करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।'

दूतावास ने कहा, 'बातचीत में भारत और अजरबैजान के बीच सदियों पुराने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों पर प्रकाश डाला गया, जो हजारों वर्षों में विकसित हुए हैं और आज भी दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करते हैं। दोनों पक्षों ने इन पुराने संबंधों के महत्व को स्वीकार किया और आपसी हित के विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा की। मुलाकात के दौरान, बिश्केक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति अलीयेव के बीच हुई बातचीत का भी जिक्र किया गया। राजदूत कुमार और राष्ट्रपति अलीयेव ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और भारत और अजरबैजान के बीच सहयोग को और आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

अजरबैजान में भारतीय दूतावास द्वारा जारी एक बयान के अनुसार उन्होंने दोस्ती, ऐतिहासिक संबंधों और आपसी सद्भावना की मौजूदा नींव पर आगे बढ़ते हुए सहयोग के नए रास्ते तलाशने और दोनों देशों के बीच संबंधों को और करीब लाने के महत्व पर जोर दिया। पिछले सप्ताह विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह अजरबैजान की आधिकारिक यात्रा पर थे, जहां उन्होंने 'कॉन्फ्रेंस ऑन इंटरेक्शन एंड कॉन्फिडेंस बिल्डिंग मेजर्स इन एशिया' (सीआईसीए) के सातवें शिखर सम्मेलन में भाग लिया।

आंध्र प्रदेशः कुरनूल में पारंपरिक लाठी लड़ाई में एक व्यक्ति की मौत, 100 से अधिक लोग घायल

विश्व केसरी■



कुरनूल। आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में दशहरा उत्सव के दौरान लाठी से लड़ी जाने वाली पारंपरिक लड़ाई में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 100 से अधिक लोग घायल हो गए। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी बुधवार देर रात होलगोंडा मंडल (ब्लॉक) के देवरागाट्टू गांव में आयोजित 'देवरागाट्टू बन्नी उत्सव' के दौरान दो गुटों ने एक-दूसरे पर लाठियों से हमला कर दिया।

घायलों को अडोनी और अलूर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जिनमें से 10 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। जिन्हें मामूली चोटें आईं, उनका इलाज प्रशासन की ओर से बनाए गए एक अस्थायी अस्पताल में किया गया। मृतक की पहचान अलूर के रहने वाले 28 वर्षीय पोताराजू के रूप में हुई है।

लाठी-युद्ध हर वर्ष दशहरा उत्सव के हिस्से के रूप में एक पहाड़ी पर स्थित माला मल्लेश्वर स्वामी मंदिर में आयोजित किया जाता है। हमेशा की तरह, ग्रामीणों ने पुलिस के आदेशों को दरकिनार करते हुए इस आयोजन को किया। उनका कहना है कि यह उनकी परंपरा का हिस्सा है।

इस वार्षिक उत्सव के तहत, अलग-अलग गांवों के लोग दो गुटों में बंट जाते हैं। आधी रात को देवी मल्लम्मा और मल्लेश्वर स्वामी के प्रतीकात्मक विवाह के बाद, दोनों गुट इन देवी-देवताओं की मूर्तियों पर अपना अधिकार जमाने के लिए लाठियों से लड़ते हैं।

दोनों गुटों ने पूरे उत्साह के साथ इस आयोजन में हिस्सा लिया। लड़ाई को रोकने के लिए पुलिस की ओर से किए गए एहतियाती उपाय बेअसर साबित हुए।

संपादकीय

महंगाई : पहले थी या आज है? एक बार सोचिए जरूर!

नीरज शर्मा

आजकल चाय की दुकान हो, गांव की चौपाल हो या शहर का बाजार—हर जगह महंगाई की चर्चा सुनाई देती है। कोई पेट्रोल की बढ़ती कीमतों से परेशान है, तो कोई सीमेंट, सब्जी, राशन और रोजमर्रा की जरूरतों के बढ़ते दामों से। आम आदमी की चिंता अपनी जगह जायज है, लेकिन क्या हमने कभी पीछे मुड़कर यह देखने की कोशिश की है कि बीते कुछ दशकों में हमारी जिंदगी कितनी बदल गई है?

कभी हमारी जरूरतें सीमित थीं, साधन कम थे और रहन-सहन सादा था। आज सुविधाएं बढ़ी हैं, जीवनशैली बदली है और हमारी अपेक्षाओं का दायरा भी पहले से कहीं अधिक विस्तृत हो गया है।

ऐसे में एक सवाल विचार करने योग्य है—क्या महंगाई केवल वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि का नाम है, या बदलती जीवनशैली और बढ़ती अपेक्षाओं का भी इसमें कोई योगदान है?

आइए, अतीत और वर्तमान की तुलना करते हुए इस सवाल को समझने की कोशिश करते हैं।

सीमेंट सस्ती थी, फिर भी कच्चे मकान थे; आज महंगी है, फिर भी पक्के मकान बढ़े हैं!

एक समय था, जब सीमेंट की एक बोरी लगभग 30 से 40 रुपये में मिल जाती थी। इसके बावजूद गांवों में ज्यादातर घर मिट्टी के हुआ करते थे। कहीं खपरैल की छत होती थी, तो कहीं कच्ची दीवारें। बारिश के दिनों में छत से पानी टपकना और घर की मरम्मत करना ग्रामीण जीवन का हिस्सा था। पक्का मकान बनाना हर परिवार के लिए आसान नहीं था।

आज सीमेंट की एक बोरी 350 रुपये या उससे अधिक में मिल सकती है। कीमत में भारी अंतर आया है, लेकिन गांवों की तस्वीर भी बदली है। अब अनेक गांवों में पक्के मकान, आरसीसी की छतें, टाइल्स और आधुनिक सुविधाएं दिखाई देती हैं।

यह बदलाव केवल सीमेंट की कीमत से नहीं समझा जा सकता। इसके पीछे लोगों की आमदनी में हुए बदलाव, निर्माण की सुविधाएं, सरकारी आवास योजनाएं और घर बनाने की बदलती प्राथमिकताएं भी शामिल हैं।

तब सीमेंट सस्ती थी, फिर भी पक्के मकान कम थे; आज सीमेंट महंगी है, फिर भी पक्के मकानों की संख्या बढ़ी है।



हालांकि इसका यह अर्थ नहीं कि हर परिवार की आर्थिक स्थिति बेहतर हो गई है। कई लोगों के लिए आज भी अपना पक्का मकान बनाना एक बड़ा सपना है।

पहले दाल-रोटी में गुजर-बसर, आज थाली में कई तरह के पकवान!

पहले गांवों में दाल, रोटी, चटनी और मौसमी सब्जियों से भोजन पूरा हो जाता था। परिवार घर में उपलब्ध चीजों से ही काम चला लेते थे। सादगी जीवन का स्वाभाविक हिस्सा थी और भोजन में विविधता से अधिक पेट भरने को प्राथमिकता दी जाती थी।

आज अनेक परिवारों में एक समय के भोजन में दो, तीन या चार तरह की सब्जियां बन जाती हैं। खानपान के विकल्प बढ़े हैं। बाजार में अनेक प्रकार के खाद्य पदार्थ उपलब्ध हैं और लोगों की पसंद भी बदली है।

लेकिन यहां एक सवाल उठता है—क्या हमारी जरूरतें भी उतनी ही बढ़ी हैं, जितनी हमारी इच्छाएं?

पहले जो भोजन पर्याप्त माना जाता था, आज कई बार उसके साथ अतिरिक्त चीजें भी आवश्यक लगने लगी हैं। हालांकि यह तस्वीर सभी परिवारों की नहीं है। आज भी अनेक गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार बढ़ती खाद्य कीमतों के कारण अपने रसोई बजट को संभालने में कठिनाई महसूस करते हैं।

इसलिए यह कहना उचित नहीं होगा कि आज हर व्यक्ति पहले से बेहतर खा रहा है। फिर भी यह विचार करने योग्य है कि हमारी खानपान संबंधी आदतों और अपेक्षाओं में कितना बदलाव आया है।

पहले शादी में पूरा गांव जुटता था, आज 700 लोगों के भोजन की तैयारी होती है!

पुराने समय में गांव में शादी होती थी, तो पूरा गांव एक परिवार की तरह सहयोग करता था। कोई बर्तन उपलब्ध कराता था, कोई सब्जियां काटता था, कोई खाना बनाने में मदद करता था और कोई मेहमानों की सेवा में जुट जाता था।

मेहमानों की संख्या सीमित होती थी और आपसी सहयोग से विवाह जैसे बड़े आयोजन भी संपन्न हो जाते थे।

यूरोप में उग्र प्रदर्शन बनाम भारतीय लोकतांत्रिक आंदोलन और कानून व्यवस्था पर एक नज़र



गिरीश पंकज

बीते कुछ वर्षों में वैश्विक स्तर पर जन-आंदोलनों और नागरिक प्रतिरोध के तौर-तरीकों में एक विरोधाभासी अंतर देखने को मिला है। जिन पश्चिमी यूरोपीय देशों को संस्थागत परिपक्वता, विधि के शासन और नागरिक स्वतंत्रता का आदर्श माना जाता रहा है, वहीं हाल के समय में फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी, नीदरलैंड्स और बेल्जियम की सड़कों पर भयावह आगजनी, सार्वजनिक संपत्ति का विध्वंस, लूटपाट और सुरक्षा बलों के साथ आमने-सामने का हिंसक टकराव आम दृश्य बन गया। इसके विपरीत, विशाल आबादी, सामाजिक विविधताओं और तीव्र राजनीतिक अंतर्विरोधों वाले भारत में जब व्यापक जन-आंदोलन हुए, तो वे अपने मूल चरित्र में तुलनात्मक रूप से शांतिपूर्ण, अनुशासित और लोकतांत्रिक दायरे में बने रहे। ?इक्का-दुक्का स्थानीय तनावों को छोड़ दें, तो भारत में यूरोपीय पैमाने की अंधाधुंध हिंसा और अराजकता देखने को नहीं मिली। इस अंतर के पीछे केवल तात्कालिक कारण नहीं हैं, बल्कि यह सामाजिक बनावट, पुलिसिंग के दर्शन, राज्य-नागरिक संवाद और नागरिक आंदोलनों के ऐतिहासिक संस्कारों का गहन विषय है।

यूरोप की सड़कों पर दिख रहा उबाल अचानक नहीं फूटा है, बल्कि यह वर्षों से सुलग रहे आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक असंतोष का विस्फोट है। इसके प्रमुख कारक आर्थिक संकट, मुद्रास्फीति और जीवन-यापन की लागत है । यूक्रेन युद्ध और ऊर्जा संकट के बाद पूरे यूरोप में ऊर्जा, खाद्यान्न और आवास की कीमतें आसमान छूने लगीं। आम नागरिक की वास्तविक क्रय शक्ति में भारी गिरावट आई। फ्रांस में सेवानिवृत्ति की आयु 62 से बढ़ाकर 64 करना, जर्मनी और नीदरलैंड्स में कृषि नीतियों व ईंधन सब्सिडी में कटौती तथा ब्रिटेन में मुद्रास्फीति के दबाव ने मध्यवर्ग और श्रमिक वर्ग को सड़कों पर उतरने के लिए विवश किया। लोगों के मन में यह धारणा गहरी हुई कि सरकारें आम जनता की जेब काटकर कॉर्पोरेट या भू-राजनीतिक हितों को साध रही हैं। फ्रांस और पश्चिमी यूरोप के कई देशों में प्रवासियों और उनकी दूसरी-तीसरी पीढ़ी के युवाओं में गहरा परायापन है। पेरिस, ल्योन या मार्सिले जैसे महानगरों के बाहरी उपनगरो में रहने वाले युवा व्यवस्थागत उपेक्षा, बेरोजगारी और नस्लीय प्रोफाइलिंग का शिकार महसूस करते हैं। जब किसी पुलिस कार्रवाई में किसी किशोर की मृत्यु जैसी घटना होती है जैसे 2023 में नाहेल एम. की मृत्यु हुई , तो यह आक्रोश केवल एक घटना का विरोध न रहकर पूरी व्यवस्था के खिलाफ हिंसक प्रतिशोध का रूप ले लेता है।

यूरोप में कल्याणकारी राज्य का क्षरण हुआ और जनता से संवादहीनता भी निरंतर बढ़ी है । यूरोपीय समाज की नींव 'कल्याणकारी राज्य' के वादे पर टिकी थी। स्वास्थ्य, शिक्षा, पेंशन और सामाजिक सुरक्षा में हो रही क्रमिक कटौतियों ने नागरिकों के भरोसे को तोड़ा है। जब फ्रांस जैसे देशों में सरकारों ने संसद में बिना पूर्ण मतदान के विशेष संवैधानिक शक्तियों के जरिए पेंशन कानून थोपा, तो नागरिकों को लगा कि लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं बेअसर हो चुकी हैं और अपनी बात मनवाने का एकमात्र जरिया 'सड़क पर उग्र शक्ति प्रदर्शन' ही बचा है। यूरोपीय प्रदर्शनों में एक खतरनाक प्रवृत्ति 'ब्लैक ब्लॉक' और उग्र अनार्किस्ट समूहों की सक्रियता है। ये चेहरे ढके, काले कपड़े पहने सुव्यवस्थित समूह शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के बीच घुसपैठ करते हैं। इनका घोषित



उद्देश्य शांतिपूर्ण मांगें मनवाना नहीं, बल्कि राज्य के प्रतीकों जैसे बैंक, सार्वजनिक वाहन, प्रशासनिक इमारतें, पुलिस चौकियों को जलाना और व्यवस्था को पंगु बनाना होता है।

भारत के आंदोलनों का शांतिपूर्ण स्वरूप

इसके उलट, भारत में हाल के वर्षों में हुए विशाल जनआंदोलन, चाहे वह दिल्ली की सीमाओं पर एक वर्ष से अधिक समय तक चला ऐतिहासिक किसान आंदोलन हो, या विभिन्न नीतियों को लेकर छात्र-कर्मचारी प्रदर्शन—अपने आकार और संवेदनशीलता के बावजूद व्यापक स्तर पर शांतिपूर्ण ही रहे। भारत में नागरिक प्रतिरोध की जड़ें स्वतंत्रता संग्राम के 'सत्याग्रह' और 'अहिंसा' के दर्शन में हैं। भारतीय जनमानस में यह समझ गहरे पैठी है कि हिंसा आंदोलन की नैतिक वैधता को समाप्त कर देती है। किसान आंदोलन के दौरान कड़ाके की ठंड, भीषण गर्मी और लंबे ठहराव के बावजूद प्रदर्शनकारियों ने 'लंगर' सेवा, साझा रसोई, चिकित्सा शिविर और खुले संवाद को अपना माध्यम बनाया, न कि महानगरों में आगजनी को।

यूरोप के कई मौजूदा आंदोलन नेतृत्वहीन हैं, जो सोशल मीडिया के ज़रिए अचानक संगठित होते हैं और अराजक भीड़ में तब्दील हो जाते हैं। इसके विपरीत, भारत के आंदोलनों में किसान यूनियनों, खाप पंचायतों, मजदूर संगठनों और अनुभवी नेताओं का स्पष्ट नेतृत्व था। ये नेता आंतरिक अनुशासन बनाए रखने के लिए लगातार मंच से घोषणाएं करते थे और असामाजिक तत्वों पर नजर रखते थे। 26 जनवरी की लाल किला घटना जैसी दुर्भाग्यपूर्ण और अलग-थलग वारदात को छोड़ दें, तो आंदोलनकारियों ने व्यापक हिंसा से खुद को दूर रखा और प्रशासन के साथ बातचीत की मेज पर बैठे रहे।

किसी भी आंदोलन के उग्र या शांत रहने में राज्य के सुरक्षा बलों की रणनीति और उनके संयम की भूमिका केंद्रीय होती है। भारतीय पुलिस और यूरोपीय पुलिस बलों के दृष्टिकोण में स्पष्ट अंतर देखा गया । भारत में सुरक्षा बलों ने विषम परिस्थितियों में असाधारण धैर्य का परिचय दिया। दिल्ली की सीमाओं पर महीनों तक तैनात पुलिसकर्मियों ने पत्थरों, अपशब्दों और उकसावों का सामना किया, परंतु संयम नहीं खोया। पुलिस का मुख्य उद्देश्य सीधे टकराव से बचते हुए भीड़ को एक निश्चित दायरे तक सीमित रखना था। बहुस्तरीय सीमेंट के अवरोधक, कंटीले तार और वॉटर कैनन का उपयोग प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए किया गया, न कि उन पर हमला करने के लिए। इस रणनीति ने हताहतों की संख्या को न्यूनतम रखा।

यूरोपीय पुलिस, विशेष रूप से फ्रांस की दंगा-रोधी पुलिस, अत्यधिक आक्रामक तकनीकों का उपयोग करती है। 'केटलिंग' यानी भीड़ को चारों तरफ से घेरकर रास्ता न देना और साधारण हथियारों का इस्तेमाल भी अक्सर भीड़ में भगदड़ और जवाबी हिंसा को जन्म देता है। जब एक बार पुलिस बल आक्रामक रुख अपनाता है, तो युवा प्रदर्शनकारी ईंट-पत्थर और पेट्रोल बमों से जवाब देते हैं, जिससे हिंसा का एक दुष्चक्र शुरू हो जाता है।

यूरोप और भारत के इन अनुभवों से स्पष्ट होता है कि किसी भी देश में आंदोलनों का शांतिपूर्ण रहना केवल नागरिकों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह राज्य के चरित्र, पुलिस के संयम और लोकतांत्रिक संस्थाओं की संवेदनशीलता पर भी निर्भर करता है। यूरोप आज जिन संकटों से जूझ रहा है, वे यह चेतावनी देते हैं कि जब राज्य अपनी जनता की बुनियादी आर्थिक असुरक्षाओं की अनदेखी करता है और संवाद के बजाए हठधर्मिता चुनता है, तो समृद्धतम समाज भी अराजकता की आग में जल सकते हैं। उपनगरों का अलगाव और सोशल मीडिया पर फैलने वाला अनियंत्रित रोष आधुनिक लोकतंत्रों के लिए गंभीर खतरे हैं। दूसरी ओर, भारत ने यह साबित किया कि विशाल विविधताओं और गहरी असहमतियों के बावजूद यदि समाज में सत्याग्रह के नैतिक मूल्य जीवित हों, आंदोलनकारी नेतृत्व जवाबदेह हो, और कानून व्यवस्था संभालने वाली पुलिस रणनीतिक संयम दिखाए, तो महीनों चलने वाले विशाल आंदोलन भी बिना किसी बड़े रक्तपात के वैधानिक समाधान तक पहुंच सकते हैं। भारत की यह लोकतांत्रिक परिपक्वता पश्चिमी देशों के लिए एक गंभीर सबक प्रस्तुत करती है कि शक्ति प्रदर्शन से नहीं, बल्कि संयम, संवाद और सहनशीलता से ही लोकतंत्र जीवंत और सुरक्षित रहता है।

बैंकिंग व्यवस्था में ग्राहकों की निजता कितनी सुरक्षित?



महेन्द्र तिवारी

भारत में डिजिटल बैंकिंग का विस्तार हुआ है। आज घर बैठे धन भेजना, बिल जमा करना, ऋण लेना और खाते की जानकारी प्राप्त करना पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है। लेकिन तकनीक की इस सुविधा के साथ व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा का प्रश्न भी गंभीर होता जा रहा है। भारतीय स्टेट बैंक के ग्राहकों से संबंधित जानकारी के डार्क वेब पर उजागर होने की हालिया घटना ने एक बार फिर बैंकिंग व्यवस्था की साइबर सुरक्षा और नागरिकों की निजता को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

भारतीय स्टेट बैंक को 16 अक्टूबर को अपने ग्राहकों की जानकारी के संभावित खुलासे के संबंध में सूचना मिली थी। बैंक ने लगभग 3.75 लाख ऑनलाइन अभिलेखों की प्रारंभिक जाँच की, जिनमें 3,897 ग्राहक अभिलेखों में व्यक्तिगत पहचान संबंधी जानकारी पाई गई। इनमें नाम, मोबाइल नंबर, जन्मतिथि, ईमेल और आवासीय पते, ग्राहक पहचान संबंधी विवरण तथा ऋण और अन्य अभिलेखों से जुड़ी जानकारियाँ शामिल बताई गई हैं। बैंक ने मामले की विस्तृत जाँच के लिए स्वतंत्र साइबर सुरक्षा संस्था को नियुक्त किया है। साथ ही यह भी कहा है कि घटना से उसके मुख्य कामकाज, वित्तीय प्रदर्शन और व्यावसायिक निरंतरता पर कोई महत्त्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ा है। हालाँकि, आँकड़ों के उजागर होने का वास्तविक स्रोत और पूरा दायरा जाँच के बाद ही स्पष्ट होगा।

इस घटना को केवल कुछ हजार ग्राहकों की जानकारी उजागर होने तक सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए। बैंकिंग व्यवस्था विश्वास पर आधारित होती है। ग्राहक अपनी मेहनत की कमाई के साथ अपनी निजी और वित्तीय जानकारी भी बैंक को सौंपता है। यदि यह जानकारी अनधिकृत व्यक्तियों तक पहुँचती है, तो उसके दुरुपयोग की आशंका पैदा होती है। अपराधी ग्राहकों के नाम, जन्मतिथि, मोबाइल नंबर और ऋण संबंधी विवरणों का इस्तेमाल करके स्वयं को बैंक अधिकारी बताकर फोन कर सकते हैं। वे किसी वास्तविक लेनदेन या ऋण का उल्लेख करके ग्राहक का विश्वास जीतने और उससे गोपनीय जानकारी प्राप्त करने का प्रयास कर सकते हैं। इस प्रकार जानकारी का खुलासा आगे चलकर वित्तीय धोखाधड़ी, पहचान की चोरी और मानसिक परेशानी का कारण बन सकता है।

हालाँकि, यह स्पष्ट करना भी आवश्यक है कि व्यक्तिगत जानकारी के उजागर होने का अर्थ अपने आप बैंक खाते से धन चोरी होना नहीं है। बैंक ने ग्राहकों के खातों की शेष राशि सुरक्षित होने की बात कही है। फिर भी, संभावित खतरे को हल्के में नहीं लिया जा सकता। ग्राहकों को अनजान फोन, संदिग्ध संदेश और अपरिचित कड़ियों से सावधान रहना चाहिए। किसी भी परिस्थिति में अपना एकमुश्त गुप्त संकेतांक, व्यक्तिगत पहचान संख्या अथवा बैंकिंग का गुप्त शब्द किसी के साथ साझा नहीं करना चाहिए। खाते में संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने पर तत्काल बैंक से संपर्क करना चाहिए।

इस प्रकरण में बैंक की जिम्मेदारी केवल जाँच कराने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। उसे यह पता लगाना होगा कि जानकारी किस माध्यम से बाहर पहुँची, सुरक्षा व्यवस्था में कहाँ कमी रही और ऐसी घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कौन से कदम उठाए गए हैं। यदि कुछ ग्राहक प्रभावित हुए हैं, तो उन्हें समय पर स्पष्ट सूचना देना और सहायता उपलब्ध कराना आवश्यक है। सुरक्षा व्यवस्था में नियमित परीक्षण, सीमित अभिगम, बहुस्तरीय प्रमाणीकरण तथा संदिग्ध गतिविधियों की तत्काल पहचान को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। बाहरी सेवा प्रदाताओं के माध्यम से होने वाले संभावित जोखिमों की भी जाँच जरूरी है। सरकार और नियामक संस्थाओं की भूमिका भी महत्त्वपूर्ण है। वित्तीय संस्थानों के लिए साइबर सुरक्षा के स्पष्ट मानक, नियमित अनुपालन जाँच और उल्लंघन की स्थिति में जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए।

बोध कथा

ईश्वर का दोस्त

एक संत ने एक रात स्वप्न देखा कि उनके पास एक देवदूत आया है। देवदूत के हाथ में एक सूची थी। उसने कहा, 'यह उन लोगों की सूची है, जो प्रभु से प्रेम करते हैं।' संत ने कहा, 'मैं भी प्रभु से प्रेम करता हूं। मेरा नाम तो इसमें अवश्य होगा।' देवदूत बोला, 'नहीं, इसमें आप का नाम नहीं है।' संत उदास हो गए। फिर उन्होंने पूछा, 'इसमें मेरा नाम क्यों नहीं है? मैं ईश्वर से ही प्रेम नहीं करता बल्कि गरीबों से भी प्रेम करता हूं। मैं अपना अधिकतर समय निर्धनों की सेवा में लगाता हूं।

उसके बाद जो समय बचता है उसमें प्रभु का स्मरण करता हूं।' तभी संत की आंख खुल गई।

दिन में वह स्वप्न को याद कर उदास थे। एक शिष्य ने उदासी का कारण पूछा तो संत ने स्वप्न की बात बताई और कहा, 'लगता है सेवा करने में कहीं कोई कमी रह गई है।' दूसरे दिन संत ने फिर वही स्वप्न देखा। वही देवदूत फिर उनके सामने खड़ा था। इस बार भी उसके हाथ में कागज था। संत ने बेरुखी से कहा, 'अब क्यों आए हो मेरे पास? मुझे प्रभु से कुछ नहीं चाहिए।'

देवदूत ने कहा, 'आपको प्रभु से कुछ नहीं चाहिए, लेकिन प्रभु का तो आप पर भरोसा है। इस बार मेरे हाथ में दूसरी सूची है।' संत ने कहा, 'तुम उनके पास जाओ जिनके नाम इस सूची में हैं। मेरे पास क्यों आए हो?' देवदूत बोला, 'इस सूची में आप का नाम सबसे ऊपर है।' यह सुन कर संत को आश्चर्य हुआ। बोले, 'क्या यह भी ईश्वर से प्रेम करने वालों की सूची है।' देवदूत ने कहा, 'नहीं, यह वह सूची है जिन्हें प्रभु प्रेम करते हैं। ईश्वर से प्रेम करने वाले तो बहुत हैं, लेकिन प्रभु उसको प्रेम करते हैं जो गरीबों से प्रेम करते हैं। प्रभु उसको प्रेम नहीं करते जो दिन रात कुछ पाने के लिए प्रभु का गुणगान करते रहते है ।'

कविता

एशियन पैरा गेम्स...



मोनिका डागा आनंद

जारी है जापान के नागोया
में पाँचवे एशियन पैरा गेम्स,
भारत का प्रतिनिधित्व कर
रहे हैं वहाँ पर हुनर बाज
कीमती जेम्स.
जीत का लिए संकल्प और
भीतर श्रमसाध्य तेजस्विनी
धुनी रमा,
दनादन प्रतियोगिताओं में पदक जीत रहे हैं मजबूत
कदम जमा ।
उनमें से पुरुषों की भाला फेंक खेल के हैं ये श्री रिंकू
हुड्डा,
स्वर्ण जीत माँ को श्रद्धांजलि अर्पित की भरा मन के
दर्द का गड्ढा,
अब तक भारत ने चटकाए कई सारे स्वर्ण, रजत और
कांस्य पदक,
महक रही है जापान की गलियों में भारत के जांबाजों
की महक ।

देख रहा है विश्व भारत का हर एक क्षेत्र में छाया जो
दबदबा,
संकल्प और समर्पण का रंग चुनौतियों से टकराने का
जज्बा,
जिन्होंने ज़िंदगी से प्यार किया उसको हर हाल में
स्वीकार किया,
दर्द को मुस्कुरा कर अपना लिया और सपनों को फिर
साकार किया ।

जिंदगी यही सीख पग-पग पर देती या तो गमों का
बस रो रोना,
यहाँ है बेहतर भूल कर भूत को आज में सुंदर खुशियाँ
पिरोना,
उठतीं-गिरती इस काल की धारा में सुख-दुख की
अनगिनत ये लहरें

व्यंग्य केसरी

शराब नहीं ख़राब!



अशोक वाधवाणी

वर्ष की 6 ऋतुओं में पानी , चाय के बाद सर्वाधिक पीने योग्य पेय मदिरा ही है। कहीं भी , कभी भी , किसी भी स्थान पर इसका सदुपयोग करने की सुविधा जिन्हें मिलती है , वे सौभाग्यशाली समझे जाते हैं। आजकल शराब सेवन एक फैशन-पैशन-कॉमन बात बनती जा रही है। निराशा-हताशा के भंवरजाल से बाहर निकलने का सबसे सरल, सरस, सुगम, सुंदर, सार्थक, सटीक साधन है ये। अपने गमों को गलत करने के लिए इसे आंखें बंद करके गटक लीजिए, आपका दुख-दर्द , तनाव, तकलीफ़, परेशानी, पीड़ा आदि पल भर में गायब! आपको अचानक आनंददायक अनुभव की अनुभूति हो रही हो, तो अपनी प्रसन्नता प्रकट करने का इससे बेहतर विकल्प और क्या होगा? इसे हलक के नीचे उतारते ही, खुशी दिन दुनी, रात चौगुनी जैसे तेज़ी से बढ़ने जैसा फील होगा। कुछेक ऐसे भी लोग होते हैं , दारू जिनकी दिनचर्या का अभिन्न, आवश्यक अंग बन चुका होता है। अर्थात् उन्हें रोज़ाना पीने के लिए वे ऐसे क्र कमज़ोर ˙ कारणों का सहारा नहीं लेना पड़ता है। सांझ ढ़लते ही अपने क्र रूटीन ˙ कार्य में व्यस्त, मस्त हो जाते हैं।

हमारे देश में कुछ समुदाय ऐसे भी हैं जोकि मदिरा प्राशन करना तो दूर , इसे छूना भी क्र पाप ˙ समझते हैं। वे दिन-रात शराब और शराब के शौक़ीनों को पानी पी-पीकर कोसते रहते हैं। दिलचस्प बात यह भी है कि ऐसे समाजों में कुछ क्र विद्रोही ˙ विचारों वाले भी पैदा होते रहते हैं। वे लुक-छिपकर पीना पसंद करते हैं। भारत वर्ष में ऐसा समाज भी है जोकि क्र उदारवादी ˙ दृष्टिकोण वाले , आधुनिक जीवन के लिए इसकी आवश्यकता , अनिवार्यता बताते हुए, अपनी बीवी-बच्चों के सामने ही

बेधड़क पीने-पिलाने की प्यारी परंपरा की अहमियत, ज़रूरत का हृदय की गहराईयों से समर्थन करते हैं। किसी के भी विरोध के आगे झुकने-थकने-थमने का नाम नहीं लेते।

किसी कॉकटेल पार्टी में जाने पर अगर किसी टेबल के आस-पास सन्नाटा छाया हुआ दिखे , या फिर धीमे-धीमे स्वर सुनाई दें तो यह मानने में कोई दिक्कत नहीं कि यह न पीने वालों का क्र उदासी ˙ गुट है। एकाध शीतल पेय , नींबू शरबत या पानी पीता दिखाई देगा। इनकी बातों में निराशावादी-हताशावादी शब्दों का भण्डार मिलेगा। रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के उपायों और पेट्रोल , डीज़ल, नींबू की बढ़ती दरों पर लगाम लगाने के लिए गहरा चिंतन-मंथन करते पाए जाएंगे । यह और बात है कि कोई निष्कर्ष नहीं निकलता है। इसके विपरीत इसी पार्टी में टेबलों के इर्द-गिर्द लोगों का जमावड़ा लगा हो, कहकहों-ठहाकों की ऊंची आवाज़ें आने लगें, लोग हंसते-हंसते लोट-पोट हो रहें तो निस्संदेह ये पीने-पिलाने वालों का वर्ग होगा। कोई घांसू चुटकुला सुनाकर तो कोई अपनी लछेदार बातों से सबका स्वस्थ मनोरंजन करता हुआ दिखाई देगा। इस तरह के प्राणियों में जोश, जुनून का ज़बरदस्त जज़्बा कूट-कूटकर भरा हुआ मिलेगा। सुनने वालों के सारे शरीर में उमंग, उत्साह ,उल्लास और उर्जा का संचार होता है। अब आप खुद सुनिश्चित करें कि इसका सेवन करना सही है या गलत?

इतिहास

23 अक्टूबर का दिन भारतीय और विश्व इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं, जन्म और निधन का साक्षी रहा है।

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ

1764: बक्सर की लड़ाई में मीर कासिम अंग्रेजों से पराजित हुआ था।

1850: अमेरिका में पहला राष्ट्रीय महिला अधिकार सम्मेलन शुरू हुआ था।

1943: जापान ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नेतृत्व में बनी 'आज़ाद हिंद सरकार' (Arzi Hukumat-e-Azad Hind) को आधिकारिक मान्यता दी थी।

1956: हंगरी की क्रांति की शुरुआत हुई थी।

1956: अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी।

1983: लेबनान की राजधानी बेरूत में आत्मघाती हमलों में अमेरिका के 241 और फ्रांस के 56 सैनिक मारे गए थे।

पहली बारिश में उखड़ने लगी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सड़क, निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल

209.71 लाख रुपए की लागत से बनी सड़क की हालत पर सवाल, आखिर जिम्मेदारों पर कब होगी कार्रवाई?

विश्व केसरी■





एमसीबी (राजेश उपाध्याय)। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत पीडब्ल्यूडी के माध्यम से रोड पैनारी, उधनापुर में बनाई गई सड़क गुणवत्ता विहीन पर सवाल उठाने लगे हैं। जानकारी के अनुसार, 209.71 लाख की लागत से निर्मित यह सड़क पहली ही बारिश में उखड़ने लगी है। यदि सड़क की यह स्थिति सही है, तो निर्माण कार्य की गुणवत्ता और संबंधित अधिकारियों की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठना लाजिमी है।

लाखों का बजट, फिर सड़क की यह हालत क्यों?

ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़कों का निर्माण कराया जाता है। इसके लिए शासन द्वारा लाखों रुपये खर्च किए जाते हैं, ताकि ग्रामीणों को सालों तक बेहतर सड़क की सुविधा मिल सके। लेकिन यदि इतनी बड़ी राशि खर्च होने के बाद सड़क पहली बारिश भी नहीं झेल पा रही है, तो निर्माण कार्य में गुणवत्ता के मानकों का पालन हुआ या नहीं, इसकी जांच जरूरी हो जाती है।

ठेकेदार के नाम को लेकर भी चर्चा

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इस सड़क के निर्माण का ठेका मेसर्स अशोक कुमार जायसवाल को दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, ठेकेदार का संबंध बैकुंठपुर नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष पद से भी रहा है। हालांकि, केवल इस आधार पर किसी प्रकार की अनियमितता का निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। सड़क की वास्तविक गुणवत्ता का आकलन तकनीकी जांच और संबंधित दस्तावेजों के आधार पर ही किया जाना चाहिए।

क्या जिम्मेदार अधिकारी करेंगे जांच?

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि सड़क के उखड़ने की शिकायतों पर संबंधित विभाग के अधिकारी क्या कदम उठाएंगे? क्या निर्माण कार्य की तकनीकी जांच कराई जाएगी? क्या ठेकेदार को निर्माण की गुणवत्ता के संबंध में जवाबदेह बनाया जाएगा? और यदि जांच में लापरवाही या निर्धारित मानकों के उल्लंघन की पुष्टि होती है, तो क्या जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई होगी?

ग्रामीणों के लिए सड़क केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ी महत्वपूर्ण सुविधा है। ऐसे में सरकारी धन से बनी सड़क की गुणवत्ता को लेकर उठ रहे सवालों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

अब निगाहें संबंधित विभाग के अधिकारियों पर हैं। जरूरत इस बात की है कि सड़क की निष्पक्ष तकनीकी जांच कराई जाए, निर्माण की गुणवत्ता संबंधी तथ्यों को सार्वजनिक किया जाए और खामियां मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। आखिर जनता के पैसों से बनी सड़क की जवाबदेही तय कौन करेगा?

प्रकाशन से पहले सुझाव, सड़क की वर्तमान स्थिति की तस्वीरें, निर्माण कार्य की आधिकारिक लागत, स्वीकृति संबंधी दस्तावेज और विभाग का पक्ष भी शामिल करें। इससे खबर अधिक तथ्यपरक और प्रभावशाली बनेगी।

बबौली-बिलमा मार्ग का डामरीकरण कार्य पूर्ण

11 गांवों के ग्रामीणों को मिलेगी बेहतर आवागमन सुविधा

विश्व केसरी■





अंबिकापुर (रविशंकर गुप्ता)। सरगुजा जिले में ग्रामीण सड़क अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाने और दूरस्थ क्षेत्रों में बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में लोक निर्माण विभाग द्वारा महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में लुण्ड्रा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बबौली से बिलमा मार्ग का डामरीकरण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। कुल 2.20 किलोमीटर लंबे इस मार्ग के निर्माण एवं उन्नयन से आसपास के 11 गांवों के ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। साथ ही विकासखंड एवं जिला मुख्यालय तक पहुंच सुगम होने से क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

239.82 लाख रुपये की स्वीकृति से सड़क निर्माण, 5 नवीन पुल-पुलियां भी बनीं

लोक निर्माण विभाग, संभाग अम्बिकापुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार बबौली-बिलमा मार्ग के निर्माण एवं उन्नयन कार्य के लिए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 14 अक्टूबर 2024 को 239.82 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई थी। निर्माण कार्य के लिए मेसर्स जवाहर लाल गुप्ता के साथ 239.95 लाख रुपये का अनुबंध किया गया। इसके अंतर्गत 2.20 किलोमीटर लंबाई में 3.75 मीटर चैड़ी सड़क का डामरीकरण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इसके साथ ही मार्ग पर 5 नवीन पुल-पुलियों का निर्माण भी किया गया है, जिससे मार्ग पर आवागमन की सुविधा बेहतर होगी।

11 गांवों के ग्रामीणों को मिलेगा सीधा लाभ

बबौली-बिलमा मार्ग के डामरीकरण से ग्राम जोरी, अम्बी, करीं, पड़ौली, चेंगोरी, कुदर, चन्देश्वरपुर, बबौली, बिलमा, रघुपुर एवं देवसरा सहित आसपास के ग्रामीणों को आवागमन में सहूलियत मिलेगी। सड़क निर्माण से ग्रामीणों को दैनिक कार्यों, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं के लिए विकासखंड एवं जिला मुख्यालय तक पहुंचने में आसानी होगी। बेहतर सड़क संपर्क से ग्रामीण क्षेत्रों के बीच आवागमन अधिक सुविधाजनक होगा।

किसानों को कृषि उपज के परिवहन में मिलेगी सुविधा

बबौली-बिलमा मार्ग से जुड़े गांव कृषि उत्पादन की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। क्षेत्र में सड़क सुविधा बेहतर होने से किसानों को अपनी कृषि उपज स्थानीय बाजारों एवं मंडियों तक पहुंचाने में सहूलियत मिलेगी। कृषि सामग्री एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं का परिवहन भी सुगम होगा। इससे किसानों के समय एवं परिवहन संबंधी परेशानियों में कमी आने के साथ ग्रामीण व्यापार एवं आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा।

लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क निर्माण एवं उन्नयन कार्यों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन की सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। बबौली-बिलमा मार्ग का डामरीकरण पूर्ण होने से क्षेत्र की सड़क अधोसंरचना को मजबूती मिली है। वहीं ग्रामीणों को बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के साथ क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में भी सहायक सिद्ध होगा।

विजयादशमी पर्व पर रावण का दहन

विश्व केसरी■



अकलतरा (नीरज शर्मा)। नगर के मस्जिद रोड में असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक पर्व विजयादशमी हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर परंपरानुसार रावण दहन किया गया। इस दौरान नवरात्रि और दशहरा से संबंधित क्विज प्रतियोगिता तथा अंताक्षरी जैसे रोचक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों की इस पहल से कार्यक्रम में उत्साह और उमंग का माहौल बना रहा।कार्यक्रम को सफल बनाने में चिराग शर्मा प्रमोद सोनी मुन्नू जैन, उज्ज्वल शर्मा, गोपाला सोनी, करण सोनी, राहुल दोषी, दिव्यांशी गौराहा, नितारा सब्बरवाल, भव्या गौराहा का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर चांद सब्बरवाल, देवेंद्र जैन, सुनील लिखमनिया, राकेश विश्वकर्मा, नवनीत सब्बरवाल, बशीर चाचा, आशीष शर्मा, आयुष लिखमनिया, दिलीप विश्वकर्मा, नवीन विश्वकर्मा, अतुल शर्मा, गौरव सब्बरवाल, चिंटू सब्बरवाल, उत्सव, विनोद सोनी, मयूर दोषी, आर्वी, पूर्वी, उपासना, दीक्षा जैन सहित बड़ी संख्या में मोहल्लेवासी उपस्थित रहे।

राज्योत्सव 2026: कलेक्टर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से की तैयारियों की समीक्षा

विश्व केसरी■



बलरामपुर (आफताब आलम)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 01 नवंबर 2026 को आयोजित होने वाले राज्योत्सव की तैयारियों को लेकर कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने कलेक्टर कक्ष से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने विभागवार तैयारियों की जानकारी लेते हुए सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने तथा प्रस्तावित प्रदर्शनियों की तैयारी आयोजन से पूर्व सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में आयोजन के सुचारु संचालन के लिए विभिन्न विभागों को अलग-अलग दायित्व सौंपे गए। कलेक्टर ने सुरक्षा, यातायात, पार्किंग, अग्निशमन, चिकित्सा सुविधा, एंबुलेंस तथा निर्बाध विद्युत आपूर्ति की समुचित व्यवस्था करने की बात कही।

कलेक्टर त्रिपाठी ने विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने पर जोर देते हुए कहा कि राज्योत्सव को गरिमामय और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए मंच, प्रदर्शनी, नागरिक सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था एवं प्रचार-प्रसार से जुड़े सभी कार्य समय पर पूरे किए जाएँ।

'यह हमारी नहीं, समस्त शिक्षक संवर्ग की एकता की बड़ी जीत' : रविन्द्र राठौर

विश्व केसरी■

जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। छत्तीसगढ़ में सेवारत गैर-टीईटी शासकीय शिक्षकों के लिए विभागीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) आयोजित करने के प्रस्ताव पर शासन की सहमति मिलने से शिक्षक संवर्ग में नई उम्मीद जगी है। छत्तीसगढ़ शिक्षक साझा मंच ने इसे लंबे समय से जारी संघर्ष और सामूहिक प्रयासों की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि समस्त शिक्षक संवर्ग की एकता की बड़ी जीत है। स्कूल शिक्षा विभाग के 21 अक्टूबर 2026 के पत्र के अनुसार, सेवारत गैर-टीईटी शासकीय शिक्षकों के लिए निजी तकनीकी सेवा प्रदाता कंपनी के माध्यम से कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) आयोजित करने तथा वर्ष में न्यूनतम दो बार परीक्षा कराने पर सहमति दी गई है। हालांकि, परीक्षा की तिथि, आवेदन प्रक्रिया और अन्य विस्तृत दिशा-निर्देशों के लिए विभाग के आगामी आदेश का इंतजार है।

लगातार प्रयासों से मिली सकारात्मक पहल - शिक्षक साझा मंच ने विभागीय टीईटी के मुद्दे पर लगातार शासन और विभागीय स्तर पर अपनी मांग रखी। मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री के समक्ष विषय उठाने, शिक्षा सचिव और संबंधित अधिकारियों से संवाद करने तथा ज्ञापन के माध्यम से सेवारत शिक्षकों की समस्याओं को सामने लाने के बाद यह प्रगति हुई है। मंच का कहना है कि सेवारत शिक्षकों की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए परीक्षा का अवसर उपलब्ध कराना आवश्यक है, ताकि वे अपनी सेवा और भविष्य को लेकर स्पष्टता के साथ आगे बढ़ सकें। मंच के संचालक रविन्द्र राठौर ने कहा कि विभागीय टीईटी पर शासन की सहमति लंबे समय से समाधान की प्रतीक्षा कर रहे शिक्षकों के लिए महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि यह हमारी नहीं, बल्कि समस्त शिक्षक संवर्ग की एकता की बड़ी जीत है। शिक्षकों के साझा प्रयासों और निरंतर संघर्ष से इस मुद्दे पर सकारात्मक प्रगति हुई है।

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद गौतम राजवाड़े को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

विश्व केसरी■



अंबिकापुर (रविशंकर गुप्ता)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लटोरी में 21 अक्टूबर 2026 को राष्ट्रीय पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर वीर शहीद गौतम राजवाड़े की स्मृति में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, पुलिस विभाग, विद्यालय परिवार, शहीद के परिजनों एवं ग्रामीणों ने शहीद को नमन कर उनके बलिदान को याद किया।

शहीद गौतम राजवाड़े का जन्म 4 फरवरी 1991 को हुआ था। वे सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड के ग्राम तराजू के निवासी थे। विद्यालय से शिक्षा पूर्ण करने के बाद वे छत्तीसगढ़ पुलिस की विशेष कार्य बल (एसटीएफ) में बस्तर संभाग के जगदलपुर में पदस्थ थे। नक्सल प्रभावित क्षेत्र में सेवा देते हुए 19 फरवरी 2015 को नक्सली मुठभेड़ में उन्होंने देश की रक्षा के लिए बलिदान दिया।

कार्यक्रम में जनपद पंचायत सदस्य रजनी पैकरा, पूर्व एसएमसी अध्यक्ष जगरोपन यादव, वर्तमान एसएमसी अध्यक्ष आरती साहू, थाना लखनपुर के सहायक उपनिरीक्षक मनीष तिवारी, प्रधान आरक्षक छत्रपाल सिंह तथा संकुल शैक्षिक समन्वयक हुसेन्द्र राजवाड़े सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थी एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अतिथियों एवं उपस्थितजनों ने शहीद के छायाचित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर दीप प्रज्ज्वलित किया और दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के व्याख्याता उदय कुमार दुबे ने किया। संस्था के प्राचार्य बी.एन. प्रसाद ने अतिथियों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के माध्यम से शहीद गौतम राजवाड़े के अदम्य साहस, देशभक्ति और सर्वोच्च बलिदान को स्मरण करते हुए उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया गया।

रेलवे स्टेशन परिसर में गूंजे मां के जयकारे, महिलाओं ने उत्साह के साथ मनाया 'सिंदूर खेला' का पर्व

विश्व केसरी■



सक्ती (ईश्वर लोधी)। नवरात्रि के अंतिम दिन विजयादशमी के पावन पर्व पर मां दुर्गा को विदाई देते हुए रेलवे स्टेशन परिसर में एक अनूठे और भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्र की महिलाओं ने पारंपरिक तरीके से 'सिंदूर खेला' (सिंदूर खेला) की रस्म निभाकर मां को अश्रुपूर्ण और हर्षोल्लास के साथ विदाई दी।

पारंपरिक वेशभूषा में सजीं महिलाएं - कार्यक्रम की शुरुआत मां दुर्गा की विशेष पूजा-अर्चना और आरती के साथ हुई। इसके बाद लाल पाड़ की पारंपरिक सफेद साड़ियों में सजी महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर सुहाग और अखंड सौभाग्य की कामना की। इस दौरान पूरा रेलवे स्टेशन परिसर बंगाली परंपरा और भक्ति के रंगों में सराबोर नजर आया। महिलाओं ने ढोल-ताशों की थाप और मां के जयकारों के बीच एक-दूसरे को सिंदूर लगाया और एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया।

मां से की सुख-समृद्धि की कामना - सिंदूर खेला के इस रस्मी उत्सव में शामिल महिलाओं ने कहा कि मां दुर्गा का यह पर्व हमें नारी शक्ति और सकारात्मकता का संदेश देता है। उन्होंने मां से प्रार्थना की कि वे अगले साल फिर से आएं और सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि बनाए रखें। इस अवसर पर कलावती लोधी, अनीता सिंह, निधी सिंह, मृदुला सिंह, अनीता राठौर, विजया जायसवाल, राखी जायसवाल, आशा जायसवाल, रीता राज, ललिता साहू, पूनम साहू,रानी साहू,कलेश्वरी , मीरा देवांगन, पूनम यादव, नीता सिन्हा रीना संगीता सिन्हा जया भट्टाचार्य अदिति बनर्जी पटेल मोना सुब्रा भोमीक रेलवे स्टाफ की कई महिलाएं शामिल थे

आपसी भाईचारे और संस्कृति का अनूठा संगम - आयोजकों ने बताया कि रेलवे स्टेशन परिसर जैसे सार्वजनिक और व्यस्त स्थान पर इस प्रकार का आयोजन करने का उद्देश्य लोगों में आपसी प्रेम, भाईचारे और सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देना था। यात्रा कर रहे कई यात्री भी इस भव्य और पारंपरिक आयोजन को देखकर मंत्रमुग्ध हो गए और इस उत्सव का हिस्सा बने।

कार्यक्रम के अंत में महिलाओं ने एक-दूसरे को विजयदशमी की बधाई दी और अगले वर्ष फिर से मां के आगमन की आस के साथ उत्सव का समापन किया।

कौशल्या जन्मभूमि में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया विजयादशमी पर्व

विश्व केसरी■



पामगढ़ (नीरज शर्मा)। प्रभु श्रीराम के ननिहाल एवं माता कौसल्या जी की पावन जन्मभूमि कोसला धाम में विजयादशमी दशहरा का पर्व बड़े ही धूमधाम, श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बुराई पर अच्छाई, असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश दिया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचीन हनुमान जी के मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना एवं आराधना के साथ हुआ। इसके पश्चात कर्मा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति के साथ प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण जी, हनुमान जी एवं वानर सेना के स्वरूप में सजे श्रद्धालु पारंपरिक उत्साह के साथ रावण दहन स्थल तक पहुंचे। इस दौरान धार्मिक आस्था, लोक संस्कृति और मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा।

कार्यक्रम में प्रतीकात्मक रावण दहन कर विजयादशमी पर्व मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने केवल प्रतीकात्मक रावण का ही नहीं, बल्कि अपने भीतर विद्यमान अहंकार, क्रोध, लोभ, ईर्ष्या, द्वेष और अन्य बुराइयों रूपी रावण का भी दहन करने का संकल्प लिया।

कोसला धाम में आयोजित इस उत्सव ने धार्मिक आस्था के साथ-साथ छत्तीसगढ़ की लोक परंपराओं एवं सांस्कृतिक विरासत को भी जीवंत किया। आयोजन के माध्यम से समाज में सत्य, सदाचार, प्रेम, सद्भाव और धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर सरपंच राजकुमार नारंगे, उप-सरपंच योगेश कुमार साहू, आशीष तिवारी, ब्यास वर्मा, फिरत राम कुर्मी, कन्हैयालाल साहू, आनंद सिंह कंवर, कमलेश कश्यप, गौरव तिवारी, रमेश कुमार कश्यप, दिलीप कश्यप, भगवती साहू, अवधेश कुमार साहू, कन्हैया यादव, विनोद मेहर, नंद कुमार कश्यप, राजकुमार साहू, संतोष कश्यप एवं समस्त कोसला धाम वासी शामिल रहे।

सेवारत शिक्षकों के लिए विभागीय पात्रता परीक्षा के फैसले का स्वागत

विश्व केसरी■



बलरामपुर (आफताब आलम)। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने सेवारत शासकीय शिक्षकों के लिए विभागीय शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित करने के शासन के निर्णय का स्वागत किया है। संगठन ने इसे लंबे समय से उठाई जा रही मांग की दिशा में सकारात्मक पहल बताते हुए अब परीक्षा को कंप्यूटर आधारित करने के बजाय ओएमआर शीट के माध्यम से ऑफलाइन आयोजित कराने की मांग की है। संगठन का कहना है कि परीक्षा पद्धति ऐसी होनी चाहिए, जिससे ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में कार्यरत शिक्षकों को तकनीकी परेशानियों का सामना न करना पड़े और सभी अभ्यर्थियों को समान अवसर मिल सके।

लंबे समय से उठ रही थी विभागीय परीक्षा की मांग

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा ने कहा कि शिक्षक संघर्ष मोर्चा एवं छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन लंबे समय से सेवारत गैर-टीईटी शिक्षकों के लिए विभागीय शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित करने की मांग कर रहे थे। इस विषय को लेकर शिक्षा मंत्री, शिक्षा सचिव और लोक शिक्षण संचालनालय के अधिकारियों के समक्ष भी बात रखी गई थी। चर्चा के दौरान सकारात्मक आश्वासन मिलने के बाद अब विभागीय परीक्षा आयोजित करने का निर्णय सामने आया है। संगठन ने इस पहल का स्वागत करते हुए शासन के प्रति अपनी सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन गिरावट के साथ बंद, सेंसेक्स 460 अंक फिसला

विश्व केसरी■



मुंबई। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के कारोबारी सत्र में बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 460.30 अंक या 0.62 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 73,249.39 और निफ्टी 123.70 अंक या 0.54 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,687.65 पर बंद हुआ।

बाजार पर दबाव बनाने का काम मीडिया, एफएमसीजी और डिफेंस स्टॉक्स ने किया।

सूचकांकों में निफ्टी मीडिया (2.35 प्रतिशत), निफ्टी एफएमसीजी (1.41 प्रतिशत), निफ्टी इंडिया डिफेंस (1.21 प्रतिशत), निफ्टी एनर्जी (1.05 प्रतिशत), निफ्टी आईटी (1.05 प्रतिशत) और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (0.96 प्रतिशत) में सबसे अधिक दबाव देखा गया।

हालांकि, निफ्टी फार्मा, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी हेल्थकेयर बढ़त के साथ बंद हुए। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में अधिक दबाव देखा गया। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 501.90 अंक या 0.87 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 57,063.95 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 211.40 अंक या 1.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 18,275.90 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, सन फार्मा, एसबीआई, भारती एयरटेल, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा, एचसीएल टेक और बजाज फिनसर्व हरे निशान में बंद हुए। इटरनल , एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, ट्रेंट, इन्फोसिस, एशियन पेंट्स, आईटीसी, बीएसई, एमएंडएम, टीसीएस, एलएंडटी, एचयूएल, मारुति सुजुकी, टेक महिंद्रा, टाइटन, इंडिगो, एनटीपीसी और एक्सिस बैंक लूजर्स थे।

जानकारों ने कहा कि गुरुवार को बाजार दबाव में रहे और लगातार तीसरे सत्र में इनमें गिरावट दर्ज की गई। इसकी मुख्य वजह कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव रहे। निचले स्तर पर खुलने के बाद, प्रमुख सूचकांकों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। हालांकि निचले स्तरों से बीच-बीच में हुई खरीदारी से थोड़ी राहत जरूर मिली। परिणामस्वरूप निफ्टी में आधे प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई और यह 22,665.80 के स्तर पर बंद हुआ, जो बाजार की धारणा में बनी हुई कमजोरी को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि सेक्टर के स्तर पर देखें तो बिकवाली व्यापक रही, जिसमें एफएमसीजी, आईटी और एनर्जी सेक्टर सबसे ज्यादा कमजोर रहे। व्यापक बाजारों का प्रदर्शन भी कमजोर बना रहा, जहां मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स, दोनों में लगभग 1 प्रतिशत की गिरावट आई। बाजार के सभी हिस्सों में लगातार कमजोरी यह दिखाती है कि निवेशकों में जोखिम लेने को लेकर काफी हिचकिचाहट है और प्रमुख शेयरों के अलावा अन्य शेयरों में भी लगातार बिकवाली का दबाव बना हुआ है।

हिमाचल प्रदेश के अनारों का दुबई को निर्यात शुरू, किसानों के लिए बढ़ेंगे अवसर

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि हिमाचल प्रदेश के 'सिंदूरी अनारों' का दुबई में सफलतापूर्वक निर्यात किया गया है। इससे विदेशी बाजारों में भारतीय कृषि उत्पादों के लिए नया बाजार खुल रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा , 'एग्रीकल्चरल एंड प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी (एपीडा) के सहयोग से, कुल्लू के 1.3 मीट्रिक टन सिंदूरी अनार दुबई निर्यात किए गए हैं। स्थानीय उपज को वैश्विक बाजारों से जोड़ने की यह पहल, किसानों की आय बढ़ाने और भारतीय कृषि निर्यात को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।'

इस महीने की शुरुआत में, एपीडा ने हरियाणा के सोनीपत से कनाडा तक 24 मीट्रिक टन फ्रोजन खाद्य उत्पादों की एक खेप भेजने में मदद की। किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के नेतृत्व में भेजी गई इस खेप में हरी मटर, मिश्रित सब्जियां, मटर और गाजर, स्वीट कॉर्न और समोसे जैसे कई उत्पाद शामिल थे। निर्यात करने वाली इकाई को एपीडा की वित्तीय सहायता योजना से मदद मिली।

गोयल ने आगे बताया कि केंद्र सरकार की चल रही आउटरीच पहलों के तहत, गांधीनगर में एफटीए (मुक्त व्यापार समझौतों) का लाभ उठाने पर एक राज्य-स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई थी। इसमें राज्य सरकार के अधिकारियों, निर्यात संवर्धन परिषदों (ईपीसी) और निर्यातकों सहित 200 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की सराहना की। पटेल ने स्थानीय व्यवसायों और निर्यातकों की भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रयास किए हैं, जिससे एफटीए का बेहतर उपयोग हो सकेगा और भारत के कुल निर्यात में गुजरात की हिस्सेदारी और बढ़ेगी।

गोयल ने बुधवार को कहा कि हाल के वर्षों में सरकार द्वारा किए गए कई मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) ने भारत के निर्यातकों के लिए अपार अवसर खोले हैं। मोदी सरकार का जोर इस बात पर है कि इन फायदों का लाभ किसानों, श्रमिकों, महिलाओं, युवाओं, एमएसएमई और छोटे व्यवसायों तक पहुंचे, ताकि वे 'मेड इन इंडिया' उत्पादों को वैश्विक बाजारों तक और अधिक पहुंचा सकें।

आरबीआई एमपीसी मिनट्स: अर्थशास्त्रियों ने दिसंबर में लगातार दूसरी बार रेपो रेट में बढ़ोतरी की जताई उम्मीद

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। अर्थशास्त्रियों ने गुरुवार को लगातार दूसरी बार रेपो रेट में बढ़ोतरी के अपने रुख को बरकरार रखा, क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अक्टूबर बैठक के मिनट्स से केंद्रीय बैंक का रुख पहले की तुलना में अधिक सख्त (हॉकिश) दिखाई दिया है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि बढ़ती महंगाई और रुपए पर बने दबाव को देखते हुए दिसंबर में भी रेपो रेट में 50 बेसिस प्वाइंट तक की बढ़ोतरी की जा सकती है।

एसबीआई की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि दिसंबर की मौद्रिक नीति बैठक में 50 बेसिस प्वाइंट की अतिरिक्त बढ़ोतरी की संभावना बनी हुई है। यह बढ़ोतरी या तो सीधे रेपो रेट में 50 बेसिस प्वाइंट की वृद्धि के रूप में हो सकती है या फिर 25 बेसिस प्वाइंट रेपो रेट बढ़ाने और 25 बेसिस प्वाइंट के असमान समायोजन के जरिए लिक्विडिटी एडजस्टमेंट फैसिलिटी (एलएएफ) कॉरिडोर को चौड़ा किया जा सकता है।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के ग्रुप चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर डॉ. सौम्य कांति घोष ने कहा कि महंगाई का दबाव व्यापक होता जा रहा है और रुपए में कमजोरी भी बनी हुई है। ऐसे में आरबीआई को स्थिति पर करीबी नजर रखने और संतुलित नीतिगत कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, 'हमें उम्मीद है कि नवंबर तक महंगाई दर 6.5 प्रतिशत से नीचे रह सकती है, लेकिन वर्तमान स्तरों को देखते हुए आरबीआई की सतर्क निगरानी जरूरी है।'

डीबीएस बैंक की वरिष्ठ अर्थशास्त्री और कार्यकारी निदेशक राधिका राव ने कहा कि अक्टूबर नीति बैठक के मिनट्स से यह स्पष्ट हुआ है कि आरबीआई ने सख्त रुख अपनाया है। बैठक में रेपो रेट 25 बेसिस प्वाइंट बढ़ाया गया और नीति रुख को 'कैलिब्रेटेड टाइटनिंग' में बदला गया।

उन्होंने कहा कि समिति के सदस्यों ने बढ़ते महंगाई दबाव और मजबूत आर्थिक वृद्धि को ब्याज दर बढ़ाने के प्रमुख कारणों के रूप में देखा। कुछ बाहरी सदस्यों ने महंगाई जोखिमों के विस्तार को रेखांकित करते हुए पहले से कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया, जबकि कुछ अन्य सदस्य क्रमिक बढ़ोतरी के पक्ष में रहे और लंबे समय तक कड़ी मौद्रिक नीति के संकेत देने के खिलाफ दिखे। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने भी संकेत दिया कि महंगाई अब अधिक व्यापक रूप लेती दिखाई दे रही है। राधिका राव के अनुसार, यदि चालू कैलेंडर वर्ष की चौथी तिमाही में महंगाई 6 प्रतिशत के आसपास पहुंचती है, तो दिसंबर में एक और ब्याज दर बढ़ोतरी की संभावना खुली रहेगी।

केंद्र की नई एथेनॉल खरीद नीति से महाराष्ट्र का शुगर उद्योग चिंतित; 40,000 करोड़ रुपए के निवेश पर संकट

विश्व केसरी■



मुंबई। देश में चीनी उत्पादन को पर्याप्त स्तर पर बनाए रखने के लिए केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में लिए गए नीति फैसले ने महाराष्ट्र के चीनी कारखानों और एथेनॉल उत्पादन इकाइयों के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। उद्योग जगत का कहना है कि नई खरीद नीति से राज्य में एथेनॉल क्षेत्र में किए गए लगभग 40,000 करोड़ रुपए के निवेश पर संकट मंडराने लगा है।

16 अक्टूबर को जारी नए दिशा-निर्देशों के तहत तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने आगामी एथेनॉल आपूर्ति वर्ष (1 नवंबर से 31 अक्टूबर) के लिए खरीद नीति की घोषणा की है। इसके तहत गन्ने के रस, शुगर सिरप और बी-हेवी शीरे (मोलासेस) से सीधे उत्पादित एथेनॉल की खरीद पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है।

सरकार के 1,100 करोड़ लीटर एथेनॉल खरीद लक्ष्य में अब गन्ना-आधारित स्रोतों को शामिल नहीं किया गया है। नई व्यवस्था के तहत केवल सी-हेवी मोलासेस से बने एथेनॉल की खरीद की जाएगी। हालांकि उद्योग से जुड़े लोगों का कहना है कि मौजूदा बाजार कीमतों पर केवल सी-हेवी मोलासेस से एथेनॉल बनाना आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं है। उद्योग सूत्रों के मुताबिक, पिछले कुछ वर्षों में सरकार ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल करने और ईंधन आयात पर निर्भरता कम करने के लिए चीनी मिलों और डिस्टिलरी इकाइयों को निवेश के लिए प्रोत्साहित किया था। इसके बाद देशभर में एथेनॉल उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर निवेश किया गया।

महाराष्ट्र की एक प्रमुख सहकारी चीनी मिल के अध्यक्ष ने बताया, 'देश की कुल स्थापित एथेनॉल उत्पादन क्षमता लगभग 2,000 करोड़ लीटर है, जिसमें से 848 करोड़ लीटर क्षमता अनाज आधारित संयंत्रों की है। एथेनॉल क्षेत्र में कुल निवेश लगभग 1 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। अकेले महाराष्ट्र में 16 स्वतंत्र और अनाज-आधारित डिस्टिलरियां हैं, जिनकी संयुक्त वार्षिक उत्पादन क्षमता लगभग 56 करोड़ लीटर है।' उन्होंने कहा कि 60 किलोलीटर प्रतिदिन क्षमता वाली अनाज-आधारित डिस्टिलरी स्थापित करने में 120 से 135 करोड़ रुपए तक की लागत आती है, जबकि 30 किलोलीटर प्रतिदिन क्षमता वाले छोटे संयंत्र के लिए 50 से 60 करोड़ रुपए के निवेश की आवश्यकता होती है। महाराष्ट्र राज्य सहकारी चीनी कारखाना महासंघ के आंकड़ों के अनुसार, राज्य की चीनी मिलों की कुल स्थापित एथेनॉल उत्पादन क्षमता लगभग 3,750 मिलियन लीटर है।

कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते कीमती धातुओं पर बढ़ा दबाव, सोना 1.28 प्रतिशत फिसला

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को एक बार फिर वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमजोर रुझान, रुपए की मजबूती और ब्याज दरों को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच कीमती धातुओं पर दबाव बना हुआ है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स में गुरुवार सुबह सोने और चांदी दोनों में गिरावट दर्ज की गई। दिन के शुरुआती कारोबार में सोना 1.05 प्रतिशत गिरकर 4,106.40 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता नजर आया, तो वहीं चांदी 2.24 प्रतिशत टूटकर 56.42 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

इस बीच बोफा यानी बैंक ऑफ अमेरिका (बीओएफए) ने अनुमान जताया है कि मौजूदा दबाव जारी रहने पर सोना आगे चलकर 3,700 डॉलर प्रति औंस तक फिसल सकता है। भारतीय मुद्रा में यह स्तर लगभग 1.12 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के बराबर बैठता है। इस अनुमान ने भी निवेशकों की सतर्कता बढ़ा दी है।

अंतरराष्ट्रीय कमजोरी का असर भारतीय बाजार पर भी साफ दिखाई दिया। घरेलू बाजार में सोना गिरकर 1.44 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच गया, जबकि चांदी का भाव 2.03 लाख रुपए प्रति किलोग्राम के करीब आ गया।

खबर लिखे जाने तक (सुबह करीब 11 बजे), मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना 1,771 रुपए यानी 1.21 प्रतिशत गिरकर 1,44,308 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता दिखा। वहीं चांदी में और बड़ी गिरावट देखी गई और यह 5,521 रुपए यानी 2.64 प्रतिशत टूटकर 2,03,647 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई।

दिन के कारोबार में दिसंबर डिलीवरी वाला सोना अपने पिछले बंद भाव 1,46,079 रुपए से 1,087 रुपए यानी 0.74 प्रतिशत टूटकर 1,44,992 रुपए पर खुला, और एक समय यह 1,883 रुपए यानी 1.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,44,196 रुपए प्रति 10 ग्राम के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया।

वहीं दिसंबर डिलीवरी वाली चांदी अपने पिछले बंद भाव 2,09,168 रुपए से 3,168 रुपए यानी 1.51 प्रतिशत गिरकर 2,06,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुली, और एक समय इसने 5,648 रुपए यानी 2.70 प्रतिशत टूटकर 2,03,520 का दिन का निम्नतम स्तर छुआ। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल निवेशक अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों और फेडरल रिजर्व की आगामी नीतिगत दिशा पर नजर बनाए हुए हैं, जिससे कीमती धातुओं में उतार-चढ़ाव बढ़ गया है।

विश्लेषकों के मुताबिक, अमेरिकी आर्थिक संकेतकों और ब्याज दरों को लेकर बनी अनिश्चितता के चलते निवेशक फिलहाल जोखिम लेने से बच रहे हैं। यही कारण है कि सुरक्षित निवेश माने जाने वाले सोने में भी बिकवाली का दबाव देखने को मिल रहा है।

पिछले सप्ताह एमसीएक्स पर सोने की कीमतों में 3,581 रुपए यानी 2.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी, जबकि चांदी 14,568 रुपए यानी 6.4 प्रतिशत तक टूट गई थी। जानकारों का मानना है कि घरेलू कीमतों में यह कमजोरी बड़े पैमाने पर मुद्रा विनिमय दर के प्रभाव से जुड़ी हुई है।

बाजार के जानकारों का कहना है कि घरेलू बाजार में गिरावट की एक बड़ी वजह भारतीय रुपए की मजबूती भी है।

एलन मस्क की टेस्ला का तीसरी तिमाही में मुनाफा 44 प्रतिशत गिरा

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। टेक्सास स्थित ऑटोमोटिव कंपनी टेस्ला ने तीसरी तिमाही (क्यू3) के नतीजों में मुनाफे में भारी गिरावट दर्ज की है। इस दौरान, कंपनी का शुद्ध लाभ (नेट प्रॉफिट) सालाना आधार पर 44 प्रतिशत घटकर 78.7 करोड़ डॉलर (787 मिलियन डॉलर) रह गया, जबकि कंपनी का राजस्व लगभग स्थिर रहते हुए 28 अरब डॉलर दर्ज किया गया।

हालांकि मुनाफे में गिरावट के बावजूद कंपनी का फ्री कैश फ्लो बढ़कर 1.5 अरब डॉलर हो गया, जो उसके नकदी प्रवाह की स्थिति में सुधार को दर्शाता है।

कंपनी ने नई प्रौद्योगिकियों, उत्पाद विकास और विनिर्माण क्षमता विस्तार पर निवेश जारी रखा। तिमाही के दौरान उसका पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) लगभग दोगुना होकर 4.7 अरब डॉलर पहुंच गया।

इस बीच, हाल ही में स्पेसएक्स की अर्निंग्स कॉल के दौरान एलन मस्क ने कहा था कि टेस्ला और स्पेसएक्स के संभावित विलय पर विचार करने के लिए दोनों कंपनियों में विशेष समितियां गठित की गई हैं। मस्क ने इस तरह के सौदे को रणनीतिक रूप से आकर्षक बताया, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि इसके सामने कई बड़ी चुनौतियां हैं और अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। हालांकि टेस्ला की अर्निंग्स कॉल के दौरान उन्होंने इस प्रस्ताव पर अधिक विस्तार से चर्चा नहीं की, जिससे निवेशकों को बातचीत की वास्तविक स्थिति के बारे में सीमित जानकारी ही मिल सकी। यह नतीजे ऐसे समय आए हैं जब कुछ सप्ताह पहले टेस्ला ने टेक्सास स्थित स्पेसएक्स सुविधा में अपनी लंबे समय से प्रतीक्षित नई रोडस्टर स्पोर्ट्स कार का उन्नत संस्करण पेश किया था। प्रदर्शन के दौरान एक प्रोटोटाइप वाहन ऊंचे घुमावदार ट्रैक पर दौड़ा और कुछ क्षणों के लिए जमीन से ऊपर उठकर सुरक्षित रूप से वापस उतरा। इस प्रदर्शन की तुलना उड़ने वाली कारों की अवधारणा से की गई।

त्योहारी सीजन में बढ़ी फ्रेशर्स की मांग, एडटेक सेक्टर में मिल रहे मौके : रिपोर्ट

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। त्योहारी सीजन में फ्रेशर्स की मांग में तेज उछाल दर्ज किया गया है और एडटेक सेक्टर में हायरिंग की संभावना 50 प्रतिशत बढ़ गई है। यह जानकारी गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

टीमलीज एडटेक की रिपोर्ट में कहा गया कि डिजिटल एडवाइजिंग और मार्केटिंग में उन युवा फैशर्स के लिए मौके बढ़ रहे हैं, जिनके पास इंडस्ट्री में मान्यता प्राप्त कौशल मौजूद है।

मुंबई में डिजिटल मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव की मांग 48 प्रतिशत रही और मार्केटिंग व विज्ञापन क्षेत्र में फ्रेशर्स की भर्ती का इरादा 2026 की पहली छमाही के 62 प्रतिशत की तुलना में, 2026 की दूसरी छमाही में 59 प्रतिशत दर्ज किया गया।

रिपोर्ट में बताया गया कि बाजार में कुछ नरमी के बावजूद, विशेष एंट्री-लेवल भूमिकाओं की मांग यह दर्शाती है कि ऐसे उम्मीदवारों की अहमियत बनी हुई है, जिनके पास डिजिटल विज्ञापन प्लेटफॉर्म, कैंपेन के प्रदर्शन और ऑडियंस एंगेजमेंट की व्यावहारिक समझ हो।

रिपोर्ट में 'प्रोग्रामैटिक एडवरटाइजिंग एसोसिएट' और 'डिजिटल मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव' को देश भर की शीर्ष पांच फ्रेशर भूमिकाओं में शामिल किया गया है। इससे पता चलता है कि एंट्री-लेवल नौकरियों के क्षेत्र में डिजिटल-फर्स्ट क्षमताओं का महत्व आज भी बरकरार है।

परफॉरमेंस मार्केटिंग एनालिटिक्स भी एक महत्वपूर्ण स्किल के रूप में उभरा है। इससे यह जरूरी हो गया है कि उम्मीदवार डिजिटल मार्केटिंग की मुख्य क्षमताओं के साथ-साथ कैंपेन को मापने, डेटा को समझने और परफॉरमेंस के आधार पर फैसले लेने की समझ भी रखें।

रिपोर्ट में विशेष विज्ञापन क्षमताओं के बढ़ते महत्व पर भी जोर दिया गया है, क्योंकि नियोक्ता ऐसे टैलेंट की तलाश में हैं जो डेटा-आधारित मार्केटिंग और कैंपेन को लागू करने में योगदान दे सकें।

रिपोर्ट में आगे कहा गया कि भारत में फ्रेशर्स की भर्ती का कुल इरादा 2026 की पहली छमाही के 73 प्रतिशत से बढ़कर, 2026 की दूसरी छमाही में 75 प्रतिशत हो गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, 'यह व्यापक सुधार इस बात को रेखांकित करता है कि शिक्षा और प्रशिक्षण को उद्योग की बदलती जरूरतों के अनुरूप होना चाहिए।'

छुट्टियों में बचाना है पैसा? गोवा के बीच से लेकर मनाली की पहाड़ियों तक, बजट ट्रिप के लिए चुनें ये 4 जगहें



गोवा और मनाली जैसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों के अलावा गोकर्ण, जिभी, तीर्थन घाटी, बूंदी और राजाजी नेशनल पार्क भी छुट्टी के लिए अच्छे विकल्प हो सकते हैं. सही जगह और यात्रा का साधन चुनकर खर्च कम किया जा सकता है. बुकिंग से पहले किराया, मौसम और स्थानीय सुविधाओं की जानकारी जरूर जांचें.

छुट्टियों में गोवा के बीच पर घूमना हो या मनाली की पहाड़ियों में कुछ दिन बिताने हों, तो ट्रैवल बजट अक्सर बढ़ जाता है. होटल, आने-जाने का किराया और घूमने-फिरने का खर्च मिलकर जेब पर भारी पड़ सकता है. लेकिन अच्छी छुट्टी के लिए हमेशा मशहूर टूरिस्ट डेस्टिनेशन चुनना जरूरी नहीं है. भारत में ऐसी कई जगहें हैं, जहां खूबसूरत पहाड़, शांत समुद्र तट, पुरानी इमारतें और जंगलों के बीच समय बिताने का मौका मिलता है.

हिमाचल प्रदेश की जिभी, कर्नाटक का गोकर्ण और राजस्थान का बूंदी ऐसी ही जगहों में शामिल हैं. अगर आप अगली छुट्टी में भीड़ से दूर जाना चाहते हैं और बजट भी संभालकर रखना चाहते हैं, तो इन चार वैकल्पिक डेस्टिनेशन पर विचार कर सकते हैं.

1. पहाड़ों में छुट्टी: मनाली की जगह तीर्थन घाटी और जिभी

मनाली में घूमने के लिए कई टूरिस्ट स्पॉट और होटल मिलते हैं, लेकिन छुट्टियों के दौरान यहां भीड़ और खर्च दोनों बढ़ सकते हैं. ऐसे में तीर्थन घाटी और जिभी उन लोगों के लिए अच्छे विकल्प हो सकते हैं, जिन्हें शांत माहौल, पहाड़ी नदियां, जंगल और छोटे होमस्टे पसंद हैं. यहां आप प्रकृति के बीच समय बिता सकते हैं, आसपास के गांवों में घूम सकते हैं और ट्रेकिंग का अनुभव ले सकते हैं. ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क के आसपास का इलाका भी प्रकृति प्रेमियों को आकर्षित करता है.

कैसे पहुंचें: दिल्ली से मनाली के लिए रात की बस मिलती है. तीर्थन घाटी और जिभी जाने वाले यात्रियों को आमतौर पर औट तक बस से पहुंचकर आगे टैक्सी लेनी पड़ती है. भुंतर हवाई अड्डा भी इस इलाके के लिए एक विकल्प है, हालांकि उड़ानों की उपलब्धता सीमित हो सकती है.

घूमने का अच्छा समय: मौसम और पसंद के हिसाब से यात्रा की तारीख चुनें. जाने से पहले सड़क की स्थिति और स्थानीय मौसम की जानकारी जरूर लें.

2. समुद्र किनारे छुट्टी: गोवा की जगह गोकर्ण

गोवा अपनी नाइटलाइफ, बीच और बीच रिसॉर्ट के लिए मशहूर है. लेकिन अगर आप समुद्र किनारे सुकून से समय बिताना चाहते हैं, तो कर्नाटक का गोकर्ण भी अच्छा विकल्प हो सकता है. यहां समुद्र तटों के साथ शांत माहौल और प्रकृति के करीब रहने का मौका मिलता है. गोकर्ण उन लोगों को पसंद आ सकता है, जो दोस्तों या पार्टनर के साथ आराम से छुट्टी बिताना चाहते हैं. हालांकि, यहां मिलने वाली सुविधाएं और मनोरंजन के विकल्प गोवा के लोकप्रिय इलाकों से अलग हो सकते हैं।

यह अंतर यात्रा के साधन पर भी निर्भर करता है. गोवा जाने के लिए फ्लाइट का खर्च बजट बढ़ा सकता है, जबकि गोकर्ण के लिए ट्रेन या बस चुनने से खर्च कम हो सकता है.

कैसे पहुंचें: बेंगलुरु से गोकर्ण तक बस या ट्रेन से रातभर में पहुंचा जा सकता है. मुंबई से भी ट्रेन के जरिए यहां जाने का विकल्प है. यात्रा का समय चुनी गई ट्रेन या बस के अनुसार बदल सकता है.

घूमने का अच्छा समय: बीच पर घूमने और मौसम का आनंद लेने के लिए यात्रा से पहले स्थानीय मौसम की जानकारी लें.

3. इतिहास और वास्तुकला: उदयपुर की जगह बूंदी

राजस्थान की ऐतिहासिक इमारतें, किले और पुरानी हवेलियां देखने का शौक है, तो उदयपुर के अलावा बूंदी को भी अपनी ट्रैवल लिस्ट में शामिल कर सकते हैं. उदयपुर अपनी झीलों, महलों और लग्जरी होटलों के लिए जाना जाता है, जबकि बूंदी अपनी पुरानी इमारतों, बावड़ियों और दीवारों पर बने चित्रों के लिए खास है. तारागढ़ किला, बूंदी पैलेस और रानीजी की बावड़ी यहां के प्रमुख आकर्षणों में शामिल हैं. अगर आप इतिहास और पुरानी वास्तुकला में दिलचस्पी रखते हैं, तो यह जगह कम बजट में एक अलग अनुभव दे सकती है।

52 साल की उम्र में भी करिश्मा कपूर की फिटनेस और चेहरे पर दिखता है ग्लो, न्यूट्रिशनिस्ट रुजुता दिवेकर ने बताए 3 सीक्रेट



बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर 52 साल की उम्र में भी अपनी फिटनेस और खूबसूरती को लेकर चर्चा में रहती हैं. सेलिब्रिटी न्यूट्रिशनिस्ट रुजुता दिवेकर ने करिश्मा कपूर का उदाहरण देते हुए महिलाओं को स्वस्थ रहने की तीन जरूरी सलाह दी हैं. रुजुता के अनुसार, महिलाओं को केवल वजन घटाने के लिए नहीं, बल्कि शरीर को मजबूत रखने के लिए नियमित एक्सरसाइज करनी चाहिए. उन्होंने सप्ताह में कम से कम तीन घंटे शारीरिक गतिविधि करने और अपनी क्षमता के अनुसार वर्कआउट चुनने की सलाह दी है. वजन कम करने के चक्कर में चावल, रोटी या दूसरे जरूरी खाद्य पदार्थ पूरी तरह छोड़ने के बजाय संतुलित डाइट अपनाना बेहतर है.

बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर 52 साल की उम्र में भी अपनी फिटनेस, स्टाइल और खूबसूरती को लेकर चर्चा में रहती हैं. उन्हें देखकर कई लोगों के मन में सवाल आता है कि आखिर बढ़ती उम्र के साथ खुद को इतना फिट और एक्टिव कैसे रखा जा सकता है. क्या इसके लिए कोई खास डाइट लेनी पड़ती है या फिर घंटों जिम में पसीना बहाना जरूरी होता है? सेलिब्रिटी न्यूट्रिशनिस्ट रुजुता दिवेकर ने इसी सवाल का जवाब देते हुए महिलाओं को सेहत से जुड़ी कुछ जरूरी सलाह दी हैं. रुजुता के मुताबिक, लंबे समय तक फिट रहने के लिए किसी महंगी डाइट, खास सुपरफूड या वजन घटाने वाले मुश्किल नियमों की जरूरत नहीं है. असली फर्क रोजमर्रा की उन आदतों से पड़ता है, जिन्हें हम सालों तक अपनाकर रखते हैं। खासतौर पर महिलाओं के लिए 30 की उम्र के बाद अपनी सेहत पर ध्यान देना जरूरी हो जाता है, क्योंकि आगे चलकर शरीर में कई तरह के बदलाव दिखाई दे सकते हैं. रुजुता ने 21 अक्टूबर को इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए एक वीडियो में करिश्मा कपूर की फिटनेस का उदाहरण देते हुए बताया कि सही खानपान, नियमित एक्सरसाइज और संतुलित लाइफस्टाइल से बढ़ती उम्र में भी शरीर को मजबूत और एक्टिव बनाए रखने में मदद मिल सकती है. उन्होंने महिलाओं को तीन ऐसी आदतों के बारे में बताया, जिन्हें समय रहते अपनाना फायदेमंद हो सकता है. आइए जानते हैं कि आखिर ये तीन बातें क्या हैं और इन्हें रोजमर्रा की जिंदगी में कैसे शामिल किया जा सकता है.

करिश्मा कपूर की फिटनेस के पीछे क्या है खास बात?

करिश्मा कपूर लंबे समय से अपनी फिटनेस का ध्यान रखती आई हैं. रुजुता दिवेकर के अनुसार, उनकी फिटनेस को किसी एक डाइट या कुछ दिनों की मेहनत का नतीजा नहीं माना जा सकता. इसके पीछे लंबे समय से अपनाई गई अच्छी आदतों की भूमिका है. जब कोई व्यक्ति लगातार अपने खानपान, एक्सरसाइज और आराम का ध्यान रखता है, तो इसका फायदा आगे की उम्र में भी मिल सकता है।

पति-पत्नी में अंडरस्टैंडिंग हो तो हैप्पी कटता है जीवन, पर कितना? अगर ये आदतें बिगड़ी तो घट जाती है बायलॉजिकल उम्र



अधिकांश पति-पत्नी को अक्सर नोंक-झोंक करते दिखते हैं. लेकिन कुछ कपल ऐसे होते हैं जिनमें अंडरस्टैंडिंग बहुत अच्छी होती है और उनका जीवन खुशहाल होता है. उपर से लोगों को लगता है कि इनके लिए सब कुछ बेहतर ही होगा. निश्चित रूप से अगर सब कुछ सही है तो अच्छा होगा लेकिन ऐसे कपल सेहत को लेकर बेफिक्र हो जाते हैं. अगर सेहत को लेकर कुछ गलतियां करेंगे तो इससे बायलॉजिकल उम्र भी घट जाएगी.

अगर कोई कपल बहुत खुश जीवन जी रहा है और पति-पत्नी के बीच अंडरस्टैंडिंग भी अच्छा है तो निश्चित रूप से ऐसे कपल की बायलॉजिकल उम्र भी बढ़ जाएगी. मतलब ऐसे कपल के शरीर की अंदरुनी ताकत या शरीर के अंग वास्तविक उम्र से ज्यादा जवान होते हैं. लेकिन यह चीजें उन कपल पर लागू होता है जिनकी लाइफस्टाइल और खान-पान अच्छी हो. यूनिवर्सिटी ऑफ अलबामा एट बर्मिंघम के शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में इस बात की पड़ताल की है कि क्या खुशहाल पति-पत्नी सेहत के मामलों में भी अच्छे होते हैं. इसमें कपल के खुशहाल जीवन, उनकी लाइफस्टाइल, उनके खान-पान, नींद की आदत, तनाव आदि के पैमाने पर माप लिया गया. इसके बाद पाया गया कि अगर खुशहाल पति-पत्नी के बीच अंडरस्टैंडिंग ज्यादा है तो उनमें बायलॉजिकल उम्र तो बढ़ जाती है लेकिन यह बात उन कपल पर लागू होता है जो अपनी सेहत को लेकर भी अलर्ट रहते हैं.

खुशहाल कपल में बुढ़ापा देरे से

टीओआई की खबर में शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में पाया कि जो कपल खुश रहते हैं. दोनों के बीच तालमेल अच्छी है. किसी बात को लेकर दोनों में तनाव नहीं होता।

ठेले जैसी चटपटी चाऊमीन अब घर पर बनाएं, नूडल्स नहीं होंगे चिपचिपे, स्ट्रीट स्टाइल स्वाद



सड़क किनारे ठेले पर मिलने वाली चटपटी चाऊमीन का स्वाद कई लोगों को पसंद आता है, लेकिन घर पर बनाते समय नूडल्स अक्सर चिपचिपे हो जाते हैं. स्ट्रीट स्टाइल चाऊमीन बनाने के लिए नूडल्स को सही तरीके से उबालना और उनका अतिरिक्त पानी निकालना जरूरी है. चाऊमीन में पत्ता गोभी, गाजर, शिमला मिर्च और प्याज को लंबा और पतला काटकर इस्तेमाल किया जाता है. सब्जियों को मध्यम से तेज आंच पर थोड़ी देर भूनने से उनका कुरकुरापन बना रहता है और चाऊमीन का स्वाद बेहतर होता है. सोया सॉस, रेड चिली सॉस, टोमैटो केचप और सिरका मिलाकर चाऊमीन में खट्टा, तीखा और हल्का मीठा स्वाद लाया जा सकता है.

शाम के समय जब कुछ चटपटा और मसालेदार खाने का मन करता है, तो सबसे पहले सड़क किनारे मिलने वाली चाऊमीन याद आती है. बाजार में ठेले पर बनने वाली चाऊमीन का स्वाद ही अलग होता है. तेज आंच पर बड़ी सी कड़ाही में सब्जियां भूनते हुए जब दुकानदार नूडल्स और सॉस मिलाता है, तो उसकी खुशबू दूर तक आने लगती है. बारीक कटी पत्ता गोभी, गाजर, शिमला मिर्च और प्याज के साथ तैयार होने वाली चाऊमीन बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आती है. खासतौर पर जब इसमें हल्का तीखापन, चटपटा स्वाद और सब्जियों का कुरकुरापन हो, तो खाने का मजा दोगुना हो जाता है. लेकिन जब यही चाऊमीन घर पर बनाने की कोशिश करते हैं, तो कई बार नूडल्स आपस में चिपक जाते हैं, सब्जियां ज्यादा पककर नरम हो जाती हैं या फिर बाजार जैसा स्वाद नहीं आ पाता.

ऐसे में लोग सोचते हैं कि ठेले वाले आखिर ऐसा क्या डालते हैं, जिससे उनकी चाऊमीन इतनी स्वादिष्ट बनती है. दरअसल, इसके पीछे किसी एक खास मसाले का कमाल नहीं है, बल्कि नूडल्स उबालने से लेकर सब्जियों को भूनने और सॉस मिलाने तक का तरीका बहुत मायने रखता है. अगर कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखा जाए, तो घर पर भी सड़क किनारे मिलने वाली चटपटी वेज चाऊमीन तैयार की जा सकती है. इसके लिए ज्यादा सामग्री की जरूरत भी नहीं है. आइए जानते हैं घर पर स्ट्रीट स्टाइल चाऊमीन बनाने की आसान रेसिपी.

स्ट्रीट स्टाइल चाऊमीन बनाने के लिए क्या-क्या चाहिए? घर पर करीब दो से तीन लोगों के लिए चाऊमीन बनाने के लिए 200 ग्राम नूडल्स, एक कप बारीक कटी पत्ता गोभी, एक मध्यम आकार की गाजर, एक शिमला मिर्च और एक प्याज लें।



अपनों के बीच रहते हुए भी आप क्यों महसूस कर रहे अकेलापन? जानें इसके पीछे की असली वजह



ढेरों लोगों के बीच रहकर भी क्या आप कभी-कभी अकेलापन महसूस करते हैं? जानिए क्यों सोशल मीडिया और भागदौड़ भरी ज़िंदगी के दौर में इंसान भीड़ में भी तन्हा महसूस करता है. इस भावनात्मक दूरी के 5 असली कारण और इससे बाहर निकलने के आसान उपाय.

'अकेलापन यह नहीं है कि आपके आस-पास कौन नहीं है, बल्कि यह इस बात का अहसास है कि आपके पास कोई होकर भी नहीं है.' आज के आधुनिक युग की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हम पहले से कहीं अधिक 'कनेक्टेड' (जुड़े हुए) हैं, लेकिन अंदर से उतने ही कटे हुए भी हैं. घर में परिजनों के साथ बैठे हों, दफ्तर में सहकर्मियों से घिरे हों या सोशल मीडिया पर हज़ारों दोस्तों की लिस्ट हो...फिर भी एक अजीब सी तन्हाई इंसान को अंदर ही अंदर कचोटती रहती है.

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की 30 जून 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में लगभग हर 6 में से 1 व्यक्ति अकेलापन महसूस करता है. WHO के मुताबिक, अकेलापन और सामाजिक अलगाव एक ही चीज नहीं हैं. अकेलापन इस बात से जुड़ा है कि व्यक्ति को अपने रिश्तों में जितना जुड़ाव चाहिए, उसे उतना महसूस नहीं हो रहा. वहीं सीडीसी के मुताबिक, लगातार अकेलापन मानसिक और शारीरिक सेहत को प्रभावित कर सकता है. इसलिए इसे कमजोरी मानने के बजाय गंभीरता से समझना जरूरी है.

मनोवैज्ञानिक और समाजशास्त्री इस स्थिति को 'सोशल लोनलीनेस' और 'इमोशनल लोनलीनेस' के बीच के अंतर से समझाते हैं।

चंपा-चमेली से मोगरा तक: बालकनी को महका देंगे ये 6 भारतीय फूल, कम देखभाल में भी खिलेंगे ढेरों फूल



खुद के लगाए हुए फूलों की प्राकृतिक सुगंध के साथ आपकी बालकनी की सुबह की चाय का स्वाद और भी बेहतर हो जाता है. इन फूलों को बहुत अधिक जगह की आवश्यकता नहीं होती है, और कुछ खूबसूरत बेलें हैं जो आपकी बालकनी की रेलिंग को ढक सकती हैं. गुलाब, गेंदे के अलावा आप बालकनी के लिए इन 6 भारतीय फूलों का भी चुनाव कर सकते हैं...

बालकनी में बैठकर सुबह की चाय का आनंद लेना और साथ में अपने लगाए फूलों की खुशबू महसूस करना, इस अनुभव की बात ही कुछ और है. इसके लिए आपको बहुत बड़ी जगह की जरूरत नहीं है. कई फूल ऐसे हैं, जिन्हें आप छोटे गमलों में उगा सकते हैं, जबकि कुछ खूबसूरत बेलें आपकी बालकनी की रेलिंग और दीवारों को हरियाली से भर सकती हैं. ये फूल ना सिर्फ आपकी बालकनी को खूबसूरत बनाएंगे, बल्कि दिवाली के फोटोशूट के लिए भी शानदार बैकग्राउंड तैयार कर सकते हैं. आइए गुलाब, गेंदा जैसे आम फूलों से हटकर जानते हैं 6 ऐसे भारतीय पसंदीदा फूलों के बारे में, जो आपकी बालकनी को एक खूबसूरत गार्डन में बदल सकते हैं...

अपराजिता, जिसे नीली अपराजिता या बटरफ्लाई पी के नाम से भी जाना जाता है, बालकनी में बेल लगाने के लिए एक बेहतरीन विकल्प है. अगर आपकी बालकनी में रेलिंग, जाली या ट्रेलिस लगी है, तो इसकी बेल आसानी से फैल सकती है. इसके गहरे नीले फूल बेहद आकर्षक दिखाई देते हैं. इन फूलों का इस्तेमाल चाय और दूसरे पेय पदार्थों को नेचूरल रंग देने के लिए भी किया जाता है. अपराजिता को अच्छी धूप पसंद है. इसे ऐसी मिट्टी में लगाएं, जिसमें पानी जमा ना हो. बेल को सहारा देने के लिए जाली या लकड़ी का ढांचा लगाना ना भूलें.

चमेली के सफेद और खुशबूदार फूल आपकी बालकनी को एक पारंपरिक और सुकूनभरा एहसास देते हैं. इसकी मनमोहक खुशबू आसपास के वातावरण को महका सकती है. चमेली की कई किस्में बेल या झाड़ी के रूप में बढ़ती हैं, इसलिए इसे बालकनी की रेलिंग या ट्रेलिस के पास लगाया जा सकता है. अच्छी बढ़त और भरपूर फूलों के लिए इसे पर्याप्त धूप, नियमित देखभाल और अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी की जरूरत होती है. अगर आप अपनी बालकनी में नेचूरल खुशबू चाहते हैं, तो चमेली एक शानदार ऑप्शन है.

पारिजात, जिसे हरसिंगार या रात की रानी जैसे नामों से भी जाना जाता है, अपने नाजुक सफेद फूलों और नारंगी केंद्र के लिए प्रसिद्ध है. इसके फूलों की खुशबू खास होती है. फूल आमतौर पर शाम या रात में खिलते हैं और सुबह तक जमीन पर झरे हुए दिखाई दे सकते हैं. पारिजात सामान्यत: झाड़ी या छोटे पेड़ के रूप में बढ़ता है. इसलिए इसे बालकनी में लगाने के लिए थोड़ा बड़ा गमला चुनें. पर्याप्त रोशनी, उपयुक्त मिट्टी और नियमित देखभाल से यह आपकी बालकनी की खूबसूरती बढ़ा सकता है.

मोगरे की खुशबू के बारे में क्या ही कहें, आप मोगरे के पौधे को अपनी बॉलकनी में लगा सकते हैं और हर रोज इस खुशबू का आनंद ले सकते हैं. इसके छोटे-छोटे सफेद फूल देखने में जितने सुंदर होते हैं, उनकी मीठी खुशबू उतनी ही मनमोहक होती है. खासकर शाम के समय मोगरे की महक बालकनी के वातावरण को खुशनुमा बना सकती है. मोगरे को अच्छी धूप पसंद है. इसके बढ़ने और फूलने के मौसम में हर दिन पानी दें, लेकिन ध्यान रखें कि गमले में पानी जमा ना हो. सही देखभाल के साथ मोगरा आपकी बालकनी को एक खुशबूदार और सुकूनभरी जगह बना सकता है।



डिजिटल क्रिएटर से एक्ट्रेस बनने तक का सफर

प्राजक्ता कोली बोलीं- 'दर्शकों का प्यार देता है कॉन्फिडेंस'

मुंबई । एक्ट्रेस प्राजक्ता कोली ने नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में डिजिटल क्रिएटर से फिल्मों तक के अपने सफर और दर्शकों से मिले प्यार के बारे में बात की।

उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर उनसे जुड़े लोगों की वजह से उन्हें प्रोफेशनल लाइफ में एक अलग तरह का कॉन्फिडेंस मिलता है।

> "मेरी सोच यह थी कि जो लोग फिल्म देखने के लिए टिकट खरीदते हैं, वे मुझे पसंद करें। मैं चाहती थी कि दर्शकों को मेरा काम अच्छा लगे, लेकिन इसके लिए दूसरे कलाकारों की महत्वता कम नहीं होनी चाहिए।
> – प्राजक्ता कोली

बड़े कलाकारों के साथ काम करने का मिला अनुभव

एक्ट्रेस प्राजक्ता कोली ने कहा कि जब वह बड़े कलाकारों के साथ फिल्मों में काम करती हैं, तो उनके मन में यह चिंता नहीं रहती कि दूसरे लोग उन्हें पसंद करेंगे या नहीं। इसके बजाय वह चाहती हैं कि जो दर्शक उनकी फिल्म देखने के लिए टिकट खरीदते हैं, उन्हें भी उनका काम पसंद आए।

'जुगजुग जिओ' के सेट का यादगार अनुभव

प्राजक्ता ने बताया कि 'जुगजुग जिओ' के सेट पर अनिल कपूर, नीतू कपूर, कियारा आडवाणी, करण जौहर, मनीष पॉल और वरूण धवन समेत सभी लोगों ने उनके साथ अच्छा व्यवहार किया।



अमित शाह के जन्मदिन पर अक्षय कुमार ने दी बधाई, बोले- 'आपने हमेशा देश को सबसे पहले रखा'



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को उनके जन्मदिन पर खास अंदाज में बधाई दी। अभिनेता ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट शेयर कर अमित शाह की तारीफ की और उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। अक्षय ने अपने मैसेज में कहा कि अमित शाह ने हमेशा देश को सबसे पहले रखा है। इसके साथ ही उन्होंने भगवान महादेव से उनके ऊपर अपना आशीर्वाद बनाए रखने की प्रार्थना की।

अक्षय कुमार ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा, ''जन्मदिन की अनेक शुभकामनाएं अमित शाह जी। आपने हमेशा देश को सबसे आगे रखा है। महादेव का आशीर्वाद आप पर बना रहे... आपका स्वास्थ्य हमेशा अच्छा रहे और संकल्प हमेशा सच्चा रहे। जय महाकाल।''

गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार को 62 साल के हो गए। इस मौके पर सोशल मीडिया पर उन्हें जन्मदिन की बधाई देने का सिलसिला जारी है।

अक्षय कुमार की बात करें, तो उन्होंने साल 1991 में फिल्म 'सौगंध' से बॉलीवुड में कदम रखा था। हालांकि, उन्हें पहचान साल 1992 में आई फिल्म 'खिलाड़ी' से मिली। इसके बाद उन्होंने एक्शन फिल्मों में अपनी अलग जगह बनाई और खिलाड़ी कुमार के नाम से मशहूर हो गए। अक्षय ने अपने करियर में एक्शन के साथ कॉमेडी, रोमांस और देशभक्ति से जुड़ी फिल्मों में भी काम किया है।

'हेरा फेरी', 'गरम मसाला', 'भूल भुलैया', 'नमस्ते लंदन', 'सिंह इज किंग' और 'हाउसफुल' जैसी फिल्मों में उनके काम को दर्शकों ने पसंद किया। उन्होंने 'बेबी', 'एयरलिफ्ट', 'रुस्तम', 'केसरी' और 'मिशन मंगल' जैसी फिल्मों में भी अहम भूमिकाएं निभाई। वहीं, 'पैडमैन' और 'टॉयलेट: एक प्रेम कथा' जैसी फिल्मों के जरिए उन्होंने समाज से जुड़े मुद्दों को उठाया। अक्षय को साल 2009 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा, फिल्म 'रुस्तम' के लिए उन्हें साल 2017 में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला।

इंडियन आइडल पर शिल्पा शेट्टी ने ताजा की पहले सीजन की यादें, अभिजीत सावंत को देखकर कही ये बात

विश्व केसरी ■

मुंबई। एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल लेजेंड्स रिटर्न' के सेट पर लगभग दो दशक बाद नजर आईं। उन्होंने शो के पहले सीजन की यादों को ताजा करते हुए गायक अभिजीत सावंत की तारीफ की और कहा कि इतने साल बाद भी उनकी मुस्कान वैसी ही बरकरार है।

उन्होंने शो के पहले सीजन की यादों को ताजा किया, जब उन्होंने अभिजीत सावंत की मुस्कान की तारीफ की थी। पहले सीजन के एक पुराने वीडियो में शिल्पा, अभिजीत से कहती हुई सुनाई देती हैं, 'मुझे तुम्हारी स्माइल बहुत पसंद है। यह बहुत सुकून देने वाली है।'

शो का पहला सीजन जीतने के बाद उनकी जिंदगी कैसे बदल गई, इसे याद करते हुए अभिजीत ने कहा, 'उसके बाद जो लाइफ चेंज हुई है। पूरी सोसायटी बोलती थी, 'यार तू बहुत अच्छा स्माइल करता है, यार'।'

दो दशक से ज्यादा समय बाद सिंगर से दोबारा मिलते हुए शिल्पा ने कहा, '22 साल हो गए, आपकी स्माइल अब भी उतनी ही अच्छी है।'

अभिनेत्री ने 'इंडियन आइडल लेजेंड्स रिटर्न' पर अपनी वापसी को लेकर आईएएनएस के साथ बात की। उन्होंने बताया था कि स्टेज पर लौटे कलाकारों के सफर और उनकी ग्रोथ पर भी बात की।

उन्होंने कहा, ''इंडियन आइडल लेजेंड्स रिटर्न' का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत खुशी की बात थी, खासकर इसलिए क्योंकि मैं समझती हूं कि म्यूजिक टैलेंट को खोजने और निखारने के लिए यह कितना खास प्लेटफॉर्म है।

परिणीति चोपड़ा के बर्थडे पर मां और बहन ने दी शुभकामनाएं, शेयर की बचपन की खास तस्वीरें

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा गुरुवार को अपना जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर उनकी मां रीना मल्होत्रा चोपड़ा और बड़ी बहन प्रियंका चोपड़ा ने जन्मदिन की बधाइयां दीं।

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर परिणीति चोपड़ा की तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह पिंक कलर के मोती जड़े आउटफिट में नजर आ रही हैं, साथ ही मैचिंग मेकअप और इयररिंग्स पहने हुए हैं। अभिनेत्री ने लिखा, 'जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं तिशा, परिणीति चोपड़ा। आपका आने वाला साल प्यार, हंसी और दिल की हर ख्वाहिश से भरा हो।'

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा की मां रीना मल्होत्रा चोपड़ा ने भी जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने याद किया कि कैसे अभिनेत्री ने उन्हें पहले माता-पिता और अब नाना-नानी बनाया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर परिणीति चोपड़ा के बचपन की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं,



जिसमें अभिनेत्री और उनकी मां के साथ में बिताए गए पल शामिल हैं।

पहली फोटो में छोटी परिणीति अपनी मां के गाल पर किस करती नजर आ रही हैं। अगली तस्वीर में उनके पिता उन्हें केक का टुकड़ा खिलाते दिख रहे हैं। इसके बाद एक्ट्रेस के बचपन की और भी कई प्यारी झलकियां हैं।

रीना मल्होत्रा चोपड़ा ने लिखा, 'मेरी बच्ची को जन्मदिन की बधाई। तुमने सबसे पहले हमें माता-पिता और नाना-नानी बनाया है, जिसके लिए हम तुम्हें जितना भी शुक्रिया अदा करें, वो कम है। हम बता भी नहीं सकते कि तुम्हारे बिना हमारी जिंदगी क्या थी और तुमने उसे कैसा बना दिया है।'

उन्होंने परिणीति को एक ऐसी शख्सियत भी बताया, जो हमेशा से 'जिंदादिल' रही है, और मजाक में कहा कि उनका मतलब 'शोर मचाने वाली और सबके आकर्षण का केंद्र' है। उन्होंने कहा कि परिणीति के लिए उनका प्यार हर गुजरते दिन के साथ बढ़ता ही जा रहा है।

उन्होंने जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा, 'तुम्हारे लिए हमारा प्यार हर गुजरते दिन के साथ बढ़ता ही जा रहा है। हैप्पी बर्थडे परिणीति चोपड़ा।

22 अक्टूबर 1988 को जन्मी परिणीति मां बनने के बाद अपना दूसरा जन्मदिन मना रही हैं। उन्होंने और उनके पति, नेता राघव चड्ढा ने अक्टूबर 2025 में अपने बेटे नीर का स्वागत किया था।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस: दो महिलाओं को पैसे देकर भेजा मुंबई, 20 दिन तक शहर में रहकर रेकी करता रहा आरोपी



विश्व केसरी ■

मुंबई। मुंबई में बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग के मामले में जांच के दौरान नए खुलासे हुए हैं। मुंबई क्राइम ब्रांच के मुताबिक आरोपी कुणाल ने हथियार मुंबई पहुंचाने के लिए राधा और बबीता नाम की दो महिलाओं को पैसे दिए थे। दोनों को काम के सिलसिले में मुंबई घूमने का लालच भी दिया गया था।

पुलिस के मुताबिक, हथियार पहुंचाने के बाद दोनों महिलाओं के मुंबई में कुछ जगहों पर घूमने की जानकारी सामने आई है। अब क्राइम ब्रांच इस पूरे नेटवर्क से जुड़े लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी-एक्सटॉर्शन सेल आरोपियों के मोबाइल फोन से डेटा रिकवर करने में जुटी है। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने सबूत मिटाने के लिए अपने मोबाइल फोन फेंक दिए थे। अब इन फोन का डेटा वापस हासिल करने की कोशिश की जा रही है। इसके साथ ही आरोपियों के कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) भी निकाले जा रहे हैं ताकि पता चल सके कि वे किन लोगों के संपर्क में थे और वारदात से पहले और बाद में किससे उनकी बातचीत हुई थी।

इस मामले में दिल्ली और सोनीपत से गिरफ्तार चार आरोपियों को मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी एक्सटॉर्शन सेल की ओर से कोर्ट में पेश किया जाएगा। पुलिस इन आरोपियों से पूछताछ के आधार पर हथियारों की सप्लाई और फायरिंग की तैयारी से जुड़ी कड़ियां जोड़ रही है।

जांच में सोनीपत से गिरफ्तार अंकित राजेश खटक की भूमिका भी सामने आई है। मुंबई क्राइम ब्रांच के मुताबिक, अंकित करीब 20 दिनों तक मुंबई में रुका था। पूछताछ में सामने आया कि इस दौरान उसने शूटरों के साथ मिलकर फायरिंग वाली जगह और उसके आसपास के इलाकों की रेकी की थी। उसने इलाके की निगरानी करने के साथ हमले की तैयारी में भी भूमिका निभाई थी।

जांच एजेंसी का कहना है कि अंकित इस नेटवर्क से जुड़े बड़े स्तर के लोगों के भी लगातार संपर्क में था। पुलिस अब उसकी गतिविधियों, शूटरों के साथ उसके संपर्क और कथित साजिश में उसकी भूमिका की जांच कर रही है।

बता दें कि 18 अक्टूबर को मुंबई के जुहू इलाके में टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग हुई थी। अभिनेता फुटबॉल खेलने के बाद पुष्पा नरसी ग्राउंड से अपनी कार में जा रहे थे। इसी दौरान बाइक से आए हमलावरों ने उनकी कार पर गोलियां चलाईं। घटना में टाइगर बाल-बाल बचे लेकिन उनके ड्राइवर फिरदौस गोली लगने से घायल हो गए।

घटना के बाद मुंबई पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। शुरुआती कार्रवाई में तीन आरोपियों रेहान, फूल सिंह और ऋतिक कुमार को राजस्थान के कोटा से गिरफ्तार किया गया था। बाद में हथियारों की सप्लाई से जुड़े लोगों की भूमिका की जांच करते हुए दिल्ली और सोनीपत से भी गिरफ्तारियां हुईं। पुलिस के मुताबिक, फायरिंग में इस्तेमाल हथियार को मुंबई तक पहुंचाने के लिए अलग-अलग लोगों की मदद ली गई थी।

कनेक्शन से ज्यादा मेहनत में यकीन रखता हूं : मिश्कत वर्मा

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेता मिश्कत वर्मा इन दिनों टेलीविजन शो 'दिलों की रामलीला' में नजर आ रहे हैं। अभिनेता का मानना है कि अगर आपमें हुनर है और आप मेहनत करने से पीछे नहीं हटते, तो बिना किसी गॉडफादर और कनेक्शन के भी इंडस्ट्री में अपनी जगह बना सकते हैं।

अभिनेता ने मीडिया के साथ बातचीत में स्ट्रगल और इंडस्ट्री में सफलता को लेकर बातचीत की। उन्होंने कहा कि सिर्फ कनेक्शन किसी भी इंसान का सफर तय नहीं कर सकता है।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि कड़ी मेहनत कनेक्शन से ज्यादा जरूरी है और मैं सच में कनेक्शन में यकीन नहीं करता हूं। कुछ लोग कहते हैं कि अगर आपके पास कनेक्शन नहीं है, तो आप सफल नहीं हो सकते, लेकिन हम बेवकूफ नहीं हैं। हम इंसान हैं और हमें पता है कि काम करने में कितनी मेहनत लगती है।

अभिनेता मिश्कत वर्मा ने कहा, 'मैं अध्यात्म, धर्म,



आस्था या भगवान को आम तरीके से नहीं समझता। मैं हमेशा से मानता आया हूं कि जिसने मुझे बनाया है, वही मेरा भगवान है। यही मेरा विश्वास और मेरी आस्था है। जहां तक मेरे काम की बात है, मैं उसमें अध्यात्म को इस तरह से नहीं जोड़ता। मैं मेहनत में विश्वास रखता हूं। मैं किस्मत और तकदीर को ज्यादा नहीं समझता। मैं बस कड़ी मेहनत करने और जो प्रोफेशनली सही लगता है, उसी पर चलने में यकीन रखता हूं।'

अभिनेता ने अपने शो 'दिलों की रामलीला' पर भी बात की। उन्होंने उन सभी दर्शकों का शुक्रिया अदा किया, जो शो को लगातार देख रहे हैं और इतना प्यार दे रहे हैं।

अभिनेता ने कहा, 'हम बेहद खुश हैं कि शो लोगों से जुड़ रहा है। हमने सच में कुछ अलग करने की ईमानदारी से कोशिश की है। हर कोई कुछ अलग करना चाहता है, लेकिन हमने वाकई में कुछ नया लाने की कोशिश की है। उम्मीद है कि और भी ज्यादा दर्शक इस शो से जुड़ेंगे। अभिनेता ने आगे अपनी को-स्टार आस्था शर्मा के साथ बॉन्डिंग पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'शो में हमने अपने किरदारों के बीच एक अलग बॉन्ड दिखाया है।

यूएन में सांसद अरुण भारती ने रखा भारत का पक्ष, बोले- 'शांति निर्माण में राष्ट्रीय स्वामित्व होनी चाहिए सर्वोपरि'

विश्व केसरी■



न्यूयॉर्क। बिहार के जमुई से सांसद अरुण भारती ने न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के ईसीओएसओसी चैंबर में संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना आयोग (पीबीसी) और अफ्रीकी संघ शांति व सुरक्षा परिषद (एयूपीएससी) के बीच आयोजित 9वीं वार्षिक बैठक में भारत का पक्ष का रखा।

अरुण भारती संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के लिए भारत के गैर-आधिकारिक संसदीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में 19 से 23 अक्टूबर तक न्यूयॉर्क के दौरे पर हैं।

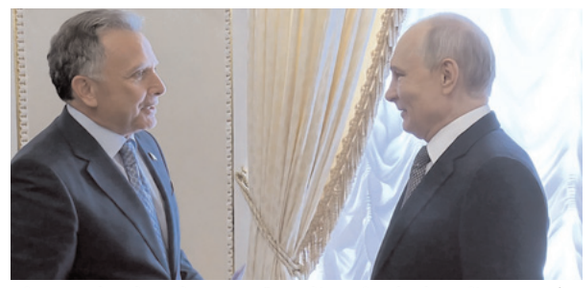
अपने वक्तव्य की शुरुआत में अरुण भारती ने इस बैठक के आयोजन के लिएसंयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना आयोग (पीबीसी) और अफ्रीकी संघ शांति व सुरक्षा परिषद (एयूपीएससी) के अध्यक्षों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह बैठक आपसी सहयोग, समझ और अफ्रीकी स्वामित्व व नेतृत्व को मजबूत करने और राष्ट्रीय स्तर पर संचालित शांति-निर्माण प्रयासों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

उन्होंने 2025 की शांति निर्माण संरचना समीक्षा के जुड़वां प्रस्तावों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन प्रस्तावों ने दोनों संस्थाओं के बीच रणनीतिक साझेदारी को सशक्त करने और वार्षिक परामर्शों की सिफारिशों पर अनुवर्ती कार्रवाई के लिए एक तंत्र बनाने का आह्वान किया था, और आज का संयुक्त विज्ञप्ति उसी दिशा में अगला कदम है। भारती ने संयुक्त क्षेत्रीय दौरों और किसी देश-विशेष के संदर्भ में सहयोग जैसी प्रस्तावित व्यावहारिक व्यवस्थाओं पर भारत का दृष्टिकोण रखते हुए कहा कि ऐसी सभी सहयोगी व्यवस्थाएं लचीली हों, दोनों संस्थाओं के अपने-अपने अधिदेशों का सम्मान करें और पूरी तरह संबंधित देश की प्राथमिकताओं के अनुरूप हों।

उन्होंने कहा कि शांति निर्माण में 'राष्ट्रीय स्वामित्व' सर्वोपरि सिद्धांत होना चाहिए। शांति निर्माण की जरूरतों और प्राथमिकताओं को तय करने की प्राथमिक जिम्मेदारी संबंधित देश की सरकार की है। इसलिए क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सहायता मांग-आधारित होनी चाहिए, जो मेजबान देश के अनुरोध और सहमति से दी जाए, उसकी प्राथमिकताओं के अनुरूप हो, और राष्ट्रीय प्रयासों की पूरक बने, कभी उनका विकल्प नहीं। उन्होंने कहा कि यही सिद्धांत संयुक्त गतिविधियों और क्षेत्रीय दौरों पर भी समान रूप से लागू होता है।

हम अमेरिका और यूक्रेन के साथ त्रिपक्षीय शांति वार्ता को तैयार: क्रेमलिन

विश्व केसरी■



मास्को। मास्को पहुंचे अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच सेंट पीटर्सबर्ग में तीन घंटे लंबी बातचीत हुई। क्रेमलिन ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि रूस ने त्रिपक्षीय शांति वार्ता के लिए सहमति जता दी है और इसका आयोजन नवंबर के शुरुआत में हो सकता है।

रूसी समाचार एजेंसी टीएएसएस के अनुसार, क्रेमलिन के सहयोगी यूरी उशाकोव ने पत्रकारों को बताया, 'बुधवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के बीच हुई बैठक लगभग तीन घंटे तक चली, जो काफी विस्तृत और स्पष्ट थी।'

उनके अनुसार, पुतिन और विटकॉफ ने रूस, अमेरिका और यूक्रेन के बीच बातचीत फिर से शुरू करने के विकल्पों पर चर्चा की। उशाकोव ने आगे बताया कि रूसी राष्ट्रपति ने अमेरिकी दूत को सूचित किया कि मास्को नवंबर की शुरुआत में त्रिपक्षीय बातचीत फिर से शुरू करने के लिए तैयार है।

रूसी राष्ट्रपति के सहयोगी यूरी उशाकोव ने पत्रकारों को बताया कि यह बैठक कई दिन पहले ही तय कर ली गई थी। उन्होंने कहा, 'यह एक पूर्व-नियोजित बैठक थी, जिस पर कई दिन पहले ही सहमति बन गई थी।'

उन्होंने आगे बताया कि अमेरिकी वार्ताकार जेरेड कुशनर बीमारी के कारण विटकोफ के साथ सेंट पीटर्सबर्ग नहीं जा सके, इसलिए वे वीडियो लिंक के जरिए बैठक में शामिल हुए। उनके मुताबिक, 'पहले की तरह, जेरेड कुशनर के भी इसमें हिस्सा लेने की उम्मीद थी, लेकिन स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के चलते वे नहीं आ सके। वे वीडियो लिंक के जरिए जुड़े और चर्चा के विषयों पर अपने विचार और आकलन साझा किए।'

पुतिन और विटकॉफ के बीच यह नौवीं बैठक थी, जो 'रूस और अमेरिका के राष्ट्रपतियों के बीच होने वाली नियमित फोन बातचीत के अलावा एक उपयोगी कदम है।'

संक्षिप्त खबर

थाईलैंड और मलेशिया ने अपने नागरिकों को कुछ यूरोपीय देश न जाने की दी सलाह

विश्व केसरी■



बैंकॉक/कुआलालंपुर। थाईलैंड और मलेशिया ने अपने नागरिकों से अपील की है कि वो यूरोप के उन देशों में जाने से बचें जहां विरोध प्रदर्शन जारी हैं। थाईलैंड ने गैर-जरूरी यात्रा टालने की सलाह दी है। वहीं, मलेशिया ने भी अपने नागरिकों को फ्रांस की यात्रा करने को लेकर चेतावनी दी है। नेशन थाइलैंड मीडिया आउटलेट ने बताया कि इटली की यात्रा के दौरान बुधवार देर रात पत्रकारों से बात करते हुए थाईलैंड के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री सिहासाक फुवांगकेटकेओ ने कहा, 'थाईलैंड से यूरोप जाने वालों को वहां के हालात पर कड़ी नजर रखनी चाहिए, क्योंकि स्थिति तेजी से बदल रही है। साथ ही संबंधित देशों में थाई दूतावासों और विदेश मंत्रालय से जानकारी लेते रहें। फ्रांस को लेकर चिंता बनी हुई है, क्योंकि वहां अभी भी हालात सामान्य नहीं हैं। उन्होंने इटली में हो रहे विरोध-प्रदर्शनों का भी जिक्र किया और बताया कि अशांति के चलते एक जरूरी सरकारी कैबिनेट बैठक होने की वजह से उनके इतालवी समकक्ष को द्विपक्षीय बैठक रद्द करनी पड़ी। उन्होंने आगे कहा, 'हमें स्पेन को लेकर भी चिंता है। 'इन देशों में जो कुछ भी हो रहा है, उसे देखते हुए अगर यात्रा करना बहुत जरूरी न हो, तो बेहतर होगा कि इसे कुछ समय के लिए टाल दिया जाए।

मानव अंडाणु निकालने के अवैध रैकेट पर ईडी की कार्रवाई, 29 लाख रुपये नकद जब्त

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मानव अंडाणु निकालने के अवैध रैकेट से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में महाराष्ट्र के ठाणे, बारामती और नासिक में 10 ठिकानों पर छापेमारी की। 16 अक्टूबर को की गई इस कार्रवाई के दौरान 29 लाख रुपये नकद जब्त किए गए, जबकि बैंक लॉकर और म्यूचुअल फंड निवेश फ्रीज कर दिए गए। ईडी के मुंबई जोनल कार्यालय-द्वद्व ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत यह तलाशी अभियान चलाया। जांच के दौरान मामले से जुड़े आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल उपकरण भी बरामद किए गए हैं। इसके अलावा, जांच एजेंसी ने कई नए डोनर एजेंटों की पहचान की है। बड़ी रकम से जुड़ी कई अचल संपत्तियों और निवेश का भी पता चला है। ईडी ने महाराष्ट्र के ठाणे जिले के बदलापुर पूर्व पुलिस थाने में दर्ज एफआईआर और बाद में दाखिल आरोपपत्र के आधार पर जांच शुरू की थी। इसमें मंजुषा वानखेड़े और 16 अन्य लोगों पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 के तहत धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोप लगाए गए हैं। साथ ही, सहायक प्रजनन तकनीक (विनियमन) अधिनियम, 2021 और औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के प्रावधानों के उल्लंघन का भी आरोप है। ईडी की जांच के अनुसार, इस मामले में एक संगठित नेटवर्क के जरिए आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को मानव अंडाणु दान के लिए तैयार किया जाता था। इसके बाद विभिन्न डोनर-सप्लाई एजेंटों के माध्यम से इन महिलाओं को आईवीएफ केंद्रों और सहायक प्रजनन तकनीक (एआरटी) बैंकों तक पहुंचाया जाता था।

भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल के तीन जहाज पहुंचे मालदीव, समुद्री सहयोग है उद्देश्य

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल के तीन पोत मालदीव की राजधानी माले के तट पर पहुंचे हैं। नौसेना के इन जहाजों में आईएनएस तीर व आईएनएस सुजाता शामिल हैं। इनके साथ ही भारतीय तटरक्षक बल का जहाज आईसीजीएस सारथी मालदीव पहुंच चुका हैं।

ये तीनों समुद्री जहाज लंबी दूरी के प्रशिक्षण अभियान के तहत मालदीव पहुंचे हैं। यहां पहुंचने पर मालदीव के राष्ट्रीय रक्षा बल ने भारतीय पोतों का गर्मजोशी से स्वागत किया। यह यात्रा दोनों देशों के बीच मजबूत समुद्री साझेदारी और क्षेत्रीय संबंधों को दर्शाती है। ये समुद्री जहाज नौसेना का प्रथम प्रशिक्षण स्क्वाड्रन से हैं।

इस यात्रा के दौरान प्रथम प्रशिक्षण स्क्वाड्रन के वरिष्ठ अधिकारी ने मालदीव के राष्ट्रीय रक्षा बल के प्रमुख और मालदीव तटरक्षक बल के कमांडेंट से मुलाकात की। दोनों पक्षों के बीच बातचीत में भारतीय नौसेना और मालदीव के रक्षा बलों के बीच लगातार संपर्क बनाए रखने और समुद्री क्षेत्र में बहुआयामी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई।

नौसेना के प्रथम प्रशिक्षण स्क्वाड्रन के वरिष्ठ अधिकारी ने मालदीव में भारत के उच्चायुक्त जी. बालासुब्रमण्यम से भी मुलाकात की। वहीं, प्रशिक्षण के तहत भारतीय नौसेना के प्रशिक्षु, मालदीव के गिरिफुशी प्रशिक्षण केंद्र पहुंचे। इस दौरान उन्हें मालदीव के प्रशिक्षण संस्थान और वहां की गतिविधियों को समझने का अवसर मिला। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के नौसैनिकों के बीच आपसी तालमेल और मित्रता बढ़ाने के लिए कई गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी।

नौसेना के मुताबिक, इन गतिविधियों में एक-दूसरे के पोतों का दौरा व खेल प्रतियोगिताएं शामिल हैं। साथ ही सामाजिक मेल-मिलाप और जनसंपर्क से जुड़ी गतिविधियां भी इस अभियान का हिस्सा हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य दोनों देशों के सैन्य बलों के बीच आपसी समझ और सहयोग को और मजबूत करना है।

भारतीय नौसेना के प्रथम प्रशिक्षण स्क्वाड्रन की यह यात्रा दोनों देशों के बीच समुद्री क्षेत्र में बेहतर तालमेल और बढ़ते सहयोग को रेखांकित करती है।

यूक्रेन के 12 क्षेत्रों में रूस ने दागी 21 बैलिस्टिक मिसाइलें, दो की मौत, बच्चों समेत 34 लोग घायल

विश्व केसरी■



कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि बुधवार शाम से रूस ने कीव पर बैलिस्टिक मिसाइलों से तीन चरणों में हमले किए। उन्होंने बताया कि रूसी बलों ने कुल 21 मिसाइलों का इस्तेमाल किया।

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करके हमले की जानकारी साझा की।

जेलेंस्की ने कहा कि इन हमलों में राजधानी कीव को काफी नुकसान पहुंचा है। कई आम रिहायशी इमारतें, ऊर्जा ढांचा, एक रेलवे स्टेशन और मेट्रो से जुड़ी सुविधाएं, शॉपिंग सेंटर, व्यावसायिक प्रतिष्ठान और अन्य इमारतें क्षतिग्रस्त हुई हैं। उन्होंने बताया कि एक मठ भी हमले की चपेट में आया है। उन्होंने कहा कि आपातकालीन सेवाएं सभी प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्य में लगी हुई हैं।

जेलेंस्की के मुताबिक, बीती रात यूक्रेन के 12 क्षेत्रों पर रूसी हमले हुए। कीव और उसके आसपास के इलाकों में 34 लोग घायल हुए हैं, जिनमें पांच बच्चे भी शामिल हैं। वहीं, अब तक दो लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। उन्होंने मृतकों के परिजनों और प्रियजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। जेलेंस्की ने कहा कि बातचीत के एक और दौर के तुरंत बाद रूस ने यह हमला किया, जो उसके रुख को साफ दिखाता है।

उन्होंने कहा, 'इसका मतलब है कि जो कुछ हो रहा है, उसके प्रति रूस के रवैये में कोई वास्तविक बदलाव नहीं आया है।'

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा कि युद्ध खत्म करने के लिए सही समाधान तलाशना जरूरी है, लेकिन जब बातचीत के जवाब में बैलिस्टिक मिसाइल हमले किए जाते हैं, तो रूस पर वास्तविक दबाव बनाना भी जरूरी हो जाता है।

केंद्र सरकार के 12 वर्षों की विकास यात्रा पर रांची में शुरू हुआ तीन दिवसीय 'स्वर्णिम भारत एक्सपो'

विश्व केसरी■



रांची। केंद्र सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल में विकास, जनकल्याण और आत्मनिर्भरता के प्रयासों को सामने रखने के लिए गुरुवार को रांची में तीन दिवसीय 'स्वर्णिम भारत एक्सपो 2026' की शुरुआत हुई। रांची क्लब में आयोजित इस प्रदर्शनी में केंद्र सरकार की प्रमुख योजनाओं, देश की विकास यात्रा और वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को प्रदर्शित किया गया है।

झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने इसका उद्घाटन किया। इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ भी मौजूद रहे। प्रदर्शनी की थीम '12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के' रखी गई है।

इसके जरिए केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। प्रदर्शनी में चित्रों, एलईडी स्क्रीन और सूचना पुस्तिकाओं के माध्यम से विकास, सामाजिक कल्याण, आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के संकल्प को प्रस्तुत किया गया है।

उद्घाटन के बाद राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि भारत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, बुनियादी ढांचे और डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए नागरिकों की भागीदारी को महत्वपूर्ण बताया। प्रदर्शनी में केंद्र सरकार की योजनाओं और विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं को एक ही स्थान पर देखने और समझने का अवसर उपलब्ध कराया गया है। इसका उद्देश्य लोगों को योजनाओं की जानकारी देना और देश की विकास यात्रा से जोड़ना है।

प्रदर्शनी में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में किए जा रहे प्रयासों और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की परिकल्पना को भी प्रमुखता दी गई है।

शिक्षा क्षेत्र में सुधार के लिए मेघालय सरकार प्रतिबद्ध, 2,000 से अधिक स्कूलों को किया गया अपग्रेड

विश्व केसरी■



शिलांग। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा ने गुरुवार को कहा कि राज्य सरकार शिक्षा पर सालाना लगभग 4,000 करोड़ रुपए खर्च करती है, जो कुल व्यय का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने स्कूलों के बुनियादी ढांचे, शिक्षकों के कल्याण और शैक्षणिक परिणामों में सुधार के प्रयासों के बारे में बताया।

मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने दक्षिण पश्चिम गारो हिल्स के रिमरंगपारा उच्च माध्यमिक विद्यालय के पुनर्निर्मित भवन का उद्घाटन करते हुए कहा कि सरकार विभिन्न परियोजनाओं पर सालाना लगभग 20,000 करोड़ रुपये खर्च करती है, जिसमें से 4,000 करोड़ रुपये शिक्षा क्षेत्र के लिए आवंटित किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की शिक्षा व्यवस्था को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, जिनमें जर्जर स्कूल भवन, अपर्याप्त बुनियादी ढांचा, शिक्षकों के वेतन संबंधी चिंताएं और माध्यमिक विद्यालय परिवीक्षा प्रमाणपत्र (एसएसएलसी) परीक्षाओं में खराब प्रदर्शन शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, 'गारो हिल्स क्षेत्र में पिछले वर्षों में 75 प्रतिशत से अधिक बच्चे एसएसएलसी परीक्षा में असफल रहे।' उन्होंने कहा कि एनपीपी के नेतृत्व वाली सरकार ने पिछले आठ वर्षों में स्थिति सुधारने के लिए काम किया है।

संगमा ने बताया कि स्कूल प्रबंधन समिति और स्थानीय समुदाय के अनुरोधों के बाद मुख्यमंत्री विशेष विकास कोष (सीएमएसडीएफ) से 14 लाख रुपए की सहायता से नवीनीकृत स्कूल भवन का निर्माण किया गया।

मिशन एजुकेशन के तहत बुनियादी ढांचे में हुए सुधारों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मेघालय भर में 2,000 से अधिक स्कूलों का उन्नयन किया गया है, जबकि 23 सितंबर को 80 से अधिक नए स्कूल भवनों का उद्घाटन किया गया।

काशी तमिल संगमम 5.0, तमिलनाडु और काशी की सांस्कृतिक विरासत का संगम

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। काशी और तमिलनाडु के सदियों पुराने सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के लिए काशी तमिल संगमम का पांचवां संस्करण आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने 22 अक्टूबर को इसके लिए पंजीकरण पोर्टल का शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम देश के 1,000 उच्च शिक्षण संस्थानों में चलेंगे। इसका आयोजन 28 नवंबर से 12 दिसंबर 2026 तक चलेगा। इसके तहत भाषाई विविधता और ज्ञान परंपराओं को करीब से जानने का अवसर मिलेगा।

इस बार आयोजन की मुख्य विषयवस्तु 'तिरुक्कुरल पढ़ें और समझें' रखी गई है। इसका उद्देश्य तमिल भाषा के प्राचीन ग्रंथ 'तिरुक्कुरल' में समाहित नैतिक और जीवन मूल्यों को देश के युवाओं और विद्यार्थियों तक पहुंचाना है। इसके लिए शैक्षणिक गतिविधियों, विभिन्न भाषाओं में अध्ययन सामग्री और जनभागीदारी का सहारा लिया जाएगा। प्रयास होगा कि इस ग्रंथ की शिक्षाएं केवल पढ़ने तक सीमित न रहें, बल्कि लोग उन्हें अपने दैनिक जीवन में भी अपनाएं।

पंजीकरण पोर्टल के शुभारंभ पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि भारत में प्राचीन काल से ही सांस्कृतिक एकता की मजबूत परंपरा रही है। देश के उत्तर और दक्षिण के बीच गहरे सांस्कृतिक संबंधों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि धार्मिक परंपराओं के तहत बड़ी संख्या में लोग काशी और रामेश्वरम की यात्रा करते रहे हैं। यह दोनों क्षेत्रों के बीच सदियों पुराने जुड़ाव को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि काशी तमिल संगमम के माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों, लेखकों, पेशेवरों, किसानों, कलाकारों, महिलाओं और आध्यात्मिक विद्वानों को एक मंच पर लाया जाएगा।

'बदलते समय के साथ होने चाहिए कानूनी सुधार', उपराष्ट्रपति ने राज्यों से पुराने कानूनों को निरस्त करने का किया आग्रह

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सुशासन के लिए राज्य सरकारों से अप्रचलित कानूनों को निरस्त करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि विधिक सुधारों को बदलते समय के अनुरूप होना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने गुरुवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में भारतीय विधि आयोग की ओर से आयोजित समारोह का उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम 'सहकारी संघवाद और विधिक सुधार: राष्ट्रीय एवं राज्य परिप्रेक्ष्य' विषय पर केंद्रित था।

सभा को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में एकता है। संविधान, संघ की शक्ति और राज्यों की जिम्मेदारियों और उनकी वैध स्वायत्तता के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि भारतीय संघवाद की वास्तविक शक्ति विविधताओं का सम्मान करते हुए साझा राष्ट्रीय उद्देश्यों की दिशा में संयुक्?त रूप से कार्य करने में निहित है।

सहकारी और प्रतिस्पर्धी संघवाद के महत्व का जिक्र करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'टीम इंडिया' की परिकल्पना केंद्र और राज्यों के बीच परामर्श, समन्वय और साझा दायित्?व की आकांक्षा रखती है। उन्होंने कहा कि व्यापक जनहित में मिलकर काम करने के मार्ग में राजनीतिक मतभेद कभी बाधा नहीं बनने चाहिए। सीपी राधाकृष्णन ने 'विकसित भारत ञ2047' के लक्ष्य को प्राप्त करने में विधिक सुधारों के महत्व पर बल देते हुए कहा कि विकास को सुदृढ़ कानूनों, पारदर्शी संस्थाओं, कुशल प्रशासन और सभी के लिए न्याय का समर्थन मिलना आवश्यक है।

उपराष्ट्रपति ने पिछले बारह वर्षों में औपनिवेशिक काल के तीन आपराधिक कानूनों को प्रतिस्थापित करने और 1,700 से अधिक अप्रचलित कानूनों को निरस्त करने को भारत की विधिक व्यवस्था के आधुनिकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

मेंस हाई जंप टी63 स्पर्धा में भारत ने किया 'क्लीन स्वीप', शैलेश कुमार बने 'गोल्डन ब्वॉय'

विश्व केसरी ■

नागोया। भारत ने एशियन पैरा गेम्स 2026 में गुरुवार को पुरुषों की हाई जंप टी63 फाइनल में तीनों पदक अपने नाम किए। इस स्पर्धा में शैलेश कुमार ने गोल्ड मेडल जीता, जबकि वरुण भाटी को सिल्वर और राहुल को ब्रॉन्ज मेडल मिला।

शैलेश ने 1.89 मीटर की बेहतरीन छलांग लगाकर गोल्ड मेडल हासिल किया। वहीं, वरुण ने 1.84 मीटर की छलांग के साथ दूसरा स्थान अपने नाम किया। राहुल ने 1.81 मीटर की अपनी अब तक की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर पोडियम में तीसरा स्थान हासिल किया।

भारत ने पुरुषों की हाई जंप टी42/टी63 स्पर्धा में एक बार फिर तीनों पदक जीतकर 2022 के अपने प्रदर्शन को दोहराया। इन खेलों में यह भारत की ओर से तीनों पदक जीतने का तीसरा मौका था। इससे पहले, मेंस डिस्कस थ्रो एफ44/64 स्पर्धा में देवेंद्र कुमार के नेतृत्व में और पुरुषों की शॉट पुट एफ46 फाइनल में सचिन खिलारी के नेतृत्व में भारत ने तीनों पदक जीते थे।



वरुण उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा के रहने वाले एक बेहतरीन भारतीय पैरा हाई जंपर हैं। पैरालंपिक मंच पर उन्हें पहली बड़ी सफलता 2016 के रियो पैरालंपिक खेलों में मिली, जहां उन्होंने 1.86 मीटर की छलांग लगाकर मेंस हाई जंप टी42 स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

इसके बाद उन्होंने वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2017 में ब्रॉन्ज मेडल और एशियन पैरा गेम्स 2018 में सिल्वर मेडल जीता, जहां उन्होंने 1.82 मीटर की ऊंचाई पार की थी। हाल ही में, नई दिल्ली में आयोजित 2025 वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने 1.85 मीटर की छलांग लगाकर मेंस हाई जंप टी63 स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीता।

दिन की शुरुआत में, 400 मीटर टी47 स्पर्धा में भारत ने पहला और दूसरा स्थान हासिल किया। इसमें अंजनाबेन बंबडिया ने 59.97 सेकंड में गोल्ड मेडल जीता, जबकि जयंती बेहरा ने 1:00.65 के समय के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया। अंजनाबेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि जयंती उनके ठीक पीछे रहीं।

शीतल देवी ने व्यक्तिगत कंपाउंड इवेंट में जीता गोल्ड

विश्व केसरी ■

नागोया। शीतल देवी ने एशियन पैरा गेम्स 2026 में एक और यादगार प्रदर्शन किया है। उन्होंने महिलाओं के कंपाउंड व्यक्तिगत फाइनल में सिंगापुर की नूर स्याहिदा अलीम को 142-139 से हराकर भारत के लिए 17वां गोल्ड मेडल जीता।

भारतीय पैरा-आर्चर ने चार अंकों से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की और पिछले एशियन पैरा गेम्स में जीते गए अपने खिताब को सफलतापूर्वक बचाव किया। फाइनल में शीतल के धैर्य की कड़ी परीक्षा हुई। वह 55-59 से पीछे चल रही थीं और दूसरे राउंड में केवल 26 अंक ही बना पाईं, जिससे उनका गोल्ड मेडल जीतने का सपना खतरे में पड़ गया था। हालांकि, 18 वर्षीय शीतल ने जोरदार वापसी की और लगातार दो बार परफेक्ट स्कोर (30 अंक) हासिल करके मुकाबले पर फिर से पकड़ बना ली और जीत अपने नाम की।



इस जीत के साथ ही आइची-नागोया में शीतल का शानदार सफर पूरा हुआ। उन्होंने एक बार फिर साबित किया कि वह अंतरराष्ट्रीय पैरा-आर्चरी के शीर्ष खिलाड़ियों में क्यों गिनी जाती हैं। इससे पहले, क्वालिफिकेशन राउंड में उन्होंने 720 में से 704 अंक बनाकर विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की थी। उन्होंने मार्च में बैंकॉक में बनाए गए अपने ही 698 अंकों के एशियाई रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया।

व्यक्तिगत गोल्ड मेडल के अलावा, शीतल ने मिक्स्ड टीम कंपाउंड इवेंट में भी सफलता हासिल की। ? ?उन्होंने तोमन कुमार के साथ मिलकर इंडोनेशिया को 151-148 से हराया। इससे पहले, इस भारतीय जोड़ी ने मिक्स्ड टीम क्वालिफिकेशन में 1402 अंकों के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाया था, जो पिछले 1400 अंकों के रिकॉर्ड से बेहतर था।

इसके अलावा, शीतल ने पायल नाग के साथ मिलकर महिलाओं के कंपाउंड डबल्स में सिल्वर मेडल भी जीता। इस जोड़ी ने क्वालिफिकेशन राउंड में 1379 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया और नए एशियाई तथा एशियन पैरा गेम्स रिकॉर्ड बनाए। नागोया में दो गोल्ड और एक सिल्वर मेडल जीतकर शीतल ने एशियन पैरा गेम्स 2023 की तरह ही इस बार भी कुल तीन मेडल अपने नाम किए हैं।

श्रीलंका ने चेज किया वनडे इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर, हैरी ब्रूक का दोहरा शतक गया बेकार



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दासुन शनाका के 97 और जनिथ लियानगे के नाबाद 61 रनों की पारी की बदौलत श्रीलंका ने इंग्लैंड को हराकर इतिहास रच दिया है। श्रीलंका ने अपने वनडे क्रिकेट के इतिहास में पहली बार 400 से अधिक रनों का चेज किया है। इंग्लैंड ने कप्तान हैरी ब्रूक के दोहरे शतक के दम पर पहले बल्लेबाजी करते हुए 429 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था। श्रीलंकाई टीम ने लक्ष्य को 49.5 ओवरों में हासिल कर लिया और मैच में दो विकेट से जीत हासिल की। ये वनडे क्रिकेट के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा रन चेज है। साल 2006 में साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 435 रनों का ऐतिहासिक चेज किया था। अब श्रीलंकाई टीम दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। शनाका और लियानगे के अलावा पवन रत्नायके ने भी शानदार पारी खेली और शतक लगाकर टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

निंगबो ओपनः जैस्मीन पाओलिनी को हराकर बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह



विश्व केसरी ■

निंगबो। अमेरिका की युवा खिलाड़ी इवा जोविक ने निंगबो ओपन में शानदार डेब्यू किया है। गुरुवार को सेंटर कोर्ट पर हुए राउंड-16 के मैच में उन्होंने दो बार ग्रैंड स्लैम फाइनल खेल चुकीं जैस्मीन पाओलिनी को हराया।

चौथी वरीयता प्राप्त जोविक को पहले राउंड में 'बाय' (सीधे अगले राउंड में प्रवेश) मिला था। पहले सेट में 1-3 से पिछड़ने के बाद उन्होंने वापसी की और पाओलिनी को 6-4, 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। 18 वर्षीय जोविक की सर्विस पहले सेट में एक बार ब्रेक हुई थी और वह 1-3 से पीछे चल रही थीं। हालांकि, धीमी शुरुआत के बाद उन्होंने वापसी की और पांचवें तथा नौवें गेम में पाओलिनी की सर्विस ब्रेक करके पहला सेट अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में भी इटली की खिलाड़ी पाओलिनी को अपनी सर्विस के साथ संघर्ष करना पड़ा, और जोविक ने चार बार उनकी सर्विस ब्रेक की। हालांकि, इस दौरान अमेरिकी खिलाड़ी जोविक की भी दो बार सर्विस ब्रेक हुई, लेकिन फिर भी उन्होंने दूसरा सेट जीतकर सीधे सेटों में जीत हासिल कर ली।

इस जीत के साथ जोविक और पाओलिनी के बीच हेड टू हेड मुकाबलों का रिकॉर्ड 2-2 की बराबरी पर आ गया है। यह पाओलिनी के खिलाफ जोविक की लगातार दूसरी जीत है। इससे पहले, उन्होंने इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन में भी पाओलिनी को हराया था।

गुजरात स्टेट टेबल टेनिस चैंपियनशिपः विवान डेव ने अंडर-17 और अंडर-19 कैटेगरी में गोल्ड जीता

विश्व केसरी ■

अहमदाबाद। चौदह साल के टेबल टेनिस खिलाड़ी विवान डेव ने 16 से 20 अक्टूबर तक गांधीधाम में हुई गुजरात स्टेट टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2026 में अंडर-17 और अंडर-19 कैटेगरी में गोल्ड जीता। दो अलग-अलग आयु वर्गों में जीते गए खिताब विवान डेव के टेबल टेनिस में बढ़ते दबदबे को दिखाते हैं।

विवान डेव अदाणी स्पोर्ट्सलाइन के 'गर्व है' एथलीट रोस्टर का हिस्सा हैं। अपने से अधिक उम्र के विपक्षी खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबला करते हुए डबल गोल्ड जीतकर विवान ने अपने अद्भुत खेल कौशल का परिचय दिया है। वह पहले अंडर-15 कैटेगरी में भारत में दूसरे स्थान पर थे। उन्होंने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कॉम्पिटिशन में अपने प्रदर्शन को और बेहतर बनाना जारी रखा है।

इस साल की शुरुआत में, विवान ने कानपुर में यूटीटी नेशनल रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप में अंडर-17 कैटेगरी में गोल्ड जीता था। इंटरनेशनल सर्किट पर, उन्होंने उलानबटार में डब्ल्यूटीटी यूथ कंटेंडर में अंडर-15 कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता और फिर ताशकंद में डब्ल्यूटीटी यूथ कंटेंडर में उसी कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीता।



उनकी उपलब्धियों में 2025 में यूटीटी 87वीं इंटर-स्टेट सब-जूनियर और कैडेट नेशनल टेबल टेनिस चैंपियनशिप में डबल-गोल्ड परफॉर्मेंस भी शामिल है, जहां उन्होंने अंडर-15 इंडिविजुअल और टीम टाइटल जीते।

पांच साल की उम्र में टेबल टेनिस खेलना शुरू करने के बाद, विवान ने ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने और देश के लिए गोल्ड जीतने का लक्ष्य बनाया है। अपनी 'गर्व है' पहल के जरिए, अदाणी स्पोर्ट्सलाइन टेबल टेनिस किट और उपकरण देकर और कॉम्पिटिशन के लिए यात्रा की सुविधा देकर उनके विकास में मदद करती है, जिससे वह ट्रेनिंग और परफॉर्मेंस पर ध्यान लगा पाते हैं। वह 1 अगस्त 2026 से इस पहल से जुड़े हुए हैं।

अपनी कामयाबी पर विवान ने कहा, 'स्टेट चैंपियनशिप में अंडर-17 और अंडर-19 दोनों कैटेगरी में गोल्ड जीतना मेरे लिए गर्व का पल है। मैं बड़े और ज्यादा अनुभवी खिलाड़ियों के खिलाफ खेल रहा था, इसलिए हर मैच एक अच्छा टेस्ट था और मैंने इससे बहुत कुछ सीखा। मैंने पांच साल की उम्र में टेबल टेनिस खेलना शुरू किया था, और मेरा सपना हमेशा ओलंपिक में भारत के लिए खेलना और अपने देश के लिए गोल्ड मेडल जीतना रहा है। अदाणी स्पोर्ट्सलाइन ने मेरी किट, सामान और मेरे आने-जाने में मदद की है। सहयोग की वजह से मैं अपनी ट्रेनिंग और परफॉर्मेंस पर पूरी तरह से फोकस कर पाता हूं।

महिलाओं की 400 मीटर टी47 स्पर्धा में गोल्ड के साथ सिल्वर, टी12 में तेजलबेन का ब्रॉन्ज



विश्व केसरी ■

नागोया। भारत ने एशियन गेम्स 2026 में गुरुवार को महिलाओं की 400 मीटर टी47 स्पर्धा में दो मेडल हासिल किए। अंजानाबेन बंबडिया ने देश के लिए गोल्ड जीता, जबकि जयंती नेहरा ने सिल्वर हासिल किया। वहीं, तेजलबेन दामोर ने महिलाओं की 400 मीटर टी12 स्पर्धा में देश के लिए ब्रॉन्ज जीता।

नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में अंजानाबेन ने 400 मीटर टी47 दौड़ में 59.97 सेकंड (848 रजा प्वाइंट्स) का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया। अंजानाबेन ने हमवतन एथलीट जयंती से एक सेकंड से भी कम समय पहले दौड़ पूरी की।

जयंती ने 1:00.65 सेकंड (815 रजा प्वाइंट्स) के समय के साथ पोडियम पर दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि थाईलैंड की ससीरावन इनथाचोट 1:02.58 सेकंड (714 रजा प्वाइंट्स) के समय के साथ पोडियम पर अपनी जगह बनाने में सफल रहीं। वहीं, नेपाल की प्रभा आंगदेम्बे 1:15.81 (89 रजा प्वाइंट्स) के समय के चौथे स्थान हासिल किया। भारतीय धाविका एशियन पैरा गेम्स के 58.39 सेकंड के रिकॉर्ड को तोड़ने के काफी करीब पहुंच गई थीं। यह रिकॉर्ड 2018 के जकार्ता एशियन गेम्स के दौरान चीन की प्रमुख एथलीट ली लू ने बनाया था।

भाविना और शुभम ने मिक्स्ड डबल्स टेबल टेनिस में देश के लिए जीता ब्रॉन्ज मेडल

विश्व केसरी ■

नागोया। भारत की भाविना पटेल और शुभम वाधवा ने गुरुवार को 'एशियन पैरा गेम्स 2026' में मिश्रित युगल एक्सडी7 टेबल टेनिस स्पर्धा का ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। सेमीफाइनल मुकाबले में उन्हें साउथ कोरियाई जोड़ी जांग येओंगजिन और ली मिग्यू के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी को 6-11, 11-8, 5-11, 8-11 से शिकस्त मिली, जिसके साथ ही उनका सफर समाप्त हो गया। हालांकि, क्वार्टरफाइनल में मिली जीत से ही उनका मेडल सुनिश्चित हो गया था।

भाविना और शुभम ने क्वार्टरफाइनल में जापान की किमी बेशो और मासानोरी ऊनो के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। भारतीय जोड़ी ने 11-9, 11-3, 11-6 से जीत दर्ज की और सीधे गेमों में जीत हासिल करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई।



साउथ कोरियाई जोड़ी के खिलाफ उनका मुकाबला काफी कठिन रहा। दूसरे गेम में पिछड़ने के बाद जांग और ली ने वापसी की और मैच पर अपना नियंत्रण बना लिया। हार के बावजूद, भारतीय जोड़ी ने एक्सडी7 कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल के साथ अपना सफर पूरा किया। इस कैटेगरी में ऐसे व्हीलचेयर एथलीट शामिल होते हैं, जिनका बैठने का संतुलन मध्यम स्तर का होता है।

वहीं दूसरी ओर, मिक्स्ड डबल्स एक्सडी17 इवेंट में भारत के दत्ताप्रसाद चौगुले और सविता सेमीफाइनल में पहुंचने से चूक गए। उन्हें फिलीपींस के विलफ्रेड रेडुल्ला और मैंगिनसे ले के खिलाफ पांच गेमों के मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा।

भारतीय जोड़ी ने अच्छी शुरुआत की और शुरुआती दो गेम 11-9, 11-9 से अपने नाम किए। हालांकि, फिलीपींस की जोड़ी ने वापसी करते हुए अगले तीन गेम 11-2, 11-6, 11-5 से जीत लिए। इस तरह उन्होंने 3-2 से जीत दर्ज की और इस इवेंट में भारत के सफर को समाप्त कर दिया।

एक्सडी17 श्रेणी में आमतौर पर ऐसे टेबल टेनिस खिलाड़ी शामिल होते हैं जो खड़े होकर खेल सकते हैं और जिनके हाथों या पैरों से दिव्यांग होते हैं। इस वर्ग में क्लास 6 से 10 तक के खिलाड़ी शामिल किए जाते हैं, जिनकी शारीरिक चुनौतियां अलग-अलग स्तर की होती हैं, लेकिन वे खड़े होकर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम होते हैं। हालांकि, चौगुले और सविता आगे नहीं बढ़ सके, लेकिन भविना और शुभम के पोडियम तक पहुंचने से भारत के पदकों की संख्या में और इजाफा हुआ।

तैराकी में कपिल कुमार ने पुरुषों की 400 मीटर फ्रीस्टाइल में सिल्वर पदक हासिल किया

विश्व केसरी ■

नागोया। एशियन पैरा गेम्स 2026 में गुरुवार को कपिल कुमार ने तैराकी में पुरुषों की 400 मीटर फ्रीस्टाइल एस10 फाइनल में सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

कपिल कुमार ने 4:38.44 के समय के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। जापान के अकिटो मिनाई ने 4:27.44 के गेम्स-रिकॉर्ड समय के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि ईरान के शाहीन इजद्यार ने 4:38.65 के समय के साथ ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। पांच तैराकों के इस फाइनल में कपिल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पोडियम पर अपनी जगह बनाई और इजद्यार से मामूली अंतर से आगे रहे। हालांकि, मिनाई ने रिकॉर्ड तोड़ते हुए अच्छी बढ़त बना ली थी, लेकिन भारतीय तैराक ने दूसरा स्थान बनाए रखा और इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में भारत के मेडलों की संख्या में एक और मेडल जोड़ दिया।

इस सिल्वर मेडल के साथ ही इन खेलों में कपिल का अभियान भी पूरा हो गया। उन्होंने पैरा-स्विमिंग में भारत को एक और पोडियम फिनिश दिलाई। एस10 क्लासिफिकेशन उन तैराकों के लिए है, जिन्हें शारीरिक रूप से कम गंभीर दिक्कतें होती हैं। इसमें पैरों में कमजोरी, पैर न होना, घुटने के नीचे का हिस्सा न होना या कूल्हे से जुड़ी शारीरिक समस्याएं शामिल होती हैं। पैरा-स्विमिंग में, 'एस' का इस्तेमाल फ्रीस्टाइल, बैकस्ट्रोक और बटरफ्लाई इवेंट्स के लिए किया जाता है, जबकि 'एसबी' का मतलब ब्रेस्टस्ट्रोक और 'एसएम' का मतलब व्यक्तिगत मेडल प्रतियोगिताओं से होता है।



गुरुवार को भारत को अन्य स्पर्धाओं में भी सफलता मिली। पैरा टेबल टेनिस में भाविना पटेल और शुभम वाधवा ने मिक्स्ड डबल्स एक्सडी7 कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीता। हालांकि, उन्हें सेमीफाइनल में साउथ कोरिया के जांग येओंगजिन और ली मिग्यु से हार का सामना करना पड़ा था। इससे पहले, भारतीय जोड़ी ने जापान की किमी बेशो और मासानोरी यूनो को सीधे गेमों में हराकर अंतिम चार में अपनी जगह पक्की की थी।

इस त्योहारी सीजन में फोनपे पर लें किफायती 'फायर क्रैकर इंश्योरेंस'



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। फोनपे ने गुरुवार को अपने प्लेटफॉर्म पर फायर क्रैकर इंश्योरेंस की वापसी की घोषणा की। लगातार तीसरे साल उपलब्ध इस बीमा के तहत दिवाली के दौरान पटाखों से होने वाली दुर्घटनाओं से सुरक्षा के लिए 11 रुपए से शुरू होने वाले किफायती प्रीमियम पर 25,000 रुपए तक का चिकित्सा कवरेज दिया जाता है।

फोनपे प्लेटफॉर्म पर डिजिटल रूप से उपलब्ध इस बीमा की अंडरराइटिंग आदित्य बिड़ला हेल्थ इंश्योरेंस द्वारा की गई है। इस मौसमी माइक्रो-इंश्योरेंस का उद्देश्य खरीदारों को अतिरिक्त सुरक्षा और भरोसा देना है, ताकि वे त्योहार का आनंद लेते समय किसी अप्रत्याशित घटना की स्थिति में वित्तीय सहायता के प्रति आश्वस्त रह सकें।

यह पॉलिसी तीन प्रमुख क्षेत्रों में सुरक्षा प्रदान करती है:

अस्पताल में भर्ती होने का कवर: 24 घंटे से अधिक समय तक अस्पताल में भर्ती रहने पर 25,000 रुपए तक के चिकित्सा खर्च की प्रतिपूर्ति की जाती है।

डे-केयर उपचार: ऐसी छोटी चिकित्सा प्रक्रियाओं या जलने के उपचार पर 25,000 रुपए तक के चिकित्सा खर्च को कवर किया जाता है, जिनमें 24 घंटे से कम समय के लिए अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता होती है।

दुर्घटनावश मृत्यु लाभ: 25,000 रुपए की एकमुश्त निश्चित राशि दी जाती है। यह लाभ केवल मुख्य पॉलिसीधारक पर लागू होता है।

अस्पताल में भर्ती होने और डे-केयर उपचार का कवरेज मुख्य पॉलिसीधारक, उसके जीवनसाथी और अधिकतम दो आश्रित बच्चों को मिलता है। वहीं, दुर्घटनावश मृत्यु का लाभ केवल मुख्य पॉलिसीधारक तक सीमित है।

त्योहार के दौरान अलग-अलग जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह बीमा दो विकल्पों में उपलब्ध कराया गया है। खरीदारी के समय स्पष्टता बनाए रखने के लिए प्लेटफॉर्म पर एक समय में केवल एक ही सक्रिय प्लान दिखाई देता है।

30 दिन का प्लान: इसकी कीमत 21 रुपए है। यह प्लान 15 अक्टूबर से उपलब्ध है और इसके तहत 14 नवंबर तक बीमा कवरेज मिलता है। खरीद की तारीख से 30 दिनों तक यह वैध रहता है।

11 दिन का प्लान: इसकी कीमत 11 रुपए है। यह प्लान दिवाली के करीब 5 नवंबर से उपलब्ध होगा और 15 नवंबर तक कवरेज प्रदान करेगा। खरीद की तारीख से 11 दिनों तक यह वैध रहेगा।

इस प्लान को सरल, पारदर्शी और आसानी से उपलब्ध बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। उपयोगकर्ता फोनपे ऐप पर सीधे एक मिनट से भी कम समय में पॉलिसी खरीदकर तत्काल बीमा कवरेज प्राप्त कर सकते हैं।

फोनपे ऐप पर इस बीमा का लाभ उठाने का तरीका:

चरण 1: फोनपे ऐप खोलें और इंश्योरेंस सेक्शन में जाकर 'पटाखा बीमा' चुनें।

चरण 2: प्लान का विवरण चुनें। इसमें 25,000 रुपए का बीमा कवर और 11 रुपए या 21 रुपए का निश्चित प्रीमियम है। एक समय में केवल एक ही प्लान सक्रिय रहेगा।

चरण 3: बीमा प्रदाता की जानकारी और प्लान के लाभों का विस्तृत विवरण देखें।

चरण 4: अंत में पॉलिसीधारक का विवरण भरें और प्रक्रिया पूरी करने के लिए 'प्रोसीड टू पे' पर टैप करें।

भारत-ब्रिटेन: द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए टीपीसीआई और यूकेआईबीसी ने किया समझौता



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) के लागू होने के बाद द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों को और मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। ट्रेड प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया (टीपीसीआई) और यूके-इंडिया बिजनेस काउंसिल (यूकेआईबीसी) ने दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और कारोबारी सहयोग बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

टीपीसीआई के एक बयान के मुताबिक, यह समझौता संस्थागत स्तर पर व्यापारिक सहयोग का नया ढांचा तैयार करेगा। इसके तहत दोनों देशों की कंपनियों को जोड़ने, व्यापार मिशनों को बढ़ावा देने, बाजार संबंधी जानकारी साझा करने और लघु एवं मध्यम उद्यमों (एसएमई) के लिए नए अवसर पैदा करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

समझौते के साथ ही लंदन में टीपीसीआई द्वारा एक बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) मैचमेकिंग कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया, जिसमें भारत की 48 निर्यातक कंपनियों और ब्रिटेन के 150 आयातकों ने भाग लिया।

खाद्य एवं पेय पदार्थ क्षेत्र को नए व्यापार ढांचे के तहत सबसे अधिक संभावनाओं वाले क्षेत्रों में माना जा रहा है। ब्रिटेन हर साल लगभग 50.68 अरब डॉलर मूल्य के प्रोसेस्ड फूड का आयात करता है, जबकि इसमें भारत की हिस्सेदारी केवल 0.6 प्रतिशत यानी 30.95 करोड़ डॉलर है। ऐसे में भारतीय निर्यातकों के लिए विस्तार की बड़ी संभावनाएं मौजूद हैं।

सीईटीए के तहत प्रोसेस्ड फूड पर ब्रिटेन द्वारा लगाए जाने वाले 70 प्रतिशत तक के शुल्क, झींगा (श्रिम्प) पर 4.2 से 8.5 प्रतिशत तक के शुल्क और इंस्टेंट कॉफी पर लगने वाली ड्यूटी समाप्त कर दी गई है, जिससे भारतीय निर्यातकों को सीधा लाभ मिलेगा।

टीपीसीआई के अध्यक्ष मोहित सिंघला ने कहा कि यह समझौता भारत-यूके व्यापारिक संबंधों को नीति स्तर से आगे बढ़ाकर वास्तविक साझेदारी में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

उन्होंने कहा, 'भारत-यूके सीईटीए लागू होने के बाद टीपीसीआई और यूकेआईबीसी द्विपक्षीय व्यापार विकास को नई गति देने के लिए सक्रिय रूप से काम करेंगे, ताकि मुक्त व्यापार समझौते से मिलने वाले अवसर जमीन पर दिखाई दें।'

सिंघला ने कहा कि अब भारतीय उत्पादों की 99 प्रतिशत टैरिफ लाइनों को ब्रिटेन में शुल्क-मुक्त पहुंच मिल रही है। प्रोसेस्ड फूड पर 70 प्रतिशत तक के शुल्क समाप्त होने से भारतीय खाद्य निर्यातकों के लिए परिदृश्य पूरी तरह बदल गया है।

मणिपुर चक्र को जागृत करती है रुद्र मुद्रा, जानें करने का सही तरीका

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। योग और आयुर्वेद में मुद्राओं का विशेष महत्व बताया गया है। हाथों की उंगलियों से बनने वाली ये मुद्राएं शरीर में मौजूद पांच तत्वों को संतुलित करने का काम करती हैं। ऐसी ही एक शक्तिशाली और प्रभावशाली मुद्रा है, रुद्रा मुद्रा। मान्यता है कि इसके नियमित अभ्यास से न सिर्फ शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक असर पड़ता है।



रुद्र मुद्रा योग विज्ञान की एक अत्यंत शक्तिशाली हस्त मुद्रा है, जो शरीर में ऊर्जा, मानसिक स्पष्टता और शारीरिक शक्ति को बढ़ाने के लिए जानी जाती है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, यह मुद्रा शरीर के मणिपुर चक्र (मानव शरीर के सात मुख्य चक्रों में तीसरा चक्र) को सक्रिय करती है, जो हमारे शरीर में अग्नि और जीवन शक्ति का केंद्र है।

रुद्र मुद्रा को आयुर्वेद में पाचन की अग्नि को ठीक करने वाली मुद्रा कहा गया है। इसके अभ्यास से पेट से जुड़ी एसिडिटी, पेट फूलना (गैस) और कब्ज जैसी समस्याओं में काफी राहत मिलती है।

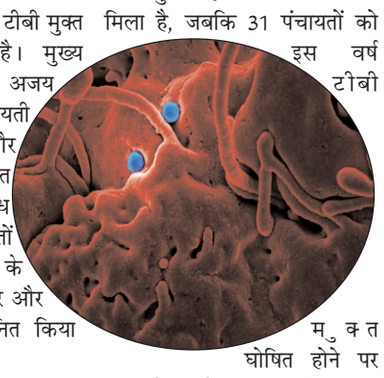
भगवान शिव के एक रूप रुद्र के नाम पर रखी गई इस मुद्रा को अग्नि तत्व की मुद्रा भी कहा जाता है। इस मुद्रा को बनाने के लिए हाथ की तर्जनी (इंडैक्स फिंगर) और अनामिका (रिंग फिंगर) के सिरों को अंगूठे के सिरों से मिलाया जाता है जबकि बीच की और छोटी उंगली सीधी रखी जाती है।

योग विशेषज्ञों के अनुसार, रुद्र मुद्रा उन लोगों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद है, जो निम्न रक्तचाप की समस्या से जूझ रहे हैं क्योंकि यह रक्त परिसंचरण में सुधार करती है। दरअसल, हमारा ब्लड प्रेशर सीधे तौर पर रक्त परिसंचरण और अग्नि तत्व से जुड़ा होता है। जब शरीर में अग्नि तत्व कमजोर हो जाता है, तो दिल को पूरे शरीर तक खून पहुंचाने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है और खून की गति धीमी पड़ जाती है, जिसे हम लो बीपी कहते हैं।

हिमाचल प्रदेश: सोलन की 44 पंचायतें टीबी मुक्त, 7 को गोल्ड और 6 को सिल्वर मेडल से किया सम्मानित

विश्व केसरी ■

शिमला। हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 44 पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय पाठक ने बताया कि पंचायती राज प्रतिनिधियों और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त प्रयासों से यह उपलब्धि हासिल हुई है। इन पंचायतों को उनकी उपलब्धि के आधार पर गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल से सम्मानित किया गया है।



डॉ. अजय पाठक के अनुसार, सात पंचायतों को गोल्ड मेडल प्रदान किया गया है, जो लगातार तीन वर्षों से टीबी मुक्त बनी हुई हैं। छह पंचायतों को लगातार दो वर्षों तक टीबी मुक्त रहने पर सिल्वर मेडल मिला है, जबकि 31 पंचायतों को इस वर्ष टीबी मुक्त घोषित होने पर ब्रॉन्ज मेडल से सम्मानित किया गया है।

उन्होंने बताया कि किसी पंचायत को टीबी मुक्त घोषित करने के लिए निर्धारित मानदंडों को पूरा करना अनिवार्य है। इसके तहत प्रति एक हजार की आबादी पर कम से कम 30 लोगों की टीबी जांच होनी चाहिए। साथ ही प्रति एक हजार आबादी पर टीबी मरीजों की संख्या एक से कम होना आवश्यक है। चिह्नित मरीजों का उपचार पूरा होने और उनके स्वस्थ होने के साथ निक्षय पोषण योजना के तहत पोषण सहायता उपलब्ध करवाना भी जरूरी है। सीएमओ ने कहा कि टीबी को लेकर समाज में फैली भ्रांतियों और भेदभाव को दूर करने में जनप्रतिनिधियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। समय पर जांच और उपचार से इस बीमारी को पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। उन्होंने लोगों से बीमारी के लक्षणों को नजरअंदाज न करने की अपील की।

डॉ. पाठक के अनुसार, शाम को बुखार आना, थकान, वजन घटना, कमजोरी, 10 से 14 दिन तक खांसी रहना और गले में गांठें होना टीबी के संभावित लक्षण हो सकते हैं।

तमिलनाडु : वंडालूर चिड़ियाघर में बर्ड फ्लू की पुष्टि, दो दिन के लिए बंद हुई एंट्री

विश्व केसरी ■

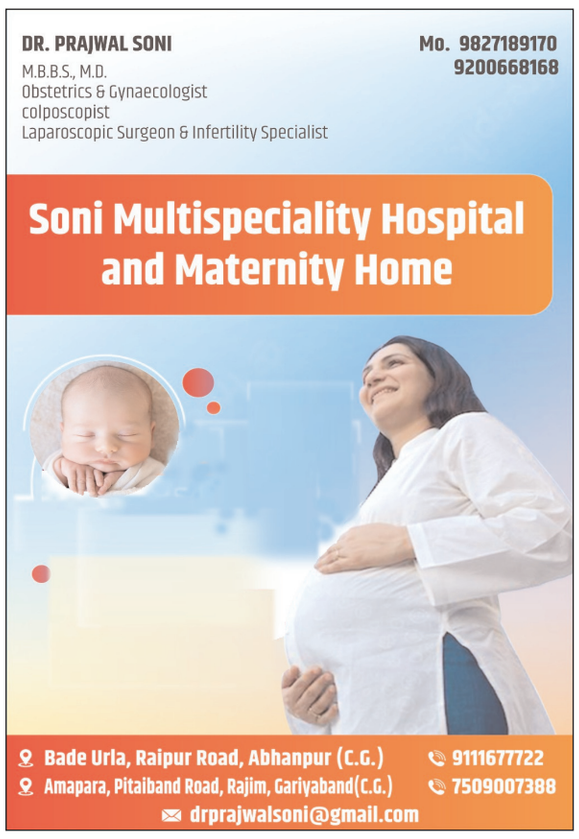
चेन्नई। चेन्नई के बाहरी इलाके में स्थित अरिगनर अन्ना जूलॉजिकल पार्क, वंडालूर में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। यहां जलीय पक्षियों में एच5एन1 एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस पाया गया है। इसके बाद चिड़ियाघर प्रशासन ने दो दिन के लिए आम जनता के प्रवेश पर रोक लगा दी है।

प्रशासन ने घोषणा की है कि गुरुवार और शुक्रवार को पार्क में लोगों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। यह फैसला संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए लिया गया है।

वायरस की पुष्टि मध्य प्रदेश के भोपाल में स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाई सिक्योरिटी एनिमल डिजीज की रिपोर्ट से हुई है। रिपोर्ट में साफ हुआ है कि चिड़ियाघर में रखे गए जलीय पक्षी एच5एन1 वायरस से संक्रमित हैं, जो बर्ड फ्लू का कारण है। पुष्टि के बाद अधिकारियों ने पक्षियों को रखे जाने वाले क्षेत्रों की सफाई और कीटाणुशोधन का काम शुरू कर दिया है।















यमुना को पुनर्जीवित करने के लिए 8,941 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का गृह मंत्री अमित शाह ने किया शुभारंभ

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को दिल्ली में यमुना नदी के पुनर्जीवन और सफाई से जुड़ी 8,941 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने वर्ष 2029 तक यमुना को स्वच्छ बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

अमित शाह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली में उनकी पार्टी की सरकार बनने के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बड़ी बैठक बुलाई थी और यमुना को स्वच्छ बनाने का अपना विजन दिल्ली सरकार तथा गृह मंत्रालय के सामने रखा था।

उन्होंने कहा, 'इतने कम समय में हम 40 प्रतिशत से अधिक सफलता हासिल कर चुके हैं।'

गृह मंत्री ने बताया कि गुरुवार को 10 परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया और 33 नई परियोजनाओं की शुरुआत की गई।

उन्होंने कहा कि 8,941 करोड़ रुपए की लागत वाली इन योजनाओं के माध्यम से कई लाख लीटर पानी को शुद्ध कर यमुना में प्रवाहित किया जाएगा।

दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया है। साथ ही मौजूदा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के उन्नयन और नए एसटीपी स्थापित करने के लिए भी शिलान्यास किया गया है।

उन्होंने बताया कि एक विकेंद्रीकृत एसटीपी पंपिंग स्टेशन भी स्थापित किया गया है और घरों को सीवर लाइनों से जोड़ने का काम शुरू हो चुका है।

अमित शाह ने कहा, 'हम सीवर पुनर्वास, ड्रेनेज और टैपिंग कार्यों को आगे बढ़ा रहे हैं।' उन्होंने विश्वास जताया कि मई 2029 से पहले यमुना को स्वच्छ बना दिया जाएगा। इस अवसर पर दिल्ली के उपराज्यपाल टीएस संधू, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

गृह मंत्री ने कहा कि कुछ राजनीतिक दल केवल बहानेबाजी की राजनीति करते हैं। आम आदमी पार्टी की पूर्व सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, 'दिल्ली की पिछली सरकारें यह बहाना बनाती थीं कि उन्हें कोई मदद नहीं मिली। उनके हर दावे का हमारे पास जवाब है, लेकिन वह जवाब हम पंजाब में उनकी सरकार जाने के बाद देंगे।'

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने यमुना की सफाई के लिए कोई ठोस काम नहीं किया। उन्होंने कहा, 'हमारी सरकार ने सराय काले खां और आईटीओ क्षेत्र में असीता ईस्ट, बंसेरा और वासुदेव घाट जैसे विश्वस्तरीय कार्य किए हैं। भ्रष्टाचार करने के अलावा कोई काम नहीं किया।

उन्होंने कहा, 'उन्होंने कूड़े के पहाड़ों के नाम पर राजनीति की, लेकिन हमारी सरकार ने उन कूड़े के पहाड़ों को कम करने का काम किया है। अगले दो वर्षों में इन कूड़े के पहाड़ों की जगह बगीचे दिखाई देंगे।' अमित शाह ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी की सरकार के सहयोग से दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने 2.17 करोड़ मीट्रिक टन कचरा हटाया है और 100 एकड़ भूमि को कचरे से मुक्त कराया है।

उन्होंने बताया कि ओखला और भलस्वा के कूड़े के पहाड़ों की ऊंचाई 30 से 40 मीटर तक कम हुई है, जबकि गाजीपुर के कूड़े के पहाड़ की ऊंचाई 10 से 15 मीटर तक घट गई है।

गृह मंत्री ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने यमुना की सफाई के लिए कोई ठोस काम नहीं किया। उन्होंने कहा, 'हमारी सरकार ने सराय काले खां और आईटीओ क्षेत्र में असीता ईस्ट, बंसेरा और वासुदेव घाट जैसे विश्वस्तरीय कार्य किए हैं।'

दिल्ली में ग्रैप-1 को लेकर ट्रैफिक पुलिस करेगी सख्ती

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण पाने के लिए ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) का पहला चरण लागू कर दिया गया है। इसके तहत दिल्ली ट्रैफिक पुलिस यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई तेज करेगी।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की एडिशनल सीपी (ट्रैफिक) विजयंता आर्या ने लोगों से अपने वाहनों का प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) वैध रखने और आवश्यकता के अनुसार सार्वजनिक परिवहन का अधिक से अधिक इस्तेमाल करने की अपील की है।

एडिशनल सीपी (ट्रैफिक) विजयंता आर्या ने बताया कि दिल्ली में ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) का पहला चरण लागू कर दिया गया है। इसके तहत, दिल्ली ट्रैफिक पुलिस जाम को कम करने के लिए जरूरी तैनाती करेगी। हम जनता और यात्रियों से अपील करते हैं कि वे अपने वाहनों के 'पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल सर्टिफिकेट' (पीयूसीसी) को वैध रखें। पुरानी हो चुकी गाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी और इसे और तेज किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जो कमर्शियल गाड़ियां दिल्ली के लिए नहीं हैं, उन्हें बॉर्डर से ही दूसरी तरफ मोड़ दिया जाएगा। साथ ही साथ खुले में निर्माण कार्य और निर्माण/तोड़-फोड़ से निकले कचरे को ले जाने वाली गाड़ियों के खिलाफ भी कार्रवाई तेज की जाएगी। हम आपके माध्यम से जनता से अपील करना चाहते हैं कि वे ज़्यादा से ज़्यादा पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करें, ताकि हम सब मिलकर दिल्ली के पर्यावरण को बेहतर बना सकें। इसके साथ ही लोगों को ट्रैफिक नियमों का भी पालन करना चाहिए, ताकि उन्हें कम से कम परेशानी हो और वे अपनी मंजिल तक जल्दी और आराम से पहुंच सकें।

उन्होंने बताया कि जैसे-जैसे ट्रैफिक की समस्या आती है, जैसे-जैसे हमको लगता है कि जाम की स्थिति हो सकती है, हम उसके लिए उचित प्रबंध करेंगे। अगर हमको लगता है कि ट्रैफिक धीमे चल रहा है, तो हम उसको सही करेंगे। पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल सर्टिफिकेट पर कार्रवाई तेज की जाएगी, जिससे दिल्ली में ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान के नियमों का पालन कराया जा सके। इसीलिए हम लोगों को अपील करते हैं कि नियमों का पालन करें।

विजयंता आर्या ने बताया कि हम लोगों से आग्रह करते हैं कि लोग अपने पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल सर्टिफिकेट को सही रखें और समय-समय पर इसको चेक कराते रहें, जिससे परेशानी न हो।

आइसा अध्यक्ष नेहा बोरा की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने आइसा की अध्यक्ष नेहा बोरा की उस याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है, जिसमें उन्होंने स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट (एसईएम) द्वारा जारी नोटिस को चुनौती दी है। अदालत इस मामले में शुक्रवार को फैसला सुनाएगी।

नेहा बोरा ने अपनी याचिका में उस नोटिस को चुनौती दी है, जिसमें उन्हें 10,000 रुपए का बॉन्ड भरने और शांति बनाए रखने का निर्देश दिया गया था। सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) चेतन शर्मा ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि नेहा बोरा की याचिका सुनवाई योग्य नहीं है।

सुनवाई के दौरान अदालत ने टिप्पणी की कि किसी व्यक्ति से जांच पूरी होने तक अच्छे व्यवहार का बॉन्ड भरवाना एक तरह से उसे जांच पूरी होने तक निलंबित रखने जैसा है।

दिल्ली पुलिस की ओर से पेश एएसजी चेतन शर्मा ने नेहा बोरा के उस तर्क को खारिज किया, जिसमें कहा गया था कि बीएनएसएस की धारा 163 केवल मंडी हाउस क्षेत्र में लागू थी, कनॉट प्लेस में नहीं और जिस समय घटना हुई उस समय यह धारा लागू नहीं थी। चेतन शर्मा ने कहा कि यह दलील तथ्यात्मक रूप से गलत है। धारा 163 प्रभावी थी, पुलिस बल सीमित था और नेहा बोरा पुलिस को चकमा देकर कनॉट प्लेस की ओर बढ़ती रहीं।

कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता की मुख्य चिंता यह है कि उन्हें पहले ही गलत आचरण वाला व्यक्ति मान लिया गया है और अब उनसे अच्छे व्यवहार का आश्वासन मांगा जा रहा है। अदालत ने कहा कि जब कोई व्यक्ति अदालत में आकर यह वादा करता है कि वह भविष्य में सही व्यवहार करेगा, तो इसका अर्थ यह निकलता है कि वह अब तक सही व्यवहार नहीं कर रहा था।

दिल्ली विश्वविद्यालय में 'उड़ान' कार्यक्रम का समापन, विजेताओं को मिले 15 हजार तक के इनाम

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में गुरुवार को राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) और नॉन-कॉलेजिएट वुमेन एजुकेशन बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'उड़ान' कार्यक्रम का समापन समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया रहाटकर और एनसीडब्ल्यूईबी की डायरेक्टर प्रो. गीता भट्ट ने छात्राओं को संबोधित किया और इस कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

आईएएनएस से बातचीत में एनसीडब्ल्यू अध्यक्ष विजया रहाटकर ने कहा कि राष्ट्रीय महिला आयोग ने दिल्ली विश्वविद्यालय और एनसीडब्ल्यूईबी के साथ मिलकर 'उड़ान' कार्यक्रम आयोजित किया था, जिसका आज समापन हुआ है। उन्होंने बताया कि एनसीडब्ल्यूईबी के साथ पूरे दिल्ली में लगभग 49 हजार लड़कियां जुड़ी हुई हैं। ये छात्राएं शनिवार और रविवार को कॉलेज आती हैं और बाकी दिनों में घर की जिम्मेदारियां संभालती हैं या नौकरी करती हैं। वीकेंड पर पढ़ाई कर वे आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने का प्रयास कर रही हैं।

विजया रहाटकर ने कहा, 'इन सभी लड़कियों का हाथ राष्ट्रीय महिला आयोग ने पकड़ लिया है। हमने तय किया था कि हम इन बेटियों को सुरक्षा और सम्मान के बारे में बताएंगे। महिलाओं की सेफ्टी और सिक्योरिटी के लिए जो कानून हैं, उनके बारे में जानकारी देंगे। इसके साथ ही स्किलिंग के जरिए कैसे आगे बढ़ सकते हैं और अपने जीवन को आकार दे सकते हैं, इस पर भी हमने चर्चा की।'

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय महिला आयोग ने एनसीडब्ल्यूईबी के 27 केंद्रों पर 49 हजार छात्राओं के साथ संवाद किया। इस दौरान पोस्टर मेकिंग और रील मेकिंग जैसी कई प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।

उन्होंने विश्वास जताया कि इस कार्यक्रम से बेटियों में जो आत्मविश्वास आया है।

डीडीए और आईएनटीएसी मिलकर कराएंगे दिल्ली की विरासत सैर

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने भारतीय राष्ट्रीय कला एवं सांस्कृतिक विरासत ट्रस्ट (आईएनटीएसी) की दिल्ली शाखा के साथ विरासत और प्रकृति भ्रमण आयोजित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

एमओयू के तहत हर महीने दो विरासत और प्रकृति भ्रमण आयोजित किए जाएंगे। अधिकारी ने एक बयान में बताया कि इस पहल की शुरुआत 24 अक्टूबर को शाम 4 बजे महरौली पुरातत्व पार्क में विरासत भ्रमण के साथ होगी। गाइडेड वॉक लोगों को शहर की समृद्ध ऐतिहासिक, स्थापत्य, सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत को जानने और सराहने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

बयान में कहा गया है कि भागीदारी शुल्क प्रति व्यक्ति प्रति भ्रमण 500 रुपए प्लस जीएसटी है। इस माह के आरंभ में उपराज्यपाल टीएस संधू ने संजय वन में दिल्लीवासियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी के साथ एक विरासत यात्रा का नेतृत्व किया और 'दिल्ली रिज की खोज - दिल्ली के फेफड़ों की विरासत का पुनरुद्धार' नामक ई-पुस्तक का विमोचन किया। उन्होंने डीडीए को पारिस्थितिकी संरक्षण, विरासत संरक्षण और दिल्लीवासियों को प्रकृति से जोड़ने के लिए विरासत यात्राओं के आयोजन पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया।

यह यात्रा प्रतिभागियों को पार्क की ऐतिहासिक संरचनाओं, स्थापत्य विशेषताओं और कम ज्ञात कहानियों से परिचित कराएगी, जिससे दिल्ली के इतिहास की कई परतों को जानने का अवसर मिलेगा।

दिल्ली-एनसीआर की वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए एनएचएआई ने तैनात किए स्प्रिंकलर और एंटी-स्मॉग गन

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। सर्दियों के मौसम से पहले दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर प्रदूषण नियंत्रण उपायों को और मजबूत कर दिया है।

बयान के अनुसार, धूल प्रदूषण को कम करने के लिए करीब 60 वाटर स्प्रिंकलर और टैंकर, 14 एंटी-स्मॉग गन, 23 मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनें, दो ट्रैक्टर-माउंटेड झाड़ू और 900 से अधिक कर्मियों को तैनात किया गया है।

इसके अलावा दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्गों के 157 किलोमीटर लंबे हिस्से पर 13 मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनें नियमित रूप से कार्य कर रही हैं। एनएचएआई के सदस्य (तकनीकी) आलोक दीपांकर ने प्रदूषण नियंत्रण उपायों की समीक्षा करते हुए फील्ड टीमों को सभी उपकरणों, कर्मचारियों और पानी के छिड़काव की पूरी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने एंटी स्मॉग गन के नियमित संचालन और सड़कों की दैनिक मशीनों से सफाई पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) द्वारा निर्धारित मानकों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। इसमें निर्माण सामग्री को ढककर रखना, सड़कों को धूल मुक्त बनाए रखना और लागू ग्रेप चरणों के अनुसार अतिरिक्त कदम उठाना शामिल है।

एनएचएआई अधिकारियों को गतिविधियों की रोजाना निगरानी करने और जियो-टैग्ड तस्वीरों के साथ प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश भी दिया गया है। समीक्षा बैठक में अर्बन एक्सटेंशन रोड-2, द्वारका एक्सप्रेसवे, डीएनडी-सोहना एक्सप्रेसवे और दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे जैसी प्रमुख यातायात सुगमता परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई।

एनएचएआई के अनुसार, ये परियोजनाएं दिल्ली-एनसीआर में ट्रैफिक जाम और वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने में मदद कर रही हैं।

कमांडर्स सम्मेलन में भविष्य की युद्धक आवश्यकताओं पर मंथन, सेना प्रमुख ने दी फ्लाइट सेफ्टी ट्रॉफी

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। नई दिल्ली में भारतीय सेना की आर्मी कमांडर्स कांफ्रेंस चल रही है। 21 अक्टूबर को शुरू हुई कमांडर्स कांफ्रेंस गुरुवार को भी जारी रही। सेना के शीर्ष कमांडर्स ने यहां बदलते सुरक्षा परिदृश्य, सैन्य क्षमताओं और भविष्य की युद्ध संबंधी जरूरतों पर मंथन किया। 23 अक्टूबर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कमांडर्स कांफ्रेंस को संबोधित करेंगे।

कमांडर्स कांफ्रेंस की अध्यक्षता थलसेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ कर रहे हैं। गुरुवार को उन्होंने भारतीय सेना में उड़ान सुरक्षा के उच्च मानकों, अनुशासन और पेशेवर दक्षता को बढ़ावा देने के लिए आर्मी एविएशन स्क्वाड्रन को उड़ान सुरक्षा ट्रॉफी प्रदान की। यह ट्रॉफी सेना के विमानन दलों में उड़ान सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता और निर्धारित सुरक्षा प्रक्रियाओं के पालन को मान्यता देती है। इस प्रतियोगिता में हेलीकॉप्टर इकाइयों का आकलन दो अलग-अलग श्रेणियों में किया गया। ऐसा इसलिए ताकि एक इंजन और दो इंजन वाले हेलीकॉप्टर संचालित करने वाली इकाइयों के प्रदर्शन का निष्पक्ष मूल्यांकन किया जा सके। एक इंजन वाले हेलीकॉप्टर की श्रेणी में 665 आर्मी एविएशन स्क्वाड्रन (आरएंडओ) ने ट्रॉफी जीती। वहीं, दो इंजन वाले हेलीकॉप्टर की श्रेणी में 209 आर्मी एविएशन स्क्वाड्रन (यूएच) को विजेता घोषित किया गया। सेना प्रमुख द्वारा प्रदान की गई यह ट्रॉफी उड़ान सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता को सम्मानित करती है। इसका उद्देश्य सेना के विमानन अभियानों में अनुशासन, पेशेवर कार्यशैली और सुरक्षा संबंधी प्रक्रियाओं के कड़ाई से पालन को प्रोत्साहित करना है।

भारतीय सेना के मुताबिक, यह सम्मान सेना के विमानन बेड़े में मजबूत उड़ान सुरक्षा संस्कृति विकसित करने और अभियान संबंधी उत्कृष्टता बनाए रखने की प्रतिबद्धता को दोहराता है।

गौरतलब है कि आर्मी कमांडर्स कांफ्रेंस का मुख्य उद्देश्य भारतीय सेना को बदलती युद्ध परिस्थितियों के अनुरूप तैयार करना है। कमांडर्स कांफ्रेंस में भविष्य की सैन्य चुनौतियों से निपटने के लिए जरूरी नीतिगत दिशा भी तय किए जा रहे हैं। आर्मी कमांडर्स कांफ्रेंस वर्ष में दो बार आयोजित की जाती है।

ईडी ने निवेश धोखाधड़ी मामले में 1.66 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दिल्ली जोनल कार्यालय-II ने शांति स्वरूप सतीजा और अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत 1.66 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की गई है।

ईडी ने 21 अक्टूबर को जारी अनंतिम कुर्की आदेश (पीएओ) संख्या 24/2026 के तहत यह कार्रवाई की। कुर्क की गई संपत्तियां राजस्थान के जयपुर जिले की विराट नगर तहसील के धानी गैसकान गांव में स्थित जमीन हैं। ये संपत्तियां श्री गणेशम बिल्ड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशक अनिल कुमार शर्मा के नाम पर हैं।

ईडी के अनुसार, यह कार्रवाई अपराध से अर्जित आय के बराबर मूल्य की संपत्तियों को सुरक्षित करने के लिए की गई है। जांच में सामने आया कि अपराध से अर्जित 1.66 करोड़ रुपये की राशि श्री गणेशम बिल्ड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशक अनिल कुमार शर्मा को हस्तांतरित की गई थी और उनके पास रखी गई थी।

ईडी ने दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज 10 एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की थी। इन मामलों की जांच दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 420 और 120बी के तहत की थी।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415